हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,रविवार | 23 फरवरी 2025 | वर्ष : 03 | अंक :52 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

जो अपने काम में असफल होते हैं, वो लक्ष्य की ह्यसमय-सीमा बदलते हैं : अखिलेश यादव

एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने वर्ष 2029 तक राज्य की अर्थव्यवस्था को एक हजार अरब डॉलर किये जाने के सरकार के दावे पर तंज कसते हुए कहा कि जो अपने काम में असफल होते हैं, वो लक्ष्य की ह्यसमय-सीमाह्व बदलते हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ह्वजो अपने काम में असफल होते हैं, वो लक्ष्य की ह्यसमय-सीमा बदलते हैं, देश-प्रदेश का भविष्य नहीं।उन्होंने राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ह्व2021 में भाजपाइयों ने कहा था कि 2024 तक उप्र की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर (एक हजार अरब डॉलर) की हो जाएगी और अब 2025 में कह रहे हैं, 2029 में उप्र की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर की हो जाएगी।ह्व यादव ने कहा, ह्वजनता को न इनके बीते कल के वादे पर विश्वास था, न आने वाले कल के दावे पर भरोसा है। झूठ भाजपा का पर्याय बन गया है।

एनडीए हर समय चुनाव के लिए तैयार, बोले विजय चौधरी; कांग्रेस, राजद ने नीतीश कुमार को लपेटा

नीतीश सरकार के जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी ने कहा है कि एनडीए के सभी दल चुनाव और विपक्ष की चुनौती के लिए हर वक्त तैयार है। जदयू नेता के इस बयान पर राजद और कांग्रेस ने पलटवार किया है।

एजेंसी

पटना: बिहार में इसी साल विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। इसे लेकर राजनैतिक गर्माहट बढ़ती जा रही है। नीतीश सरकार के जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी ने कहा है कि एनडीए के सभी दल चुनाव और विपक्ष की चुनौती के लिए हर वक्त तैयार है। जदयू नेता के इस बयान पर राजद और कांग्रेस ने पलटवार किया है। दोनों पार्टियों ने नीतीश कुमार को लपेटे में ले लिया है।शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए विजय कुमार चौधरी ने कहा कि एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में न सिर्फ एकजुट है बल्कि किसी भी समय चुनाव का सामना करने के लिए तैयार है। इसका फैसला चुनाव आयोग लेगा कि कब चुनाव होंगे लेकिन हमारे गठबंधन की सभी पार्टियां हर वक्त चुनाव या विपक्ष की किसी भी चुनौती से निपट सकते हैं। समय से पहले चुनाव की संभावना पर उन्होंने कहा कि इसकी कोई जानाकारी अभी तक नहीं है। हालांकि, उन्होंने चुनाव का

सामने करने लिए तैयार रहने की बात पर विशेष जोर दिया।मंत्री के बयान पर पलटवार करते हुए लालू यादव की पार्टी आरजेडी के प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि विजय चौधरी चाहे जो कह लें लेकिन उनकी सरकार फिर से नहीं बनने वाली है। बिहार की जनता ने तय कर लिया है कि व्यवस्था को कमजोर करने वालों को सत्ता से बेदखल कर देना है। सबको पता है कि एडीए ने चुनाव आयोग से अपने हिसाब से काम करवाती है। चुनाव चाहे जब हों लेकिन किसी भी स्थिति में नीतीश कुमार के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार की वापसी नहीं होगी। बिहार में सकारात्मक सोच और सकारात्मक विचार, विकासपरक राजनीति की तेजस्वी यादव की पॉलिसी को जनता का समर्थन मिलेगा।इस मुद्दे पर कांग्रेस प्रवक्ता राजेश राठौर ने कहा कि विजय चौधरी के बयान के बाद कुछ बच ही नहीं जाता। नीतीश कुमार बीस साल से बिहार की दुर्गति को देखने लिए प्रगति यात्रा पर निकले हैं लेकिन मीडिया से बात नहीं करते हैं। उन्हें मीडिया से दूर रखा जाता है। दिन प्रतिदिन उनकी स्थिति खराब हो रही है।ऐसे में जदयू जल्द से जल्द चुनाव कराने की रणनीति बना रही है। हमलोग कभी भी चुनाव के लिए तैयार हैं। लेकिन नीतीश कुमार के सेहत को देखते हुए जदयू की चिंता बढ़ गई है।नीतीश सरकार के जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी ने कहा है कि एनडीए के सभी दल चुनाव और विपक्ष की चुनौती के लिए हर वक्त तैयार है। जदयू नेता के इस बयान पर राजद और कांग्रेस ने पलटवार किया है।

पूर्व RBI गवर्नर शक्तिकांत दास को मिली बड़ी जिम्मेदारी, बने पीएम मोदी के प्रधान सचिव-2

एजेंसी

नई दिल्ली: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'प्रधान सचिव-2' नियुक्त किया गया है। केंद्र सरकार के एक परिपत्र में कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने शक्तिकांत दास, आईएएस (सेवानिवृत्त) को प्रधान मंत्री के प्रधान सचिव -2 के रूप में उनके पदभार ग्रहण करने की तारीख से नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। इसमें कहा गया है कि उनकी नियुक्ति प्रधानमंत्री के कार्यकाल के साथ सह-समाप्ति या अगले आदेश तक रहेगी।छह साल तक आरबीआई के गवर्नर रहे शक्तिकांत दास ने पिछले साल दिसंबर में पद छोड़ दिया था। संजय मल्होत्रा ??ने बुधवार को शीर्ष बैंक के 26वें गवर्नर के रूप में कार्यभार संभाला। 67 वर्षीय शक्तिकांत दास एक कैरियर राजनयिक हैं। उर्जित पटेल के अचानक इस्तीफा देने के बाद वह 2018 में आरबीआई गवर्नर बने। 1980 बैच के तमिलनाडु कैडर के आईएएस अधिकारी, दास के पास दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज से इतिहास में मास्टर डिग्री और बर्मिंघम विश्वविद्यालय से सार्वजनिक प्रशासन में स्नातकोत्तर डिग्री है।वह आर्थिक मामलों के सचिव थे जब सरकार ने नवंबर 2016 में अचानक उच्च मूल्य वाले मुद्रा नोटों को बंद कर दिया था। दास ने तब महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जब कई अप्रत्यक्ष करों को एक जीएसटी में विलय कर दिया गया, जो 1 जुलाई, 2017 को लागू हुआ। शक्तिकांत दास ने छह साल तक आरबीआई गवर्नर के रूप में कार्य किया, जिसमें उनके कार्यकाल के दौरान दिया गया तीन साल का विस्तार भी शामिल है। वह 1980-बैच के तमिलनाडु कैडर के पूर्व आईएएस अधिकारी हैं और उन्होंने दिसंबर 2018 में आरबीआई गवर्नर की भूमिका संभाली थी। आरबीआई गवर्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने कई चुनौतियों के माध्यम से केंद्रीय बैंक की प्रतिक्रिया को आगे बढ़ाया,।

'क्या रेलवे 21वीं सदी के लिए तैयार है?', राहुल गांधी ने मोदी सरकार से पूछा बड़ा सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली: भारतीय रेलवे को लेकर एक बार फिर से कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने रेलवे की स्थिति को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है।एक वीडियो को साझा करते हुए राहुल ने एक्स पर लिखा कि कल रायबरेली में मॉडर्न कोच फैक्ट्री के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बातचीत के दौरान एक महत्वपूर्ण सवाल उठा - क्या करोड़ों भारतीयों की यात्रा की रीढ़ हमारी रेलवे वाकई 21वीं सदी के लिए तैयार है?कांग्रेस नेता ने कहा कि मौजूदा समय की जरूरतों को देखते हुए इसे और आधुनिक, सुरक्षित और सक्षम बनाने के लिए तेजी से प्रयास किए जाने चाहिए। रेलवे को सिर्फ यात्रा का साधन न मानकर, प्रोडक्शन और अर्थव्यवस्था के एक मजबूत स्तंभ के रूप में विकसित करना होगा। उन्होंने कहा कि विदेशी मशीनों, मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन पर निर्भर होने के बजाय हमारा लक्ष्य पूरी तरह से लोकलाइज्ड प्रोडक्शन सिस्टम को मजबूत बनाने पर होना चाहिए।गांधी ने कहा कि हमारे इंजीनियर्स और टेक्नीशियन रात-दिन मेहनत करते हैं।

'राहुल बाबा हमारा मजाक उड़ाते थे, हमने एक क्लिक से लोगों के खाते में पैसे डाले', महाराष्ट्र में बोले अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अनुसार, महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में महायुति गठबंधन की जीत प्रामाणिक शिवसेना और एनसीपी के लिए जनता के समर्थन का संकेत देती है। प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को धनराशि वितरित करते हुए एक समारोह में अमित शाह ने नई सरकार का समर्थन करने के लिए महाराष्ट्र के लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने शिवसेना और राकांपा के भीतर वास्तविक गुटों पर जनता के स्पष्ट निर्णय पर जोर दिया। एनडीए की तीसरी बार जीत के साथ, पीएम मोदी ने पीएमएवाई के दूसरे चरण की शुरूआत की, जिसमें 20 लाख परिवारों को

आवास की सहायता दी गई। इस योजना के तहत सबसे अधिक लाभार्थियों के साथ महाराष्ट्र अग्रणी है, जो एक महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक उत्थान को दर्शाता है। इस योजना का लक्ष्य 2029 तक देशभर में बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देते हुए पांच करोड़ घर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में 1,465 शहरी सहकारी बैंक हैं, और 400 से अधिक केवल महाराष्ट्र में हैं। हम एक वटइफएछछअ संगठन को सक्रिय कर रहे हैं, जो सभी सहकारी बैंकों को हर संभव तरीके से मदद करेगा। वटइफएछछअ संस्था के लिए 300 करोड़ रुपये का बजट भी मंजूर किया गया है। अमित शाह ने कहा कि जब पीएम मोदी ने जनधन खाते खोले, तो राहुल गांधी ने उनसे पूछा कि पीएम मोदी खाते में क्या ट्रांसफर करेंगे? मैं आपको बताना चाहता हूं, राहुल गांधी, कैसे पीएम मोदी ने एक क्लिक से लाभार्थी के खाते में धनराशि ट्रांसफर की।

MSP की गारंटी पर नहीं बनी बात: चंडीगढ़ में किसान नेताओं से मिले कृषि मंत्री शिवराज; जानें क्या कहा

एजेंसी

पंजाब: पंजाब की राजधानी चंडीगढ़ में शनिवार (22 फरवरी) को किसान नेताओं की केंद्र सरकार के साथ वार्ता हुई। बैठक के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, चर्चा अच्छी रही। हमने किसान नेताओं की बातें सुनी और किसान कल्याण से जुड़ी मोदी सरकार की प्राथमिकताएं उनके सामने रखी है। चर्चा आगे भी जारी रहेगी। 19 मार्च को चंडीगढ़ में एक बार फिर बैठक होगी।शिवराज सिंह चौहान ने कहा, दोनों किसान

संगठनों से बहुत सद्भाव पूर्ण चर्चा हुई है। किसान कल्याण में मोदी सरकार के कार्यक्रम रखे हैं। वहीं पंजाब सरकार के मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, यह बैठक एमएसपी की कानूनी गारंटी पर केंद्रित थी। किसान नेताओं ने अपनी बात रखी। मुझे उम्मीद है कि चर्चा सकारात्मक रहेगी।किसान संगठन फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी मांग रहे हैं। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल इसके लिए पिछले कई दिनों से आमरण अनशन पर हैं। किसानों ने पिछले साल भी लंबा आंदोलन किया था। सरकार ने आश्वासन दिया, लेकिन टरढ के लिए कानून नहीं बनाया।

देवेंद्र यादव पहुंचे दिल्ली : नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से की मुलाकात, सात महीने बाद हुए जेल से रिहा

एजेंसी

नई दिल्ली: बलौदाबाजार हिंसा मामले में 192 दिनों की जेल यात्रा के बाद विधायक देवेंद्र यादव अपने परिवार के साथ दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। नई दिल्ली में उन्होने अपनी पत्नी और बेटे के साथ राहुल गांधी से मुलाकात की।रायपुर। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार हिंसा मामले में विधायक देवेन्द्र यादव जेल से रिहा हो गए हैं। 192 दिनों की जेल यात्रा के बाद वे अपने परिवार के साथ दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। नई दिल्ली में उन्होने अपनी पत्नी और बेटे के साथ लोकसभा

के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। देवेंद्र यादव आगजनी और हिंसा मामले में पिछले 7 महीनों से जेल में बंद थे। विधायक देवेन्द्र यादव 7 महीने 4 दिन बाद जेल से बाहर आ गए हैं। सेन्ट्रल जेल के बाहर विधायक देवेंद्र यादव के परिवार वाले भी मौजूद है। वहीं उनके समर्थकों की भारी भीड़ जमा हो गई है,जो फूल माला मिठाई लेकर पहुंचे हैं। वहीं जेल के बाहर आते ही समर्थक जमकर आतिशबाजी करते हुए नजर आए। इस दौरान भीड़ को देखते हुए पुलिस ने जेल के बाहर जबरदस्त बैरिगेटिंग की है। वहीं मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल भी तैनात किए गए हैं। विधायक देवेंद्र यादव के बड़े भाई रोहित यादव ने जमानत कराई है।

सड़क हादसा : महाकुंभ से भिलाई लौट रहे श्रद्धालुओं की कार हुई दुर्घटनाग्रस्त, परिवार के एक व्यक्ति की मौत 6 घायल

एजेंसी

भिलाई। महाकुंभ से भिलाई लौट रहे एक परिवार के सात सदस्यों से भरी कार शहडोल-पंडरिया मार्ग पर ग्राम तरच के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में 60 वर्षीय राखी सिकदार की मौत हो गई, जबकि 6 अन्य घायल हो गए। हादसा शुक्रवार को हुआ जब तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पहले पेड़ से टकराई और फिर सड़क किनारे खाई में जा गिरी। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बजाग ले जाया गया। जहां से तीन की स्थिति नाजुक होने के कारण उन्हें जबलपुर रेफर कर दिया गया। मृतिका राखी सिकदार सेक्टर 9 अस्पताल में नर्स थी जो सेवानिवृत हो चुकी थी। उनके शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया और फिलहाल सेक्टर 9 अस्पताल के मरचुरी में रखा गया है।भिलाई नगर के शहडोल-पंडरिया मार्ग पर ग्राम तरच के पास शुक्रवार को तेज रफ्तार कर अनियंत्रित होकर पहले पेड़ से टकराई इसके बाद सड़क किनारे खाई में जा गिरी। प्रयागराज से भिलाई लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी इस कार के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण एक महिला की मौत हो गई जबकि 6 अन्य घायल हो गए। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बजाग ले जाया गया। बीएमओ दीपेंद्र धुर्वे के अनुसार, 60 वर्षीय राखी सिकदार के सिर और गले में गहरी चोटें आई थीं, जिसके कारण इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

'शराब और ड्रग्स की ओर जा रहे जम्मू-कश्मीर के युवा', इल्तिजा मुफ्ती की मांग, सरकार लगाए रोक

एजेंसी

नई दिल्ली: पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती श्रीनगर में पीडीपी कार्यालय में हस्ताक्षर अभियान में शामिल होने का आह्वान कर रही हैं। इस अभियान का उद्देश्य शराब की खपत पर प्रतिबंध लगाने वाले पीडीपी के विधेयक के लिए समर्थन जुटाना है।एक्स पर एक पोस्ट में, इल्तिजा मुफ़्ती ने लिखा कि शराब और ड्रग्स जम्मू-कश्मीर में जीवन और परिवारों को बर्बाद कर रहे हैं। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, हमें इसे खत्म करने के लिए एक साथ आना होगा।इल्तिजा मुफ़्ती ने कहा कि हम यहां एक बहुत ही गंभीर मुद्दे पर चर्चा करने आये हैं। जम्मू-कश्मीर में ड्रग्स और शराब का मुद्दा आग की तरह फैल रहा है। कुपवाड़ा से हमारे विधायक फैयाज अहमद मीर ने शराबबंदी पर जम्मू-कश्मीर

विधानसभा में एक विधेयक पेश किया है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के युवा शराब और ड्रग्स की ओर जा रहे हैं। हम लोगों में जागरूकता पैदा करना चाहते थे। नशीली दवाओं के खिलाफ और लोगों से हमारा समर्थन करने के लिए कहना है। उन्होंने कहा कि मैं जनता से अनुरोध करती हूं कि वे हमारे अभियान में हमारे साथ आएं। पिछले 4-5 वर्षों से, जम्मू-कश्मीर पुलिस नशीली दवाओं के खतरे को रोकने के लिए बहुत अच्छे से काम कर रही है। मैं उनसे अनुरोध करती हूं कि वे जम्मू-कश्मीर में मुफ्त उपलब्ध शराब पर रोक लगाएं। वहीं, कश्मीर में कई स्थानों पर शुक्रवार को ताजा हिमपात हुआ जबकि मैदानी इलाकों में रुक-रुक कर बारिश हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग, सोनमर्ग और पहलगाम में रातभर हिमपात हुआ। उन्होंने बताया कि अनंतनाग, जोजिला दर्रा, बनिहाल, साधना दर्रा, कुपवाड़ा के माछिल और बांदीपोरा के राजदान दर्रे में भी हिमपात दर्ज किया गया।एक्स पर एक पोस्ट में, इल्तिजा मुफ़्ती ने लिखा कि शराब और ड्रग्स जम्मू-कश्मीर में जीवन और परिवारों को बर्बाद कर रहे हैं। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, हमें इसे खत्म करने के लिए एक साथ आना होगा।

अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षात्मक बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनीजिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षात्मक बैठक हुई आयोजित।

जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षात्मक बैठक डीआरडीए सभागार में आयोजित हुई जिसमें निम्न निर्देश दिए।-

1. सभी उपाधीक्षक / प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि संस्थागत प्रसव संख्या में बढ़ोत्तरी किया जाय। चतुर्थ ए०एन०सी० एवं संस्थागत प्रसव की समीक्षा की जाय एवं दोषी आशा/स्वास्थ्य कर्मी एवं बिचौलिया पर कड़ी कार्रवाई किया जाय।
2. विशेष अभियान चलाकर अवैध नर्सिंग होम / क्लिनिक/पैथोलॉजी/अल्दसाउण्ड सेंटर की जाँच कर आवश्यक कार्रवाई किया जाना सुनिश्चित करें। किसी भी परिस्थिति में एक भी अवैध नर्सिंग होम/क्लिनिक/पैथोलॉजी/अल्ज़ाउण्ड सेंटर संचालित नहीं हो, यह सुनिश्चित करें।
3. जिलों में स्वास्थ्य संस्थानों में दवा की उपलब्धता सुनिश्चित करना। वर्तमान में आगामी त्रैमासिक का दवा कीअधियाचना बी०एम०एस०आई०सी०एल० से की गयी है। सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी यह देख लें कि आवश्यक मात्रा में दवा इंडेन्ट किया गया है अथवा नहीं। दवा की कमी रहने की स्थिति में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी जिम्मेवार होंगे। किसी भी परिस्थिति में मरीज को दवा बाहर से कय नहीं करना पड़े।
4. कुछ स्वास्थ्य संस्थान जिला दवा भंडार में उपलब्ध दवा का समय से उठाव नहीं करते है, जो गंभीर मामला है। इसी प्रकार हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर के स्तर से भी आवश्यक मात्रा में दवा की उपलब्धता सुनिश्चित करें।
5. निदेश दिया गया कि भव्या पोर्टल पर सभी प्रकार के गतिविधियों की प्रविष्टि कराई जाय।
6. C-Section समीक्षा के कम निदेश दिया गया कि अनुमंडलीय अस्पताल में भी तत्काल कम से कम 10 सी०-सेक्शन प्रतिमाह किया जाय।
7. e-Teleconsultation अधिक से अधिक करावें।
8. एन०आर०सी०, अनुमंडलीय अस्पताल, जयनगर में कुपोषित बच्चों को भेजने हेतु सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को निदेश दिया गया।
9. एम्बुलेंस की ट्रीप की संख्या में बढ़ोत्तरी हेतु निदेश दिया गया। राज्य से प्रत्येक दिन एक एम्बुलेंस के लिये 7 दीप निर्धारित है। एम्बुलेंस का कम से कम 5 दीप प्रत्येक दिन लगाने का निदेश दिया गया।
10. एन०सी०डी० स्क्रिनिंग का कार्य अधिक से अधिक कराते हुए लक्ष्य अनुरूप कराये जाने का निदेश दिया गया।

संस्थागत प्रसव में वृद्धि का निर्देश दिए निर्देश।

संस्थागत प्रसव में अच्छे प्रदर्शन करने वाली आशा को प्रात्साहित करने का दिया निर्देश । *रोस्टर के हिसाब से सभी कर्मी एवं डॉक्टर उपस्थित रहे इसे हर हाल में करे सुनिश्चित।

राज्यसभा सांसद एवं समाजसेवी ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारत रत्न,

जननायक कपूरी ठाकुर जी के पुत्र, सांसद राम नाथ ठाकुर जी से शिष्टाचार भेंट की

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारत रत्न, जननायक कपूरी ठाकुर जी के पुत्र, सांसद राम नाथ ठाकुर से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर सामाजिक न्याय, समावेशी विकास, शिक्षा, रोजगार तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। उनसे वार्ता करते हुए हमने कपूरी ठाकुर जी की छवि को उनके विचारों में महसूस किया। उनके मार्गदर्शन और अनुभवजन्य विचारों से हमें प्रेरणा मिली। यह भेंट अत्यंत सौहार्दपूर्ण एवं विचारोत्तेजक रही। साथ ही, उनके पैर में गंभीर चोट लगने की जानकारी मिली। हम उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हैं और प्रार्थना करते हैं कि वे जल्द ही पूर्ण रूप से स्वस्थ हों। राज्यसभा सांसद डॉक्टर फैयाज अहमद, राजद नेता मोहम्मद आसिफ,ने जननायक कपूरी ठाकुर जी के पुत्र, सांसद राम नाथ ठाकुर जी से मुलाकात की ए

48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर में आयोजित हुई समन्वय बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

भारत-नेपाल सीमा की सुरक्षा एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में हो रही आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण हेतु 48वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) जयनगर में एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की गई । बैठक की अध्यक्षता श्री गोविंद सिंह भंडारी, कमांडेंट, 48वीं वाहिनी ने की । इस दौरान श्री विवेक ओझा, उप कमांडेंट (प्रचालन), नीरज कुमार वर्मा (सीआई बेनीपट्टी), संजय कुमार (सीआई) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं विभिन्न सुरक्षा एवं खुफिया एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे ।

बैठक में निम्नलिखित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई :

1. भारत-नेपाल सीमा पर राजनीतिक एवं सुरक्षा परिदृश्य, भारत-नेपाल सीमा पर बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों को लेकर चर्चा की गई और समन्वय को और मजबूत करने पर जोर दिया गया ।
2. अवैध तस्करी पर नियंत्रणः बैठक में सीमा पार से हो रही हथियारों, विस्फोटक पदार्थों, नशीले पदार्थों एवं अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी पर गहरी चिंता व्यक्त की गई । अधिकारियों ने आपसी समन्वय बढ़ाकर तस्करी गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने का निर्णय लिया ।
3. सीमावर्ती क्षेत्रों में अपराधः सीमावर्ती इलाकों में लूट, चोरी, हत्या जैसी घटनाओं में वृद्धि देखी जा रही है, जिनमें नेपाल से संगठित गिरोहों की संलिप्तता पाई गई है । यह पाया गया कि नशे की लत के कारण युवाओं की अपराधों में संलिप्तता बढ़ रही है । इस पर नियंत्रण हेतु नशे के अवैध व्यापार पर सख्ती से कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया ।4. धार्मिक कट्टरवाद एवं अवैध वित्त पोषणः बैठक में अवैध धार्मिक स्थलों एवं शैक्षणिक संस्थानों के निर्माण और विदेशों से हो रही संदिग्ध फंडिंग के विषय में चिंता जताई गई । इस संदर्भ में गुप्त सूचनाओं को आपस में साझा करने एवं जांच को तेज करने पर सहमति बनी ।
5. जाली मुद्रा की तस्करीः हाल ही में जाली मुद्रा तस्करी के मामलों में वृद्धि को देखते हुए, तस्करों के नेटवर्क की पहचान एवं उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। एसएसबी ने हाल ही में ?23,300 भारतीय जाली मुद्रा एवं ?53,000 नेपाली जाली मुद्रा जब्त कर कुछ तस्करों को गिरफ्तार किया था, जिनसे पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिलीं ।6. मानव तस्करीः बैठक में नाबालिग बच्चों और महिलाओं की तस्करी पर विशेष वार्ता हुई । इस पर प्रभावी निगरानी बढ़ाने के लिए सुरक्षा एजेंसियों को मिलकर कार्य करने का निर्देश दिया गया ।7. सीमा पर अतिक्रमणः भारत-नेपाल सीमा पर सरकारी भूमि पर हो रहे अवैध कब्जे को हटाने और सरकारी जमीन का सही उपयोग सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई ।8. संयुक्त अभियान एवं सहयोगः सभी सहयोगी एजेंसियों को सूचना साझा करने एवं संयुक्त ऑपरेशन को प्राथमिकता देने पर बल दिया गया ।

मधुबनी मेडिकल कॉलेज में 24 फरवरी को शाम ए सुखन का आयोजन किया गया है:तौसीफ अहमद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी मेडिकल कॉलेज में 24 फरवरी को शाम ए सुखन का आयोजन किया गया है जो शाम 8:00 बजे से प्रोग्राम शुरू होगा आज प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोहम्मद तौसीफ अहमद ने बताया के कोरोना के बाद मधुबनी मेडिकल कॉलेज में एनुवल फंक्शन का आयोजन किया गया है जिसमें मिथिला पेंटिंग एवं टीवी. हेल्थ से जुड़े कई कई तरह के आयोजन किया गया है एक एक दिन मुशायरा शाम ए सुखन का भी आयोजन किया गया है जिसमें देश भर के मशहूर कवि हिस्सा लेंगे इस एक्सप्रेस कॉन्फ्रेंस में तौसीफ अहमद ने बताया के कॉलेज के चेरमैन एवं प्रिंसिपल से सलाह मशवरा के बाद यह निर्णय लिया गया कि कॉलेज में एनुवल फंक्शन एवं मुशायरा आयोजन किया गया है जिसमें स्टूडेंट एवं खुसु सी मेहमान एवं आम जनता भी बड़ी संख्या में भाग लेंगे मधुबनी मेडिकल कॉलेज में इस प्रोग्राम की तैयारी आखिरी मरहले में चल रही है

लापता महिला का शव बरामद व पति गायब, मृतका के भाई ने लगाया ससुर और देवर पर हत्या का आरोप

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/खानपुर :- जमीनी विवाद में हुई मारपीट के बाद घर से गायब हुई एक महिला का शव ढाब से बरामद हुआ है। जिसके बाद महिला ने भाई ने ससुर और देवर पर हत्या करने का आरोप लगाया है। मृतका जिले शोभन बसंतपुर वार्ड संख्या-11 निवासी सिकंदर राम की पत्नी चांदनी देवी है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार को जमीन विवाद को लेकर महिला के ससुर और उसके देवर ने उसके साथ मारपीट किया था, जिसको लेकर गांव में पंचायती भी हुई थी। उसी दिन शाम से महिला और उसके पति घर से गायब थे। गुरुवार को ग्रामीणों से महिला के मायके वालों को सूचना मिली कि उसकी हत्या कर दी गई है ।जिसको लेकर स्थानीय खानपुर थाने में पूरे मामले की शिकायत दर्ज की गई। वहीं शनिवार को शोभन बसंतपुर ढाब के पास महिला का शव बरामद हुआ है। जिसकी जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को सदर अस्पताल भेजा है। हालांकि मृतका का पति सिकंदर राम का कोई पता नहीं चला है। मृत महिला के भाई चंदन राम ने बताया कि 18 तारीख की शाम उसकी बहन ने उसे फोन किया था। उसने बताया कि उसके देवर और ससुर ने उसके साथ मारपीट किया है, जिसको लेकर पंचायती भी हुई है। 20 फरवरी को ग्रामीणों ने सूचना दिया कि आपकी बहन की हत्या कर दी गई है ।जानकारी मिलते ही मैं उसके गांव पहुंचा तो देखा कि घर पर मेरी बहन और जीजा दोनों ही घर पर नहीं थे। जिसके बाद मैंने इसकी शिकायत खानपुर थाना में दर्ज करवाया। पुलिस मेरे साथ बहन के घर पर आई और लोगों से पूछताछ की लेकिन उनदोनों का कुछ पता नहीं चला। वहीं, शनिवार की सुबह ढाब के पास एक बॉडी पुलिस को मिली। जिसके बाद शव का पहचान किया गया तो वो मेरी बहन थी। पुलिस ने मुझे जानकारी दी तो हमलोग मौके पर पहुंचकर उसकी पुष्टि किए। जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। हालांकि मेरे बहनोई अबतक लापता हैं, उनका कोई सुराग नहीं मिला है इस मामले में खानपुर थानाध्यक्ष ने कहा कि दो दिन पहले महिला और उसके पति के घर से गायब होने की जानकारी मिली थी। थाना में दर्ज की गई शिकायत के अनुसार पुलिस लोगों से पूछताछ कर रही थी और जांच कर रही थी। इसी बीच आज सुबह महिला की बॉडी मिली। पूरा मामला जमीन विवाद से जुड़ा हुआ है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद मामला का खुलासा हो पाएगा। जिसके बाद आरोपियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है

देवधा थाना परिसर में SDPO बिप्लव कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर घटना का किया उद्भेदन ,24 घण्टा के अंदर एक गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के जयनगर अनुमंडल के देवधा थाना क्षेत्र में बीते दिन हुए एक नेपाली युवक की हत्या का उद्भेदन 24 घण्टे के अंदर हुआ ,मामला प्रेम प्रसंग का निकला ,पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान एवं टीम गठन कर मुख्य आरोपी को किया गिरफ्तार ।डीएसपी बिप्लव कुमार ने बतलाया कि देवधा थाना को मोबाइल पर सूचना मिली खेत मे एक युवक का शव पड़ा हुआ है ,पुलिस द्वारा त्वरित कारवाई करते हुए शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए मधुबनी भेजा गया ।ग्रामीणों द्वारा शव की पहचान विजय कुमार यादव ,घर गोबिंदपुर ,धनुषा जिला नेपाल एवं वर्तमान में देवधा थाना के गाढ़ा से बतलाया गया ।मृतक के पत्नी द्वारा थाना में लिखित आवेदन के आधार पर 12 घण्टा के अंदर घटना का उद्भेदन करते हुए घटना में संलिप्त एक अपराधी राजा कुमार यादव को गिरफ्तार किया ।घटना में उपयोग किया गया हथियार टेंगारी एवं मृतक का मोबाइल का टुकड़ा पोखर से बरामद किया गया ।

सीएसपी लुटकांड के अपराधियों को नानपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी

सीतामढ़ी । नानपुर पुलिस ने चार दिन पूर्व कौरिया गांव से सीएसपी लुटकांड में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी और उपयोग पिस्टल और बाइक को बरामद कर बहुत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस की इस कार्यशैली से आम जनों में सुरक्षा और विश्वास बढ़ा है। डीएसपी पुपरी अतनु दत्ता ने प्रेस वार्ता मे बताया कि विगत 17 फरवरी को कौरिया गाँव से सीएसपी की लूट हुई थी। जिसमें साढ़े चार लाख रुपए की लूट हुई थी और अपराधी भागने मे सफल रहा। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए थानाध्यक्ष अशोक कुमार के नेतृत्व मे पुअनि सुबोध कुमार व शिवम्-कुमार, पींटीसी जुली कुमारी, चुनचुन कुमार, अजीत कुमार, नीतीश कुमार, संत मणि, दिवाकर कुमार मिश्रा, धनञ्जय कुमार सहित अन्य शामिल थे ।टीम ने छापेमारी कर इस कांड में संलिप्त सभी अपराधी को गिरफ्तार कर लिया है। जिसमें मनीष कुमार बैठा, रोहित कुमार उर्फ छोटका, समर कुमार, रुपेश कुमार, रितिक कुमार उर्फ ऋतु चौधरी, मनंजय सहनी एवं विजय कुमार सभी ग्राम रायपुर शामिल है। उन्होंने बताया की घटना में प्रयुक्त हीरो स्प्लेंडर बी आर 30ए एफ 6508 एवं एक देशी पिस्टल और दो जिन्दा कारतूस एवं 5 मोबाइल एवं 3700 रुपए और वादी का एक मोबाइल भी बरामद किया गया है। नानपुर पुलिस टीम की बड़ी सफलता के लिए सभी को पुरस्कृत करने की अनुशंसा किया गया है।

अनियंत्रित वाहन की ठोकर से मवेसी की मौत, वृद्ध महिला गंभीर एनएच 227 स्थित फुलहर की घटना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

- ग्रामीणों ने चालक को बंधक बनाकर जमकर किया बवाल
- मौके पर पहुंची दो थाने की पुलिस
- फुलहर नचारी चौक पर आक्रोशित लोगों को शांत कराती पुलिस
- एनएच के नाला पर चढ़े अनियंत्रित वाहन

मधुबनी जिला के हरलाखीथाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच 227 स्थित फुलहर नचारी चौक पर अनियंत्रित चार पहिया वाहन ने मवेसी को ठोकर मारते हुए एनएच किनारे बनें तो फिट उंची नाला पर चढ़ गया. वाहन इतना तेज गति से था कि मवेशी का मौके पर ही मौत हो गया. जबकि एक वृद्ध महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गयी. आनन-फानन में जख्मी महिला स्वर्गीय सुरेश सादा की पत्नी ललिता देवी को साहरघाट के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. घटना शनिवार करीब सुबह आठ बजे की बताई जा रही है. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि साहरघाट की ओर से मारुति कार उमगांव की तरफ जा रही थी. इसी दौरान अनियंत्रित हो गया.

घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने चालक को बंधक बना लिया. इधर घटना की सुचना मिलते ही हरलाखी थानाध्यक्ष जितेन्द्र सहनी दलबल के साथ मौके पर पहुचीं. जहां लोगों की भीड़ अनियंत्रित देख साहरघाट पुलिस को भी बुलाया गया. दरअसल भीड़ दो गुटों में होकर एक दूसरे के साथ धक्का मुक्की कर रहे थे. फिर काफी मशक्कत के बाद पुलिस स्थिति पर कंट्रोल करते हुए चालक को अपने कब्जे में ले लिया. थानाध्यक्ष जितेन्द्र सहनी ने कहा कि पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है

ठीकेदार ने विशाल हरा जामुन का पेड़ काटकर खपाने में जुटा।

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

ठीकेदार की हनक देखिए ।एक तरफ सरकार पर्यावरण की रक्षा के लिए जल जीवन हरियाली योजना में पानी की तरह बहा रही पैसा ।वही दूसरी तरफ एक ठीकेदार ने विशाल हरा जामुन का पेड़ काटकर खपाने में जुटा रात्रि में ही पेड़ को काटकर आधा पार्ट एक ग्रामीण के दरवाजे पर भेजा गया ।वही बाकी भाग स्थल पर ही है ।पेड़ कटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वाइरल ।पहाड़पुर प्रखंड के पूर्वी सरेया पंचायत के कचहरी टोला गांव के पास का बताया जा रहा है ।पंचायत सरकार भवन बनाने के लिए बिना अंचल व वन विभाग से परमिशन के पेड़ काटना बना चर्चा का विषय।

मदरसा बोर्ड की वस्तानिया की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से शुरू

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी।बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड पटना द्वारा संचालित वस्तानिया (आठवीं) की परीक्षा शनिवार से शांतिपूर्ण ढंग से शुरू हो गया। मदरसा बोर्ड के परीक्षा नियंत्रण नूरुल इस्लाम ने मदरसा इस्लामिया अरबिया जामा मस्जिद कोट बाजार, मदरसा अजीजिया जामा मस्जिद पुपरी समेत अन्य कई मदरसा के परीक्षा केन्द्र पर जाकर निरीक्षण किए। मदरसा हमीदिया दारुल बनात हुसैना, मेहसौल के केंद्राधीक्षक सह प्राचार्य मौलाना हाजी जियाउर्रहमान कासमी, उप केंद्राधीक्षक मौलाना इम्तियाज अली ने बताया कि 80 में 80 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुई।

मदरसा रहमानिया अंदौली, परिहार के केंद्राधीक्षक मो सदरे आलम, उप

केंद्राधीक्षक मो मनाजेरूल इस्लाम एवं मो शाहिद अशरफ ने बताया कि 136 में 134, इस्लामिया अरबिया जामा मस्जिद कोट बाजार के केंद्राधीक्षक सह प्राचार्य मौलाना अली मुतुर्जा नदवी, उप केंद्राधीक्षक मौलाना शकील कासमी ने बताया की 236 में 231,मदरसा फैजे आम फुलवरिया के प्राचार्य मौलाना मो मोतीउररहमान कासमी ने बताया कि सभी 116 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए।मदरसा इस्लामिया तंजीमुल उलूम शाहपुरा के हेड मौलवी मौलाना नूर आलम ने बताया कि सभी 44 परीक्षार्थी एवं मदरसा जामिया मोहमद्दिया नानपुर के प्राचार्य अमानुल्लाह ने बताया कि सभी 57 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। मदरसा रशीदिया रायपुर के हेड मौलवी मौलाना मो गजाली ने बताया कि 30 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए।मदरसा ईशाअतुल उलुम भगवतीपुर मेघपुर, सुरसंड के हेड मौलवी सह केंद्राधीक्षक मौलाना मो दाऊद एवं उप केंद्राधीक्षक कारी मो मुस्ताक अहमद ने बताया कि 35 में 35 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। मदरसा रहमानिया मेहसौल क केंद्र पर मैट्रिक की परीक्षा होने के कारण अल हबीबी पब्लिक स्कूल में वस्तानिया की परीक्षा लिया गया थे। अन्य केंद्रों पर भी शांतिपूर्ण परीक्षा हुई।

24 फरवरी 2025 को नगर भवन , मधुबनी में वसंत पंचमी महोत्सव का होगा आयोजन

मोहम्मद सदरे आलम नौमानी

मदरसा बोर्ड के परिक्षा नियंत्रक डॉ नूर इस्लाम ने मदरसों का औचक निरीक्षण किया

सीतामढ़ी:बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड पटना के परीक्षा नियंत्रक डॉ नूर इस्लाम अलीग के द्वारा आज से शुरू वसतानीया परिक्षा 2025 के परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया, जिन मदरसों का निरक्षक किया गया उनमें मदरसा इस्लामिया अरबिया जामा मस्जिद सीतामढ़ी ,मदरसा रहमानिया मेहसौल सीतामढ़ी मदरसा अजीज़िया जामा मस्जिद पुपरी बाजार सीतामढ़ी के इलावा अन्य परीक्षा केंद्र भी शामिल है। परीक्षा केंद्रो पर परीक्षा नियंत्रक डॉ नूर इस्लाम का शिक्षकों के द्वारा स्वागत किया गया, परीक्षा नियंत्रक ने इस अवसर पर कहा की परीक्षा स्वच्छ एवं शांतिपूर्ण माहौल में आयोजित किया जा रहा है

कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी का पटना एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

इमरान प्रतापगढ़ी पहुंचे पटना, नरकटियागंज में जय संविधान सम्मेलन में करेंगे शिरकत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना.अखिल भारतीय कांग्रेस के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी दो दिनों के दौरे पर आज बिहार पहुंचे। 23 फरवरी को वें बगहा में संविधान जिंदाबाद सम्मेलन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के साथ शिरकत लेंगे।पटना एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष निर्मल वर्मा, मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश चेयरमैन उमैर खान उर्फ टिक्का खान सहित अन्य नेतागण मौजूद रहें।

जन सुराज के प्रदेश नेताओं का किया स्वागत

छितौली बाजार में जन सुराज नेताओं का स्वागत करते कार्यकर्ता

प्रखण्ड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

गोरिया कोठी (सिवान): प्रखंड मुख्यालय स्थित छितौली बाजार में शुक्रवार को बाइक यात्रा के साथ पहुंचे बिहार प्रदेश जनसुराज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती, युवा अध्यक्ष आनंद मिश्रा सहित अन्य प्रदेश नेताओं का स्वागत पार्टी के रवि गुप्ता के नेतृत्व में किया गया। प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती व युवा अध्यक्ष आनंद मिश्रा अलग- अलग कार्यक्रम के तहत छितौली में एकत्रित हुए जहां कार्यकताओं ने फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व आइपीएस आनंद मिश्रा अपने संघर्ष यात्रा कार्यक्रम के तहत बाइक रैली के साथ छितौली बाजार पहुंचे थे। मौके अवसर पर मीडिया प्रभारी सरोज प्रसाद प्रेमचंद कुमार विशाल गुप्ता राजू कुमार थे।

श्रद्धांजलि: सीपीआई के सक्रिय सदस्य व अवकाश प्राप्त शिक्षक के निधन से शोक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

तेघड़ा/ बेगुसराय तेघड़ा प्रखंड अंतर्गत पंचायत बरौनी 3 के बरियारपुर निवासी राम पदार्थ सिंह की असामयिक निधन हो गया। 78 वर्षीय राम पदार्थ सिंह लखीसराय मिडिल हाई अवकाश प्राप्त शिक्षक थे। उन्होंने बुधवार की रात्रि अपने निवास पर अंतिम सांसें ली और इस दुनिया को अलविदा कह गए। दिवंगत राम पदार्थ सिंह अपना पूरा जीवन शिक्षा और सामाजिक कार्य के साथ ही भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी में सक्रिय से रूप से जुड़े रहे। निधन की सूचना मिलते ही तेघड़ा विधायक राम रतन सिंह, किसान नेता दिनेश सिंह, अंचल मंत्री परमानंद सिंह, एटक नेता जुलम सिंह, विधायक प्रतिनिधि हरेराम सिंह पूर्व मुखिया राम रतन सिंह, गौरा 3 के शाखा मंत्री रामबालक सिंह बड़कू, नौजवानसंघ के मोहम्मद सिराज, भोला सिंह आदि नेताओं ने उनके आवास पर पहुंचकर फूल माला देकर व पार्टी का लाल झंडा ओढ़ाकर उन्हें अंतिम विदाई दी। विधायक राम रतन सिंह ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इनका जाना एक युग का अंत हो जाने के बराबर है क्योंकि पूरा जीवन इन्होंने शिक्षक के साथ ही समाज की सेवा में समर्पित कर दिया। किसान नेता दिनेश सिंहएवं अंचल मंत्री परमानंद सिंह ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कह कि पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता राम पदार्थ सिंह का निधन पार्टी के लिए बड़ी क्षति है जिसका निकट भविष्य में पूर्ति संभव नहीं है। वे किसानों के हितैषी एवं हमेशा गरीबों, वंचितों, मेहनतकशों की आवाज बनकर संघर्ष करते रहे। आज उनके इस दुनिया से जाने के बाद महरूम महसूस कर रहे हैं।

सांसद अरुण भारती ने अपना सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

लोजपा (रा) जमुई सांसद श्री अरुण भारती ने अपने लोकसभा क्षेत्र जमुई के लिए विधानसभा वार सांसद प्रतिनिधि नामित किया है।

पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि सांसद श्री अरुण भारती ने अपने लोकसभा क्षेत्र जमुई अंतर्गत जमुई विधानसभा के लिए राकेश पासवान, झाझा विधानसभा - राष्ट्रदीप सिंह, सिकंदरा विधानसभा- कारू सिंह, चकाई विधानसभा- प्रसादी पासवान, शेखपुरा विधानसभा- सचिन सौरभ, और तारापुर विधानसभा- प्रमोद पासवान को सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किये। ये उपयुक्त प्रतिनिधि सांसद के जमुई संसदीय क्षेत्र में जनता की समस्याओं का समाधान करेंगे और उनकी जरूरत को पूरा करने के लिए सांसद अरुण भारती को सूचित करेंगे।

ईस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दी।

हम भी इंसान है सर हम भी थकते है कई प्रकार की समस्याओं से परेशान हैं गृहरक्षक जवान,

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर :- खाकी वर्दी पहन पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने वाले होमगार्ड आज हर चौराहे पर मुस्तैद नजर आते हैं। सेवा शर्तों में अनिश्चितता, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, सरकारी आवास न मिलने का दर्द उन्हें भी है। निर्धारित समय से अधिक ड्यूटी करनी पड़ती है। गृह रक्षक कई प्रकार की समस्याओं से परेशान हैं। होमगार्ड कहते हैं कि हम रोबोट नहीं हैं हम भी थकते हैं। सर्दी, गर्मी या फिर बारिश हो हर मौसम में अपनी ड्यूटी पर मुस्तैद रहने वाले होमगार्ड के जवानों की अपनी तमाम समस्याएं हैं। जिनसे लड़ते हुए यह लगातार अफसरों के आदेश का पालन करने में लगे हैं।होमगार्डों से उनकी समस्याओं पर चर्चा के दौरान इनका दर्द छलक पड़ा। कहने को तो इस विभाग के अधिकारी व कर्मी सरकारी हैं, लेकिन गृह रक्षक जवान 78 वर्षों के बाद भी दैनिक भोगी कर्मी हैं। सरकारी कर्मी का दर्जा नहीं

मिलने से इन्हें लोन तक नहीं मिलता है। कभी ड्यूटी मिली तो लगातार, नहीं मिली तो साल-सालभर घर बैठे रहना पड़ता है। लगातार ड्यूटी के दौरान इन्हें साप्ताहिक अवकाश तक नहीं मिलता है।

यातायात से लेकर आपातकालीन ड्यूटी उन्हें करनी पड़ती है। छापेमारी के दौरान भी ये सबसे आगे रहते हैं। कई बार लोगों के विरोध के दौरान वे चोटिल भी हो जाते हैं। सबसे बड़ा दर्द यह कि होमगार्ड जवानों को ड्यूटी लेने के लिए भी अधिकारियों से गुहार लगानी पड़ती है। ड्यूटी के लिए कमान कटने के बाद दूरी चाहे जितनी भी हो, गृहरक्षकों को खुद के साधन से आना-जाना पड़ता है।इसमें दैनिक वेतन का अधिकांश हिस्सा खर्च हो जाता है।शत्रुध्न झा, अशोक कुमार सिंह, जय नारायण झा, गीता सिंह, पिंकी कुमारी, बबीता कुमारी, संज झा आदि बताते हैं कि सरकारी कर्मी का दर्जा देने समेत अन्य मांगों के लिए गृह रक्षक स्वयंसेवक संघ लगातार संघर्ष कर रहा है लेकिन इस दिशा में कोई सफलता नहीं मिल पायी है। हमलोगों की समस्याओं की फेहरिस्त लंबी है। लगातार काम करने के बाद भी हमलोगों को साप्ताहिक अवकाश नहीं मिलता। सरकारी कर्मी का दर्जा नहीं मिलने के कारण हमलोगों को बैंकों से सर्विस लोन मिलने में भी परेशानी होती है। कई गृह रक्षकों को साल भर काम भी नहीं मिलता।इसके कारण हमारे कई साथियों को बेरोजगारी का भी सामना करना पड़ता है। इस स्थिति में परिवार चलाना भी मुश्किल हो जाता है। कर्ज लेकर परिवार चलाना हमलोगों की मजबूरी हो जाती है। गृहरक्षक विभाग की स्थापना 1946 में हुई थी। लगभग 78 साल से हमलोग दैनिक भोगी कर्मी बनकर काम कर रहे हैं। सरकार को हमारी चिंता नहीं है। हम जवानों को प्रतिदिन 774 रुपए के हिसाब से दैनिक मजदूरी मिलती है। ड्यूटी मिली तो ठीक, लेकिन जब काम नहीं मिलता तब परेशानी होती है।संघ के अध्यक्ष कैलाश झा ने बताया कि समस्तीपुर पुलिस जिले में 529 होमगार्ड जवान कार्यरत हैं। ये सभी जवान दैनिक भोगी कर्मी कहलाते हैं।हमलोगों को सरकारी कर्मी की मान्यता नहीं मिली है। सभी सरकारी विभागों, बैंकों व अधिकारियों की सुरक्षा में हमलोग डटे रहते हैं। जवानों को थाने में भी ड्यूटी देनी होती है,

लूट व कई कांडों के वांछित अपराधी कोर्ट में किया आत्मसमर्पण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के वासुदेवपुर पंचायत के भुट्टा चौक के कई कांडों के वांछित अपराधी अकबर उर्फ लफुआ के पुत्र मो हैदर ने पुलिस के बढ़ते दबाव पर न्यायालय में आत्म समर्पण किया।जानकारी देते हुए थाना अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि उक्त आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अनुसंधान के पूर्व में कोर्ट के निर्देश पर अवर निरीक्षक सिंपी कुमारी ने 25 जनवरी को इश्तिहार चिपकाई थी। स्थानीय थाने में लूटकांड संख्या 269/22, 319/22, 191/24, 206/24 कांड के आरोपी थे, पुलिस को लंबे अरसे से इसकी तलाश थी। बहरहाल पुलिस की दबिश को देखते हुए आरोपी मो हैदर ने कोर्ट में आत्म समर्पण कर दिया।

मशरक में घटनाओं में एक दर्जन लोग घायल , सीएचसी मशरक में भर्ती

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के विभिन्न गांवों से अलग-अलग घटनाओं में एक दर्जन घायलों को इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ चन्द्रशेखर सिंह ने प्राथमिक उपचार किया।एकावना गांव में मारपीट की घटना में घायल को इलाज के लिए इमरजेंसी 112 की टीम घायल एकावना गांव में 60 वर्षीय देवनाथ राय को सीएचसी मशरक में भर्ती कराया।घायल ने बताया कि मारपीट की घटना में वे घायल हो गए हैं। वहीं बहुआरा गांव में आपसी विवाद में मारपीट में 60 वर्षीय विरेन्द्र सिंह,50 वर्षीय गुड़िया देवी और 20 वर्षीय सुधीर सिंह घायल हो गए। घायलों का ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार किया। थाना पुलिस मामले में जांच पड़ताल कर रही है। वहीं मशरक के चैनपुर गांव में बाइक दुर्घटना में युवक को घायल हालत में इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया घायल चैनपुर गांव निवासी इंद्रदेव मांझी का 28 वर्षीय पुत्र सूरज कुमार हैं। घटना के बारे परिजनों ने बताया कि गांव में ही बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमें वह घायल हो गया। वहीं मशरक के महावीर चौक के पास बाइक पर दो शख्स की अनियंत्रित ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक घायल हो गए। घायलों में घोघिया गांव निवासी स्व सुरेंद्र सिंह का 22 वर्षीय पुत्र अभिषेक सिंह हैं। घटना के बारे में बताया गया कि वह मशरक में केक कार्नर पर काम करता है वहीं से वापस जा रहा था कि अनियंत्रित ट्रैक्टर की चपेट में आने से घायल हो गया। जिसमें घायल को सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया गया।

मशरक थाने में खड़ी वाहन नीलामी में दिलवाने में 80 हजार की साइबर ठगी, थानाध्यक्ष ने की मदद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना परिसर में शराब के मामले में जप्त वाहन को नीलामी में दिलवाने के नाम पर महिला से 80 हजार रुपए ठगी करने का मामला सामने आया। ठगी की शिकार महिला मीना कुमारी ने बताया कि वह गोपालगंज में कोपरेटिव बैंक में नौकरी करती है और कटिहार घर हैं। उसने बताया कि एक अतुल नाम का शख्स उनसे मिला और बोला कि वे मशरक थाने में एसआई पोस्ट पर तैनात हैं और वाहन नीलामी में दिलवा देंगे उसी में नीलाम में दिलवाने के नाम पर फोन पे के माध्यम से तीन बार में 80 हजार रुपए ले लिया गया जब उनको लगा कि उनके साथ ठगी हुई है तो मशरक थाना पहुंची तों लगा कि वह ठगी का शिकार हो गई है जिसमें थानाध्यक्ष के सामने अपनी समस्या दर्ज कराई जिस पर उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए जांच पड़ताल के दौरान उक्त से फोन से सम्पर्क कर उसके 80 हजार रुपए से 45 हजार रुपया तत्काल वापस आ गया वही बचा रूपया भी जल्द आ जाएगा? महिला ने थाना पुलिस के इस प्रयास की सराहना की।

2 मार्च को पटना महाजुटान रैली में भाग लेंगे भेरोखरावासी- सुरेंद्र

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ताजपुर/समस्तीपुर : 2 मार्च को भाकपा माले द्वारा पटना के गांधी मैदान में आयोजित बदलो बिहार महाजुटान रैली में भेरोखरा से बड़ी संख्या में भाग लेंगे ग्रामीण। उक्त आशय का निर्णय शनिवार को नगर परिषद क्षेत्र के भेरोखरा में आयोजित जनता बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रमोद साह ने की। बैठक में संतोष साह, कुमोद साह, भुखलू साह, आशा देवी, सीता देवी आदि ने भाग लिया। बैठक में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि बिहार में वृद्धावस्था, मोसमाती एवं दिव्यांग पेंशन 3 हजार रूपए करने, राशन के चावल-गेहूं के साथ दाल, तेल, चीनी आदि देने, स्कीम वर्कर्स को राज्य कर्मी का दर्जा देने, रसोई गैस की कीमत 5 सौ रुपए करने, सभी गरीबों को 72 हजार रुपए से कम का आय प्रमाण-पत्र बनाने एवं मुख्यमंत्री लघु उद्यमी योजना का 2-2 लाख रुपए देने, भूमिहीनों को वासभूमि एवं आवास देने, खाली पदों पर बहाली करने समेत अन्य मांगों को लेकर 2 मार्च को पटना के गांधी मैदान में भाकपा-माले के बदलो बिहार महाजुटान रैली को बड़ी भागीदारी से सफल बनाने की अपील भेरोखरा वासियों से की।बिहार में वृद्धावस्था, मोसमाती एवं दिव्यांग पेंशन 3 हजार रूपए करने, राशन के चावल-गेहूं के साथ दाल, तेल, चीनी आदि देने, स्कीम वर्कर्स को राज्य कर्मी का दर्जा देने, रसोई गैस की कीमत 5 सौ रुपए करने, सभी गरीबों को 72 हजार रुपए से कम का आय प्रमाण-पत्र बनाने एवं मुख्यमंत्री लघु उद्यमी योजना का 2-2 लाख रुपए देने, भूमिहीनों को वासभूमि एवं आवास देने, खाली पदों पर बहाली करने समेत अन्य मांगों को लेकर 2 मार्च को पटना चले।

डीएम ने मटिहानी प्रखंड अंतर्गत विभिन्न संचालित योजनाओं का स्थलिय निरीक्षण किया

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

मटिहानी / बेगुसराय जिला पदाधिकारी बेगूसराय, श्री तुषार सिंगला द्वारा मटिहानी प्रखंड केपंचायतों में संचालित विभिन्न योजनाओं का स्थालीय निरीक्षण किया गया।निरीक्षण में विधायक मटिहानी राजकुमार सिंह, उपविकास आयुक्त बेगूसराय, अनुमंडल पदाधिकारी बेगूसराय सदर, डीसीएलआर बेगूसराय सदर, सिविल सर्जन बेगूसराय, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा, जिला समन्वयक, एल०एस०बी०ए०, प्रखंड विकास पदाधिकारी मटिहानी, अंचलाधिकारी मटिहानी, कार्यक्रम पदाधिकारी मटिहानी, सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि आदि उपस्थित थे। सर्वप्रथम जिला पदाधिकारी द्वारा रचियाही ग्राम पंचायत में कचहरी टोल के पास पंचायत सरकार भवन हेतु चयनित स्थल का निरीक्षण किया गया। इस संबंध में जिला पदाधिकारी द्वारा पदाधिकारियों से जानकारी प्राप्त की गई एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। इसके बाद जिला पदाधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत राज रामदीरी 4 के वार्ड नंबर 9 में पोखर उड़ाही वं सौंदर्याकरण स्थल का निरीक्षण किया गया। वहीं रचियाही नये भवन निर्माण का जाँच किया गया तथा संबंधित पदाधिकारी को समय-समय पर निर्माण कार्य का निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी श्री सिंगला द्वारा ग्राम पंचायत राज बलहपुर-1 पंचायत के महेन्द्रपुर चौक पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय लोगों से मिलकर जन समस्याओं को सुना एवं संबंधित पदाधिकारी को निराकरण करने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा गोरगामा पंचायत में सिहमा के प्रांगण में बनने वाले नये भवन निर्माण का जाँच किया गया महेन्द्रपुर से कासिमपुर होते हुए मथार तक सड़क निर्माण करवाने हेतु स्थालीय निरीक्षण किया गया।साथ ही सोनापूर पंचायत अंतर्गत अतिक्रमित सामुदायिक भवन को अतिक्रमण मुक्त करवाने का बिंदट्टोली में खेल मैदान निर्माण के चयनित भूमि तथा वार्ड नंबर 7 में विद्यालय निर्माण हेतु चयनित भूमि का भी निरीक्षण किया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा वार्ड नंबर 18 में राजकीय कृत उच्च विद्यालय निदेश अंचलाधिकारी को दिया गया निरीक्षण के उपरांत जिला पदाधिकारी द्वारा सभी विभागों के साथ समीक्षात्मक बैठक किया गया।जिसमें जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रखंड स्तरीय पदाधिकरी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित हुए।बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा मटिहानी प्रखंड अंतर्गत संचालित सभी योजनाओं का प्रगति से संबंधित समीक्षा किया गया एवं इस दौरान सभी पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी उनकी समस्याएं सुनी गई एवं संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को अविलंब जाँच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

चुनावी जंग के लिए कांग्रेस का शंखनाद हमारा लक्ष्य डबल इंजन की सरकार का सफाया- डॉ. अखिलेश

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

बिहार कांग्रेस आगामी विधान सभा चुनाव के लिए कमर कस चुकी है एवं पुरानी भूलों से सीख लेकर समय से पहले वार मोड में आ चुकी है। पिछले एक सप्ताह से चुनावी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के बाद आज उसके क्रियान्वयन का श्रीगणेश आज हो गया। इसके तहत प्रदेश अध्यक्ष डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह अपने समर्थकों के हूजूम के साथ चम्पारण का दौरा शुरू कर दिया। उधर महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा वैशाली पहुँच चुकी हैं। इसी तरह बिहार कांग्रेस के प्रभारी सचिव शाहनवाज आलम एक सप्ताह के दौरे पर अररिया, पूर्णिया, बेगुसराय के लिए निकल चुके हैं।अगले दौर के कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा भी युद्ध स्तर पर तैयार की जा रही है। मीडिया, सोशल मीडिया के द्वारा पार्टी की विचारधारा के प्रचार-प्रसार की रणनीति तैयार करने में जुटी है। वहीँ वार रूम के पुनर्गठन का काम तेजी से जारी है।

बिहार के नवनियुक्त प्रभारी कृष्णा अल्लावारू 24 फरवरी को बिहार के दौरे पर पटना पहुँच रहे हैं। 24 फरवरी को यह सिलसिला पटना जिला से शुरू होगा जिसके तहत पटना महानगर, पटना ग्रामीण-1 एवं पटना ग्रामीण-2 के अधीन आने वाले वर्तमान एवं पूर्व के सभी जन प्रतिनिधि के अलावा जिलाध्यक्ष, एआईसीसी सदस्य, प्रदेश डेलिगेट, प्रत्याशीगण, प्रखंड अध्यक्ष आदि लोगों के साथ मैराथन मीटिंग का दौर शुरू होगा। जमिनी हकीकत जानने के बाद प्रभारी प्रदेश के सभी वरिष्ठ नेताओं के साथ उसका विश्लेषण और उसपर मंथन करेंगे। इसी तरह अगले दिन यानी 25 फरवरी को प्रभारी एवं प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में वरिष्ठ नेताओं का दल बेगूसराय पहुँचेंगे। इस बैठक में बेगूसराय, खगड़िया और समस्तीपुर के सभी जमीनी स्तर नेता एवं कार्यकर्ता भाग लेंगे। इसी तरह 26 फरवरी को यह कारवां भोजपुर पहुँचेगी जहाँ भोजपुर, बक्सर, रोहतास एवं कैमूर जिलों के प्रतिनिधियों से विस्तृत चर्चा होगी। फिर यही सिलसिला 27 फरवरी को मुजफ्फरपुर में दोहराया जाएगा जहाँ मुजफ्फरपुर, मधुबनी, दरभंगा एवं सीतामढ़ी के प्रतिनिधियों के साथ विचार मंथन किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह ने चंपारण दौरा से पहले पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य डबल इंजन की सरकार का सफाया है। हमने 50 सीट जीतने का लक्ष्य रखा है। लक्ष्य आसान नहीं है मगर नामुमकीन नहीं। हम इसे हासिल कर के रहेंगे।इस बार बिहार कांग्रेस के पक्ष में चैकाने वाला परिणाम देगा।हम इसी लक्ष्य के साथ चुनावी जंग में निकल रहे हैं।

बरहेता गांव के बघमारा के समीप देर शाम हथियार से लैश तीन बदमाश ने बाइक छीना

प्राथमिकी आर्म्स एक्ट आरोपी को ताड़ी दुकान से पुलिस ने पकड़ा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर।जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत चकमेहसी थाना क्षेत्र के सोमनहा में ताड़ी दुकान से देसी कट्टा एक जिंदा कारतूस के साथ पुलिस ने एक प्राथमिक आर्म्स एक्ट आरोपी को दबोचा। दबोचे गये चकमेहसी थाने के प्राथमिकी आरोपी बताए गये हैं।बताया गया है कि गुप्त सूचना के आधार पर थानाध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने थाने से सब इंस्पेक्टर शंभू कुमार सिंह को पुलिस बल के साथ सोमनाहा भेजा, जहां थाने के प्राथमिकि आरोपी ताड़ीखाने में ताड़ी पी रहे थे। आरोपी को गिरफ्तार कर थाना लाया गया जहां तलाशी लेने के बाद उसके पास से एक देसी कट्टा लोडेड एक गोली जिंदा उसके पास से पुलिस ने बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के तहत दरभंगा - समस्तीपुर मुख्य सड़क के बरहेता गांव के बघमारा समीप शुक्रवार की देर शाम हथियार से लैश तीन की संख्या में बाइक सवार से तीन बदमाशों ने दरभंगा की ओर से आ रहे मुजफ्फरपुर 52 बीघा के राम याद त्रिवेदी के पुत्र सोमेश्वर की बाइक पर हमला किया। हेलमेट पर बाइक सटाकर पिस्टल की बट से सर पर मारकर बाइक को अनियंत्रित कर रोका, तथा बदमाशों ने हथियार दिखाकर सोमेश्वर से बाइक छीनकर बदमाश कल्याणपुर की ओर फरार हो गये। पीड़ित दरभंगा के वास्तु सेवा कार के पदाधिकारी थे। उन्होंने बताया कि मैं दरभंगा से केंद्रीय डॉ राजेंद्र प्रसाद कृषि विश्वविद्यालय जा रहा था वहां मेरी पत्नी कार्यरत है। सूचना पाते ही पुलिस जगह-जगह छापेमारी कर रही है। थाना अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया पीड़ित द्वारा दिए गये आवेदन के आलोक अज्ञात बदमाशों पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।शनिवार की अपराह्न तक पुलिस को छीनी गई बाइक तीन की संख्या में बदमाश नहीं पकड़े गये हैं। इस घटना को लेकर आसपास के लोगों का कहना है कि पुनः बदमाशों का बोलबाला हो गया है। वैसे पुलिस का दावा है कि जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार कर छीनी गई बाइक को बरामद कर लिया जाएगा साथ ही इस केश का उदभेदन जल्द होगा।थाना अध्यक्ष ने बताया कि अग्रतर कार्रवाई की जा रही है

कुंभ मेले के लिए समस्तीपुर मंडल से तीन विशेष ट्रेनों का परिचालन शनिवार से शुरू

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर।कुम्भ मेला जाने वाले यात्रियों की सुविधा हेतु समस्तीपुर मंडल द्वारा आज जयनगर, दरभंगा और सहरसा स्टेशन से एक-एक (कुल तीन) कुम्भ मेला विशेष ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा। ये ट्रेनें निम्नलिखित समयानुसार चलेगी।

जयनगर से विशेष ट्रेन, यह ट्रेन आज दिनांक 22 फरवरी 2025 को अपराह्न 16:30 बजे (संभावित) जयनगर से प्रस्थान करेगी। दरभंगा से विशेष ट्रेन दरभंगा से यह विशेष ट्रेन रात्रि 21:00 बजे रवाना होगी। सहरसा से विशेष ट्रेन, सहरसा से झूंसी के लिए यह विशेष ट्रेन अपराह्न 16:00 बजे प्रस्थान करेगी। यह विशेष ट्रेनें कुंभ मेले में जाने वाले यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए चलाई जा रही हैं। यात्रियों से अनुरोध किया जाता है कि वे निर्धारित समय पर रेलवे स्टेशन पहुंचकर और उचित टिकट लेकर ट्रेन सेवाओं का लाभ उठाएं। रेल प्रशासन कुंभ मेला जाने वाले यात्रियों की यात्रा को सुविधाजनक और सुगम बनाने हेतु प्रतिबद्ध है। अधिक जानकारी के लिए रेलवे हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें।

आलिम और फाजिल की परीक्षा में 970 परीक्षार्थी परीक्षा में हुए शामिल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

सीतामढ़ी। मौलाना मजहरूल हक अरबी एवं फारसी विश्वविद्यालय पटना के द्वारा शनिवार को जिले के एकमात्र परीक्षा केंद्र पर आलिम व फाजिल की परीक्षा आयोजित की गयी। परीक्षा के तीसरे दिन कदाचार के आरोप में किसी भी परीक्षार्थी के निष्कासन की कोई सूचना नहीं है। मुख्यालय डुमरा स्थित एकमात्र उर्मिला देवी सदानंद यादव ग्रुरूकुल डिग्री कॉलेज परीक्षा केंद्र पर सीतामढ़ी एवं शिवहर जिले के परीक्षार्थी शामिल हुए। केंद्राधीक्षक नूतन रमण एवं ऑब्जर्वर अंजार अहमद ने बताया कि पहली पाली में कुल 510 के विरुद्ध 440 परीक्षार्थी उपस्थित हुए, जबकि 70 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।इसी प्रकार दूसरी पाली की परीक्षा में कुल 560 परीक्षार्थी के विरुद्ध 532 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 28 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

डीएम ने की समीक्षात्मक बैठक, 24 बिंदुओं पर हुई चर्चा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शनिवार को जिला पदाधिकारी रोशन कुशवाहा के अध्यक्षता में कुल 24 बिन्दुओं पर नगर निगम, समस्तीपुर एवं जिला अन्तर्गत सभी नगर निकाय की समीक्षा बैठक की गई। जिला पदाधिकारी के द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण 2024, मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना, प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना पर मुख्य रूप से संबंधित सभी बिन्दुओं पर समीक्षा की गई साथ ही समस्तीपुर आयोजना क्षेत्र, राजस्व संग्रहण एवं अन्य मुद्दों पर भी समीक्षा की गई।जिला पदाधिकारी के द्वारा समस्तीपुर नगर निगम का स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 के रिपोर्ट कार्ड की समीक्षा की गई। नगर निगम समस्तीपुर के द्वारा प्राप्त किए गये रैंकिग में स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में बेहतर रैंकिग प्राप्त करने के लिए बिन्दुबार सभी निर्धारित मानकों पर कार्य योजना तैयार कर निर्धारित लक्ष्य प्राप्ति एवं बेहतर प्रदर्शन करने का

निर्देश दिया गया। साथ ही भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य करने एवं जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। समरूप निर्देश अन्य नगर निकाय को भी दिया गया। जिला पदाधिकारी के द्वारा सभी नगर निकाय से प्राप्त मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना को समीक्ष की गई। समीक्षा के क्रम में परियोजना निदेशक, बुडको समस्तीपुर को निर्देश दिया गया कि चयनित सभी योजनाओं को निर्धारित समय सीमा के अन्दर निविदा अतिशीघ्र किया जाय। जिला पदाधिकारी के द्वारा सभी नगर निकाय को प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना 1.0 के संबंध में जिला पदाधिकारी द्वारा सभी नगर निकाय को निर्देश दिया गया कि 31 मार्च 2025 तक लंबित सभी आवासों का निर्माण पूर्ण कर विभाग को संसूचित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना 2.0 में सभी नगर निकायों को विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपेक्षित कार्य प्रगति लाई जाय। समरूप निर्देश अन्य नगर निकाय को दिया गया।

राजस्व संग्रहण एवं अन्य के संबंध में जिला पदाधिकारी के द्वारा नगर निगम-समस्तीपुर के द्वारा किए जा रहे सभी विकासात्मक, सौन्दर्यीकरण एवं अन्य के सबंध में अपेक्षित मार्गदर्शन देते हुए संतोष व्यक्त किया।

मेहसौल में सड़क हादसा में एक व्यक्ति की मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

सीतामढ़ी । मेहसौल में सड़क हादसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। मृतक की पहचान नगर निगम वार्ड 28 निवासी मो खुर्शीद रूप में हुई है। जानकारी मिलते ही मेहसौल थाना प्रभारी फेराज हुसैन दल बल के साथ घटना स्थल वार्ड नंबर 28 मेहसौल गांव पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल भेज दिया है। परिवार वालों का रो रो कर बुरा हाल है। मृतक को चार पुत्री एवं दो पुत्र है। जानकारी के मुताबिक ट्रेक्टर से सीतामढ़ी पथ पर मेहसौल रहमानिया मस्जिद के पास घटना घटित हुई। मृतक मो खुर्शीद अपने घर के बाहर खड़े थे। ट्रेक्टर के चपेट में आने से मो खुर्शीद की मौत हो गई। ट्रेक्टर नं बीआर 30जी ए 6445 के ड्राइवर अमघट्टा निवासी रौशन कुमार को मेहसौल ओपी पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

किसान पाठशाला का हुआ आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के लदौरा गांव में शुक्रवार को प्रखंड आत्मा द्वारा संचालित किसान पाठशाला का आयोजन प्रखंड किसान सलाहकार समिति के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह के स्थल पर किया गया, जिसमें जीरो टिलेज खेती करने हेतु प्रशिक्षण दिया गया जिससे कम लागत में अधिक मुनाफा की जानकारी दी गई। उपस्थित सहायक तकनीकी प्रबंधक सूर्य भूषण कुमार एवं रूपम कुमारी ने अपना-अपना विचार प्रस्तुत किया उपस्थित किसानों में संजीव कुमार, आदित्य भूषण, परीक्षण सिंह, राकेश कुमार इत्यादि दर्जनों किसानों ने उनकी बातों को सुना एवं धन्यवाद ज्ञापन कृषि कल्याणपुर प्रोड्यूसर कंपनी के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह ने दिया।

समाधान: तेघड़ा बाजार में चलाया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

तेघड़ा / बेगुसराय अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार के नेतृत्व में अतिक्रमण मुक्त अभियान तेघड़ा बाजार में चलाया गया। तेघड़ा बाजार के सड़कों के अधिकांश भाग को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। अनुमंडल के कार्यपालक दंडाधिकारी धनंजय कुमार, अंचल अधिकारी रवि शंकर र कुमार, थानाध्यक्ष अमलेश कुमार, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी, किशोर कुणाल, जेई कृष्ण मुरारी सहित सभी कर्मी, तेघड़ा थाना की पुलिस ने नगर परिषद कार्यालय चौक से सड़क को अतिक्रमण मुक्त करना शुरू किया। मुख्य चौक तक वहां से कन्हैया भवन तक सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

जेसीबी को इसमें लगाया गया। मोटा भाई मिठाई दुकान, मसाला दुकान, कपड़ा दुकान, सहित दर्जनों दुकान एवं सिढ़ी को जेसीबी से तोड़ा गया। दुकानदार को अतिक्रमण हटाने के लिए लगातार मेकिंग कराया गया था। बाजार में सड़क के दोनों तरफ चदरा नुमा दुकान एवं दुकानदार चौकी लगाकर उस पर दुकान का सामान रखकर बेच रहे थे। अनुमंडलपदाधिकारी ने बताया कि अतिक्रमण मुक्त करने। का अभियान लगातार चलाया जायेगा। किसी भी सूरत में बाजार की सड़क को अतिक्रमण नहीं करने दिया जायेगा। पहले अतिक्रमण करने वाले दुकानदार के लिए नगर परिषद की ओर से माइकिंग से एनाउंस करवाया गया था कि अतिक्रमण हटा लें। दुकान के आगे सड़क पर अपने सामान को नहीं रखें। अमीन के माध्यम से सड़क का सीमांकन करवाया गया अतिक्रमण करने वालों को चिह्नित किया गया। कुछ दुकानदारों ने अपना अतिक्रमण हटा लिया था। अधिकांश दुकानदार सूचना के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया था। उनलोगों का जेसीबी से अतिक्रमण हटाया गया। यदि फिर से दुकानदार सड़क अतिक्रमण किये, तो कड़ी कार्रवाई की जायेगी। सड़क अतिक्रमण से बराबर जाम लग रहा था। कई बार एम्बुलेंस भी फंस गया है। अतिक्रमण हटाने से जाम की समस्या नहीं होगी

कॉन्स्टेबल पत्नी, सास, 2 बच्चों का रेता गला, फिर खुदकुशी: पुलिस लाइन में मिले 5 शव

पटना। पुलिस लाइन के सरकारी क्वार्टर में पांच शव मिले हैं। क्वार्टर नंबर- 38 से एक महिला कॉन्स्टेबल नीतू, उसके पति पंकज, दो बच्चों (5 साल का बेटा, 3 साल की बेटी) और उसकी मां की लाश मिली है। कॉन्स्टेबल के पति पंकज ने पूरे परिवार की पहले हत्या की, फिर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पत्नी के अवैध संबंध के शक में इतनी बड़ी वारदात को अंजाम दिया गया है। पति ने परिवार के 4 लोगों का गला रेता, जबकि खुद फंदे से लटक जान दे दी। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट मिला है। जिसमें पंकज ने परिवार के चार लोगों की हत्या की बात कबूल की है। नीतू फिलहाल SSP कार्यालय में तैनात थी। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप है। पुलिस के वरीय अधिकारी भी मौके पर पहुंचे हैं। घटनास्थल पर डीआईजी, एसएसपी, सिटी एसपी, सिटी डीएसपी, डीएसपी लाइन सहित दर्जनों पदाधिकारी और कर्मी मौजूद हैं। कॉन्स्टेबल नीतू कुमारी 2015 बैच की थीं। पति-पत्नी में होता था झगड़ा- डीआईजी मौके पर पहुंचे डीआइजी विवेकानंद ने घटना के बारे में बताया कि, 'कॉन्स्टेबल नीतू कुमारी, उसके दो बच्चों और नीतू की सास का शव मिला है। चारों का गला रेता गया है। जबकि नीतू के पति का शव टंगा हुआ मिला है। सुबह जब दूध देने के लिए दूध वाला आया तब दरवाजा नहीं खुला, इसके बाद लोगों ने दरवाजा तोड़ दिया। घर में 5 लोगों का शव पड़ा हुआ था। सिटी एसपी राज के नेतृत्व में SIT टीम का गठन किया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। मृतक परिवार के परिजनों को सूचना दे दी गई है।'उन्होंने ये भी बताया कि 'आसपास के पुलिस कर्मियों से पूछताछ में पता चला है कि पति-पत्नी में आपस में कई दिनों से झगड़ा चल रहा था। दोनों के बीच का झगड़ा सड़क पर भी कई बार आ जाता था। कल शाम भी दोनों के बीच लड़ाई हुई थी। हालांकि ये घटना कल्पना से परे है।' डीआजी विवेकानंद ने कहा कि 'एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें अवैध संबंध का आरोप पति ने लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कारोबारी से मांगी 50 हजार की रंगदारी

दुकानदारों ने 2 अपराधियों को पकड़ा, पिटाई के बाद पुलिस को सौंपा

पटना। के नौबतपुर में रंगदारी मांगने पहुंचे 2 अपराधियों को दुकानदारों ने पकड़ लिया। दोनों की जमकर पिटाई करने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया। एक अपराधी का क्रिमिनल रिकॉर्ड रहा है। गिरोह में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। घटना पेठिया बाजार की है। अपराधियों की पहचान चेसी गांव के गुलाब सिंह(25) और सुमन शर्मा(20) के तौर पर हुई है। दोनों शुक्रवार देर शाम कपड़ा व्यापारी लक्ष्मण साह से 50 हजार रंगदारी मांगने पहुंचे थे। विरोध करने पर दुकान के कर्मचारियों से भी मारपीट की। शोर सुनकर मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। विवाद बढ़ने पर लोगों ने अपराधियों की जमकर पिटाई कर दी। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। इस घटना से आसपास के लोगों में प्रशासन के खिलाफ नाराजगी है। एक साल पहले रंगदारी नहीं देने पर दवा दुकानदार बृजभान प्रसाद को गोली मार दी गई थी।
इसके बाद व्यापारियों ने बाजार में पुलिस पिकेट बनाने और गश्त बढ़ाने की मांग की थी, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं निकला है।

मशरक थाना परिसर में जनता दरबार आयोजित

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना परिसर में शनिवार को साप्ताहिक जनता दरबार आयोजित किया गया। सीओ सुमंत कुमार और थानाध्यक्ष अजय कुमार ने आए फरियाद की फरियाद को सुना। सीओ सुमंत कुमार ने बताया कि जनता दरबार में 51 मामले पहले से लंबित थे जिन पर सुनवाई करते हुए 4 का निपटारा कर दिया गया। वहीं 1 नया मामला दर्ज कराया गया जिसको सुनवाई के लिए रजिस्टर्ड कर लिया गया। बचें सभी मामलों का अगले जनता दरबार में सुनवाई की जाएंगी।

2 बाइक की टक्कर, एक की मौत

पटना। अररिया के आरएस थाना क्षेत्र के हड़िया पंचायत में बलवा पुल के पास दो बाइक की टक्कर में एक किशोर की मौत हो गई। हादसे में दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान फारबिसगंज प्रखंड के सिमराहा थाना क्षेत्र के पुरनदाहा निवासी अकबर के 14 साल के बेटे मोज्जम के रूप में हुई है। घायलों में उसी गांव के आदिल और फिरदौस शामिल है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तीनों युवक एक ही बाइक पर अररिया से पुरनदहा जा रहे थे। बलवा पुल के पास तेज गति से आ रही दूसरी बाइक से उनकी टक्कर हो गई। हादसे में मोज्जम की मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को शुक्रवार रात करीब 8 बजे सदर अस्पताल अररिया लाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने दोनों घायलों को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया।

2 ट्रकों के बीच भीषण टक्कर लगी आग:जिंदा जला ड्राइवर

पटना। के गौरीचक थाना क्षेत्र में मसाढ़ी गांव के पास 2 ट्रकों के बीच भीषण टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों गाड़ियों में आग लग गई। इस घटना में एक ड्राइवर की जिंदा जलने से मौत हो गई। दूसरे ने गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई।
एक ट्रक में सीमेंट और दूसरे फल लदा था। मामले की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम और फायर ब्रिगेड की गाड़ी घटनास्थल पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तब तक एक ड्राइवर की मौत हो चुकी थी। अभी तक मृतक की पहचान नहीं सकी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल भेज दिया गया है। गौरीचक थाना प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि दोनों गाड़ियों के बीच आमने-सामने की टक्कर हुई है। आग लगने के बाद एक ड्राइवर अंदर ही फंसा रह गया। जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

इंजीनियरिंग कॉलेज में राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

पटना। अमरकथा शिल्पी फनिश्वरनाथ इंजीनियरिंग कॉलेज, सिमराहा में एसपीएनआरईसी, अररिया के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग द्वारा बिहार काउंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सौजन्य से 21-22 फरवरी 2025 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन एनसीईसीसीआई-2025 का आयोजन हुआ। इस सम्मेलन का उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधकताओं, शिक्षकों, वैज्ञानिकों और उद्योग विशेषज्ञों को इलेक्ट्रॉनिक्स, संचार और कंप्यूटेशनल इंटेलिजेंस के नवीनतम विकास और रुझानों से अवगत कराना था। सम्मेलन की शुरूआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुई। आयोजन सचिव डॉ. रितेश कुमार और प्राचार्य डॉ. असीम कुमार ठाकुर ने संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के ईसीई विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार रघुवंशी थे। इस अवसर पर प्रतिष्ठित संस्थानों के विद्वान वक्ताओं ने अपने विशेषज्ञ व्याख्यान दिए। उन्होंने सेमी कंडक्टर मटेरियल फैब्रिकेशन, मेटामटेरियल्स, 2डी मटेरियल्स, आरएफ और ऑप्टिकल डिवाइसेस, संचार प्रणाली, एंबेडेड सिस्टम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एनर्जी हार्वेस्टिंग टेक्नोलॉजी जैसे विषयों पर अंतर्दृष्टि साझा की। सम्मेलन की सलाहकार समिति में आईआईएससी बैंगलोर, आईआईटी भुवनेश्वर, आईआईटी पटना, एनआईटी दिल्ली और डीटीयू दिल्ली के प्रोफेसर शामिल थे। कई तकनीकी सत्र आयोजित हुए, जिनमें शोध पत्र प्रस्तुतियां भी हुईं।

छोटे भाई ने कहा- भाभी के प्रेमी ने साथियों के साथ मिलकर बेरहमी से पीटा

गले पर निशान और दो हिस्सों में फटा सिर, मौत

नालंदा। में शुक्रवार की शाम एक युवक को बेरहमी से पीटकर हत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक के गले पर निशान पता गया है, साथ ही सिर पर मारने की वजह से सिर दो हिस्सों में बंट गया है। परिजनों को रात 9 बजे सूचना मिली कि युवक का शव सड़क किनारे पड़ा हुआ है। पूरा मामला चंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत बहादुरपुर गांव का है। मृतक की पहचान घोरहरी निवासी रुदल चौहान के बेटे राकेश चौहान (30) के रूप में हुई है। परिजनों ने गांव के लल्लू यादव और उसके भाई बिरजू यादव पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतक के भाई संजीत कुमार ने बताया कि कल शाम को लल्लू यादव का बड़ा बिरजू यादव भाई की गांव जाने की बात कहकर बुलाने आया था। भाई ने कहा कि पंखा लेकर आते हैं, जिसके बाद दोनों निकल गए। रात 9 बजे लोगों से सूचना मिली कि भाई की बॉडी सड़क किनारे पड़ी है। जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया। वारदात को अंजाम देने की वजह संजीत ने बताया कि गांव के लल्लू यादव का मेरी मंझली भाभी के साथ अफेयर चल रहा था, जिसकी जानकारी 2 महीने पहले सभी लोगों को हुई। दोनों की बातचीत बंद हो गई, जिसके बाद लल्लू यादव ने भाभी का फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। वायरल की बात सामने आने के बाद दोनों परिवार में काफी लड़ाई हुई थी। इस दौरान लल्लू यादव और उसके साथियों ने भाई को देख लेने की बात कहकर धमकी दी। जिसके बाद वो अपने भाइयों के साथ किराए का मकान लेकर हरनौत रहता था। हालांकि लल्लू के बड़े भाई बिरजू से मेरे भाई की अच्छी दोस्ती थी। वो दोनों आपस में मिलते जुलते रहते थे। कल शाम में बिरजू घर आया और कहा कि गांव चली। जिसके बाद मेरे भाई ने कहा कि गर्मी आ गई है घर से पंखा लेकर आते हैं। दोनों साथ में गांव निकल गए। आगे बताया कि भाई के गले पर निशान है और उसका सिर दो हिस्सों में फटा हुआ था। राकेश चौहान के माता-पिता त्रिपुरा में ईंट भट्ठा पर रहकर मजदूरी करने का काम करते हैं। बेटे की हत्या की बात को सुनकर वह वापस गांव लौट रहे हैं। मृतक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था और खेती-बाड़ी करने का काम करता था। मृतक का 2 पुत्र और 1 पुत्री है। जिसके आजीविका पर संकट आ गया है। मामले की जांच कर रही पुलिस इस मामले में चण्डी थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि शुक्रवार की शाम डायल 112 पुलिस के द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति की सड़क हादसे में मौत हो गई है। शव को देखा गया तो यह प्रतीत हुआ की यह हादसा नहीं बल्कि हत्या है। जिसके बाद शव की शिनाख्त कर परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। परिजन ने गांव के ही कुछ लोगों को नामजद करते हुए हत्या का आवेदन दिया है। शव को पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

संक्षिप्त डायरी

जनता दरबार में पहुंचे 06 फरियादी, चार का हुआ निष्पादन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। प्रत्येक शनिवार की तरह आज भी वारिसनगर थाना परिसर में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता थाना प्रभारी निरंजन कुमार ने किया। आज पुराना और नया मामले को लेकर कुल 06 फरियादी पहुंचे हुए थे, जिसमें से 04 मामले का निष्पादन किया गया। जिन लोगों लोगो का आज निष्पादन हुआ उनमें सत्यनारायण पासवान, फूलों पासवान, सेखा देवी, बलिराम महतो, सुरेंद्र साह, खेतरी देवी, राम प्रसाद कापर, संत लाल शर्मा का नाम शामिल है। जनता दरबार के अवसर पर थाना अध्यक्ष निरंजन कुमार के अलावा राजस्व कर्मचारी रबेश्वर दास, अंचल कर्मी मंटून कुमार आदि मौजूद थे।

बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारु का 24 फरवरी से बिहार का चार दिवसीय दौरा

पटना २२ फरवरी 2025

प्रदेश कांग्रेस की चुनावी तैयारी को धारदार बनाने के उदेश्य से बिहार के नवनियुक्त प्रभारी कृष्णा अल्लावारू 24 फरवरी को बिहार के दौरे पर पटना पहुँच रहे हैं। 24 फरवरी को यह सिलसिला पटना जिला से शुरू होगा जिसके तहत पटना महानगर, पटना ग्रामीण-1 एवं पटना ग्रामीण-2 के अधीन आने वाले सांसद ,पूर्व सांसद ,बिधायक,विधानपार्षद ,पूर्व विधायक. पूर्व विधान पार्षद , मोर्चा संगठन .बिभाग ,प्रकोष्ठ अध्यक्ष के अलावा जिलाध्यक्ष, एआईसीसी सदस्य, प्रदेश डेलिगेट, प्रत्याशीगण, प्रखंड अध्यक्ष आदि लोगों के साथ मैराथन मीटिंग का दौर शुरू होगा। जमिनी हकीकत जानने के बाद प्रभारी प्रदेश के सभी वरिष्ठ नेताओं के साथ उसका विश्लेषण और उसपर मंथन करेंगे।
अगले दिन यानी 25 फरवरी को प्रभारी एवं प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में वरिष्ठ नेताओं का दल बेगूसराय पहुँचेंगे। इस बैठक में बेगूसराय, खगड़िया और समस्तीपुर के सभी जमीनी स्तर नेता एवं कार्यकर्ता भाग लेंगे। इसी तरह 26 फरवरी को यह कारवां भोजपुर पहुँचेगी जहाँ भोजपुर, बक्सर, रोहतास एवं कैमूर जिलों के प्रतिनिधियों से विस्तृत चर्चा होगी। फिर यही सिलसिला 27 फरवरी को मुजफ्फरपुर में दोहराया जाएगा जहाँ मुजफ्फरपुर, मधुबनी, दरभंगा एवं सीतामढ़ी के प्रतिनिधियों के साथ विचार मंथन किया जाएगा।

कर खेती का उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों को जागरूक व प्रोत्साहितकिया जा रहा है। ताकि जिले में कृषि को बढ़ावा दिया जा सके।डीएम ने किसानों को तकनीकी विधि से खेती कर लाभान्वित करने की अपील की है।जिला कृषि पदाधिकारी गौरव प्रताप सिंह ने बताया जिले के किसान आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर खेती किया जा रहा है। जिले के किसान मक्का, मखाना व मशरूम की खेती कर अपने जीवन को सुखी बनाएं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष जिले में मक्का, मखाना व मशरूम की खेती का रकवा लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में 1 हजार हेक्टेयर खेत में मखाना की खेती किया जा रहा है, जिसे बढ़ाकर 3 से 4 हजार हेक्टेयर करना है। मखाना बोर्ड का गठन होने से निश्चित रूप से यहां के किसान लाभान्वित होंगे। जिला कृषि पदाधिकारी शान्तनु कुमार द्वारा बताया गया कि यह कार्यक्रम दो दिनों तक चलेगा, जिसमें किसान भाग लेकर तकनीकी जानकारी के साथ-साथ कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे। जिला परिषद अध्यक्ष आफताब अजीम पप्पू,आत्मा के उप परियोजना निदेशक संतोष कुमार, जिला कृषि अभियंत्रण के निभा कुमारी आदि मौजूद थे।

अखंड संकीर्तन का हुआ समापन, भक्तिमय रहा माहौल

पटना। भरी पंचायत के छौना गांव में बजरंगबली मंदिर परिसर में श्री श्री 108 अखंड हरिनाम महा संकीर्तन का भव्य आयोजन हुआ। ब्राह्मणों के मंत्रोच्चारण के साथ इसकी शुरूआत हुई थी। शुक्रवार को 72 घंटे बाद महायज्ञ का समापन हुआ। बिहार और बंगाल से आई कीर्तन मंडलियों ने हरे राम, हरे कृष्ण के भजनों से पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। ब्राह्मणों ने बताया कि हरिनाम संकीर्तन के श्रवण से सांसारिक कष्ट दूर होते हैं। भजन-कीर्तन से जीवन में सुख-समृद्धि आती है। समापन समारोह में पूर्व सरपंच संजीव दास, अध्यक्ष मनोज दास, जितेंद्र दास, रतन लाल दास, चमक मौजूद रहे। परवाहा। फारबिसगंज के मुसहरी पंचायत स्थित राम बाबा आश्रम में आयोजित दो दिवसीय संतमत सतसंग का समापन आज भव्य रूप से किया गया। अंतिम दिन सतसंग में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जिन्होंने संतों के प्रवचन को श्रद्धापूर्वक श्रवण किया।समापन सत्र में पूज्यपाद आचार्य वेदानंद जी महाराज सहित स्वामी सत्यनारायण ब्रह्मचारी, स्वामी प्राआनंद जी महाराज, स्वामी निरंजन बाबा, स्वामी शिवानंद जी महाराज और गोपाल बाबा ने प्रवचन दिए। उन्होंने भक्ति, ज्ञान और सत्संग के महत्व को विस्तार से समझाया। आचार्य वेदानंद जी महाराज ने कहा कि जीवन का असली सार आत्मा की शुद्धि और ईश्वर की भक्ति में है। पलासी मजलिसपुर पंचायत के भटवार गांव में आयोजित ग्यारह दिवसीय श्री महारुद्र यज्ञ भक्तिमय वातावरण में शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। यज्ञ में कलाकारों द्वारा बनाया गया कैलाश पर्वत पर विराजमान भगवान रुद्र का मनोहारी प्रतिमा आकर्षण का केंद्र बना रहा। बनारस के आचार्य मुकेश शास्त्री जी के नेतृत्व में यज्ञ संचालन किया गया। महारुद्र यज्ञ की विशेषता का वर्णन करते हुए शास्त्री जी ने कहा कि यज्ञ में प्रयुक्त वैदिक मंत्रों, होम, जाप आदि के प्रभाव सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है।

टेंट व्यवसायी की गुमशुदगी का मामला

रोहतास। के धर्मपुरा थाना क्षेत्र से लापता हुए टेंट व्यवसायी को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर खोज लिया है। शिशिरित गांव के पास से लापता हुए पीथनी निवासी हरिद्वार सिंह के भाई देवराज सिंह ने गुरुवार को अपहरण की आशंका जताते हुए थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। धर्मपुरा थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि मोबाइल लोकेशन के आधार पर मामले की जांच की गई। पहले शिशिरित गांव के पास से मोबाइल का आखिरी लोकेशन मिला था।

अति सर्वत्र वर्जयेत्

बचपन में माँ कहती थी कि बेटा किसी भी चीज की अति से बचो। क्योंकि जहाँ अति होती है वहाँ क्षति होती है और जो इस बात को नहीं समझता है उसकी दुर्गती होती है। न ज्यादा प्यार अच्छा, न ज्यादा तकरार। न ज्यादा दोस्ती अच्छी, न ज्यादा दुश्मनी। ना ज्यादा मीठा अच्छा ना ज्यादा तीखा। पापा भी हमेशा कहते थे कि बेटा 'अति सर्वत्र वर्जयेत्। अब ये अलग बात है कि जब मम्मी-पापा की आपसी लड़ाई होती थी तो वे इस मूलमंत्र को भूल जाते थे।

मैंने भी अपने जीवन में हमेशा ये कोशिश की है कि मैं अति का शिकार होने से बचूँ और हमेशा सत्य की राह पर चलूं। लेकिन इसी चक्कर में एक बार मेरी माशूका मुझे छोड़ कर चली गई थी। हुआ ये कि उसने मुझसे एक बार बड़े प्रेम से पूछा कि जानूँ! बताओ न कि तुम मुझसे कितना प्रेम करते हो ? अब मैं ठहरा कवि हृदय स्पष्टवादी इंसान,सदा सत्य बात कही। मैंने कहा, कुछ खास ज्यादा नहीं ! बस इसी बात पर वो मुझे छोड़ कर चली गई। बाद में एक दोस्त ने बताया कि भाई, प्यार जितना करो, उससे कहीं ज्यादा का दम भरो। क्योंकि मोहब्बत और जंग में सब जायज है।

स्कूल के जमाने में मेरा एक मित्र था जो हमेशा पढ़ता ही रहता था। घर में उसके माता-पिता भी उस पर हमेशा दबाव बनाए रखते थे। यानि कि पढ़ाई की भी अति थी।नतीजा ये हुआ कि उसका मानसिक संतुलन बिगड़ गया। उसे कभी एक सहज और और स्वाभाविक जीवन जीने का अवसर ही प्राप्त नहीं हुआ। दबाव हमारे घर पर भी हुआ करता था लेकिन ये भी कहा था कि सभी कार्यों का अपना-अपना समय होता है और उसी हिसाब से हमें कोई भी काम करना चाहिए। यानि कि पढ़ाई के समय पढ़ाई,खेल के समय खेल और मस्ती के समय मस्ती।

मैंने अक्सर देखा है कि जब कभी भी घर में काम की अधिकता होती है तो श्रीमती जी को अपनी क्षमता से अधिक काम करना पड़ता है तो ऐसी स्थिति में वो पलक झपकते ही ऐश्वर्या राय से ममता बनर्जी बन जाती हैं। फिर बड़ी मुश्किल से शापिंग के गंगाजल का छिड़काव कर उन्हें सामान्य स्थिति में लाना पड़ता है।

इसलिए कहा जाता है कि आजकल के जमाने में आपस में तालमेल जरूरी है ताकि जब भी काम की अति हो तो हम एक दूसरे का बोझ बांट सकें।

आज के दौर में हर एक क्षेत्र में इंसान अति का शिकार हो रहा है। प्रेम, घृणा, हिंसा, सियासत हो या आधुनिकता, सभी अपने चरम पर हैं। सोशल मीडिया ने जिस तरह से आम आदमी के दिलो दिमाग पर असर डाला है, वो भी अपने चरम पर है और इसका दुष्प्रभाव हम अक्सर देखते हैं। ये अति का ही असर है कि आजकल लोग डिप्रेशन जैसी गंभीर बीमारी का शिकार हो रहे हैं।

इसलिए ये कहा जाता है कि किसी भी चीज की अति से हमेशा बचना चाहिए। जिंदगी तो जिंदादिली का नाम है। इसे बड़े ही प्रेम से, बड़े आराम से और बड़ी सहजता से जीने की कोशिश करनी चाहिए और ये कहा भी जाता है कि ईमानदारी से की गई हर कोशिश हमेशा ही कामयाब होती है।

अपना वक्त

पार्क में ठहल रहे शर्मा जी व उनके दो बुजुर्ग दोस्त कुछ लड़कों पर चिल्ला रहे थे, जो पार्क के किनारे कुत्तों को खाना खिला रहे थे।

शर्मा जी पता नही आजकल युवाओं को क्या होता जा रहा है !किसी को कोई काम नही है ,कभी देखो अनाप शनाप रील बनाते नजर आते हैं , तो कहीं कुत्तों को खाना खिलाते ।

तभी कुत्ते उन पर जोर- जोर से भौंकने लगते है ।वह खिसिया के हाथ में लिया डंडा उठा कर धमकाने लगते है ।

तभी एक लड़का , अरे अंकल !इन्हे क्यों मार रहें हैं, यह कुछ नही करेंगे।

बुजुर्ग --- देखो तुम लोग रोज- रोज कुत्तों को यहाँ खाना मत खिलाया करो ,यह जगह घुमने टहलने की है और कुत्ते के काटने के डर से हमे व बच्चों को यहाँ डर लगने लगा है।

तभी दूसरे बुजुर्ग -- हाँ! यह आपस में बुरी तरह झगड़ते हैं और बच्चों को भी काट लेते है। इनके कारण घर से निकलना भी मुश्किल होता जा रहा है ।

तभी एक लड़का कुत्तों को पुचकार कर वहाँ से जाने को कहते हैं और वह सभी उन वृद्धों के पास बैठ जाते हैं और पूछते हैं।-

अंकल आपने कभी कोई पेट पाला है ? या जब आप बच्चे मतलब हमारी उम्र के थे , जब आप स्कूल जाते थे, उस समय गली के कुत्तों से डरते थे ! कभी तो आप उनके पिल्लों से खेले हैं, या उनको खाना दिया होगा ! याद करिए !!

सभी बुजुर्ग एकदम चुप हो गए और अतीत की गलियों में कुछ ढूँढने लगे ।

तभी एक बुजुर्ग ने कहा --

मैं जब स्कूल जाता था तो स्कूल के पास कालू नाम का एक डॉग था, हम बच्चे उसे अपना टिफिन खिला देते थे। सभी हँसने लगते है।

तभी दूसरे वृद्ध ने कहा --मेरे गाँव में भी भोलू -मोलू दो कुत्ते थे ,माँ बचा हुआ खाना डालती थी और वह हमारे घर की रखवाली करते थे ।

तभी पहले बुजुर्ग ने कहा--

पर वह गाँव था, जहाँ बड़े खेत बड़ी जगह , यह शहर की तंग गलियाँ ! अब तो इनसे डर लगता है !!

तभी दूसरे वृद्ध ने कहा --

अरे कुछ नही ,अब हम बूढ़े हो गए हैं। इसलिये हमारी सोंच भी बूढ़ी हो गई है। प्यार से देखेंगे तो यह भी !

तभी शर्मा जी का नौ वर्षीय पोता वहीं खेल रहे कुत्ते के पिल्ले को लेकर आ गया ।

दादा जी देखो न कितना प्यारा है ! युवा वहाँ से जा चुके थे और बुजुर्ग कुत्तों के पिल्लों के साथ खेलने लगे थे।

भटकी राह

शाम का वक्त था, घड़ी की सुइयां छः बजा रही थीं। घर का माहौल तनाव से भरा हुआ था। रसोई में बर्तनों की हल्की खनक के बीच एक कर्कश आवाज गूंजी।

सुनती हो! तुम्हारे साहबजादे की करतूतें बढ़ती जा रही हैं! आज स्कूल से प्रिंसिपल मैडम का फोन आया था। साहबजादे स्कूल में टिकते ही नहीं, क्लासेस बंक करते हैं, उन्हें स्कूल से निलंबित कर दिया गया है। आज भी स्कूल नहीं पहुँचे थे।

महेश की आवाज में गुस्से के साथ निराशा भी थी।

रश्मि, जो चाय छान रही थी, चौंक गई, लेकिन वो तो हर दिन समय से स्कूल जाता है, उसने कांपते स्वर में कहा।

पिछले महीने ही मैडम ने मुझे चेतावनी दी थी, महेश ने कुर्सी पर गिरते हुए सिर पकड़ लिया। शर्मा जी कह रहे थे कि उन्होंने इसे पास वाले हाईवे पर कुछ लड़कों के साथ बाइक पर स्टंट करते देखा था। पुलिस ने खदेड़ा तो सब भाग खड़े हुए।

रश्मि का दिल बैठ गया। हे भगवान! कितनी मन्नतों से यह बेटा पाया था... ये क्या कर रहा है? इतने महंगे कान्वेंट स्कूल में कितनी सिफारिश के बाद कितनी मुश्किल से दाखिला कराया था, अगले साल तो इसकी +2 की फाइनल परीक्षा है, और ये... उसकी आँखें भर आईं।

तभी उनका इकलौता बेटा घर में दाखिल होता है, उसके चेहरे पर बेपरवाही की मुस्कान थी और बाल बिखरे हुए थे।

लो आ गए आपके साहबजादे, लफंगई करके !

पापा, आप कभी ढंग से बात नहीं कर सकते क्या? रोहन ने झुंझलाते हुए बैग फेंका।

तुम्हारे स्कूल से फोन आया था।

हाँ, पता है। निकाल दिया गया है मुझे।

जब पढ़ाई नहीं करनी, तो चलो, मेरे एक मित्र हैं, उनसे बात करके तुम्हें उनकी ऑफिस में क्लर्क की नौकरी दिलवा देता हूँ।

कोई जरूरत नहीं आपकी मदद की, रोहन ने तमतमाते हुए कहा। मैं रील बनाऊंगा और आपसे ज्यादा कमा लूंगा।

जो चमक तुम्हें स्क्रीन पर दिख रही है, वो सिर्फ छलावा है। सफलता मेहनत से मिलती है, शॉर्टकट से नहीं। महेश ने गहरी साँस लेते हुए कहा।

लेकिन रोहन को कौन समझाए? वह कानों में ईयरफोन लगाकर अपने कमरे में चला गया।

बेवसी

कल तो किसी ने नहीं देखा,पर हम प्रतिदिन अपने आज को आनेवाले कल के लिए कुर्बान कर देते हैं । रजिस्ट्रार के दफ्तर के बाहर बैठा अपनी बारी आने का बोझिल सा इंतजार करते हुए हल्की हल्की झपकी भी ले रहा था कि पास वाली कुर्सी पर सुंदर सी साड़ी पहने एक लड़की जिसकी उम्र तकरीबन पच्चीस साल होगी,आकर बैठ गई । उसकी गोद में एक तौलिये में लिपटा प्यारा सा नवजात सा बच्चा था । लड़की संभ्रांत परिवार से ताल्लुक रखती प्रतीत हो रही थी। दो चार बार चोरी छुपे अपनी ओर देखते पाकर मैंने उससे पूछा,ह्वकितने दिनों पहले इसका जन्म हुआ है ?ह्व

दस दिन पहले झ उसने जबाब दिया और फिर बच्चे के गिर्द तौलिया लपेटने लगी।

दस दिन के बच्चे को लेकर कोर्ट कचहरी क्यों आ गई

कहाँ छोड़ती,घर में मेरे और उनके अलावा और तो कोई है ही नहीं,किसपर इसे छोड़ आती।और वैसे भी,मेरे बिना ये कैसे रहेगा।

माहौल थोड़ा सीरियस सा हो गया था, लिहाजा, उसे थोड़ा हल्का बनाते हुए मैंने कहा,चलो जब ये यहां आकर दिन भर गुजार रहा है तो एक बात तो पक्की है कि यह बड़ा होकर नहीं और कुछ तो रजिस्ट्रार तो बन ही जायेगा कम से कम ।

सामने आज का सामाजिक परिवेश अपने नग्न रूप में खड़ा था।आज परिवार की परिभाषा ही इतनी सीमित हो सिकुड़ सी गई है कि उसमें और किसी के समाने के लिए कोई जगह ही नहीं बची।परेशानियों का दंश झेलकर भी वही स्वीकार्य है इस पीढ़ी को।

थोड़ी देर बाद एक परेशान सा युवक उसके पास आया और उन दोनों के बीच कुछ बातें हुईं,फिर वह मेरी ओर मुखातिब होकर बोला,नमस्ते अंकल,अच्छा है कि ये लोग आपके पास बैठे है,वहां रजिस्ट्री में बहुत टाइम लग रहा है। यह बोलकर वो चला गया।यह विश्वास यदि वह अपने परिवार के प्रति बनाये रखता तो उसे मेरे प्रति विश्वास बनाने की कोई जरूरत ही नहीं थी।

उसके जाने के बाद लड़की ने मेरे सवालिया नजरों को भांपते हुए स्वयं कहना शुरू किया। हमारी शादी के खिलाफ थे इनके घरवाले।इनके परिवार से अरेंज मैरिज की ही बात हुई थी पर मेरे पिता दहेज के सख्त खिलाफ थे। उनलोगों को बिना दहेज शादी मंजूर नहीं थी। ऐसे दो साल तक मामला लटका ही रहा।फिर मेरे पति अड़ गए कि शादी तो हमसे ही करेंगे।मां बाप ने लाख समझाया पर ये अड़े रहे। आखिर हार कर उन्होंने शादी तो करा दी लेकिन वहां मुझे बहू का दर्जा नहीं दिया।एक साल हमने उनकी बहुत सेवा की लेकिन वे नहीं पसीजे । हार कर हमलोग ट्रांसफर करा के यहां आ गए। बचपन में मेरे पापा ने एक जमीन यहां मेरे नाम से खरीदी थी,आज उसी को बेच रहे हैं, क्योंकि डॉक्टर का बिल भरना है । ये सिजेरियन से पैदा हुआ है।

उसकी बातों में छुपा हुआ दर्द उसकी नम आँखें बयां कर रही थीं। उतने छोटे से बच्चे को देखकर उसके माता पिता के लिए जितना भी आक्रोश मन में आया था वो अब तक काफूर हो चुका था।

लाडो

अभी अभी तो बोलना सीखी थी तोतली आवाज में मन को लुभाती हुईं।गिरते पड़ते चलना सीखी थी। पिता की अंगुली पकड़कर अपनी कदम को जमाना (स्थिर करना) सीखी।

अब पढ़ाई का दौर शुरू हुआ प्ले स्कूल से बड़े स्कूल में दाखिला भी मिली।बस क्या था रोज स्कूल जाना और पढ़ाई जोरों से चलने लगी सालो - साल उच्च क्लास में जाती रही और अब

उच्च शिक्षा के लिए शहर से बाहर जाना पड़ा और चली भी गई।मानो उस दिन बेटी की पहली विदाई हो गई पर उम्मीद थी कि महाविद्यालय के अवकाश में आएगी और अवकाश का इन्तजार करतीं रहीं, फिर वो दिन भी आता और छन में अवकाश समाप्त भी हो जाता और फिर महाविद्यालय चलीं जाती।

उच्च शिक्षा (पढ़ाई) समाप्त हुई और नौकरी का दौर चालू हुआ नौकरी भी करने लगीं मानो अपनी छोटी सी गृहस्थी बसा ली।,,, अब और दूरी बन गई।जब भी मिलने को होता तो मुझे छुट्टी नहीं है। खैर माता पिता का दिल चलो मिल आते हैं ।एक नहीं,दो नहीं साल में छह बार मिलने जाते थे।

अब बिटिया बड़ी दिखने लगी शादी की सोच माता पिता को होने लगा और फिर क्या -- रिश्ता खोजना शुरू हुआ कुछ महीनों साल में रिश्ता भी मिल गया। बिटिया की बिदाई हो गई और माता पिता भाई रोज मिलने की आश लिए हुए इन्तजार कर रहें हैं।कि वो दिन कब आएगा कि एक झलक मिलूं,गले लगाऊँ। दूर इतनी दूर चली गई कि जाने के लिए पासपोर्ट बीजा चाहिए वो सम्भव नहीं है रोज विडियो चैट का इंतजार करने के बाद थोड़ी सी बात और एक झलक दिखाई देती है। बात नहीं कर पाती बेचारी माँ। लड़खड़ाते आवाज से पिता भी अपने को सम्हालते।

अपनी स्वेच्छा से सब कुछ करने वाली

आज सब की इच्छा का ख्याल रखना सीखली।

छोटी लाड़ो इतनी बड़ी और समझदार हो गई कि अपनी हर बात मां बाप से छुपाने लगी। ससुराल की कोई ऐसी वैसी बात नहीं बतातीं अपनी हर बात छुपाने लगी।

नौकरी भी करती हैं अपनी गृहस्थी भी बखूबी सम्हालने लगी है। बिटिया (लाडो) अब छोटी से बड़ी हो गई है।

आदमी

आदमी को आदमी से बांटता है आदमी,
थूकता हैं जानवर, चाटता है आदमी।

बयानों की बाढ़ में, मौकों की आढ़ में,
भूंकता हैं जानवर, छापता हैं आदमी।

धर्म की पैदावार हेतु, अफीम के बीज,
बोता है जानवर, काटता है आदमी।

महलों में बैठे, सांस्कृतिक विरासतों को,
तोड़ता हैं जानवर, नाचता हैं आदमी।

हथियार लिए हाथों में, भाईचारे की बात,
बोलता है जानवर, भड़कता है आदमी।

रोटी की योजना बनाने को महलों में,
सोता है जानवर, जागता है आदमी।

वाणी

वाणी सीमित हो ,संयमित हो,
युक्ति संगत और सार्थक हो,
लोकप्रिय और सत्य हो ,
वाणी सहज मधुर प्रेमयुक्त हो !

वाणी अभिनंदन हो सम्मान हो,
संकल्पों का प्रमाण हो,
संबंधों का परिपोषण हो,
सर्वोदय संभाषण हो !

वाणी शब्दों का संयोजन हो,
परिवेदित आभूषण हो ,
परियोजना हो, पारितोष हो,
वाणी औषधि हो पाथेय हो !

वाणी शासित हों,ना सियासत हो,
ना चिंगारी ,आग ,बगावत हो,
वाणी समय का मूल्य हो,
हर समय के अनुकूल हो !

वाणी भजन हो अजान हो
वेद मुक्ति पुराण हो,
आशीष हो वचन हो,
उद्बोधन हो परित्राण हो !

वाणी सरगम हों ,तान हो
गीत, गजल और गान हो,
वाणी जीवंत हो, प्राण हो,
वाणी ब्रह्म हो ,ज्ञान हो !

वाणी वाण ना बने,
तीर कमान ना बने ,
कटुता का प्रमाण न बने,
वाणी सजग प्रहरी प्राण हो!

कुर्सी का महत्व

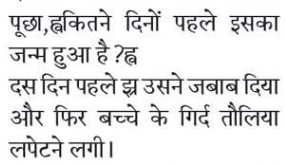

कुर्सी एक साधारणत फर्नीचर का हिस्सा है जिसपर बैठकर बड़ी आरामदायक तरीके से कामकाज किए जाते है ।कुर्सी के बिना कोई भी काम ऑफिस में नहीं होता न घर में। घरों के बैठक में कुर्सी का प्रयोग होता है आराम फरमाने के लिए डायनिंग टेबल भी बिना कुर्सी के शोभा नहीं पाती।किंतु कुर्सी का प्रशासनिक महत्व अलग होता है ।राजनीतिक महत्व में* कुर्सी सत्ता का प्रतीक *माना जाता है ।

*किस्सा कुर्सी का *आपने बहुत सुना होगा ।कुर्सी शब्द का प्रयोग व्यंग्यात्मक और राजनीतिक अर्थ में सत्ता के लिए उपयोग किया जाता है। यहाँ कुछ तरीके हैं जिनमें कुर्सी का राजनीतिक महत्व देखा जा सकता है:

जैसे - लेकिन कुर्सी का बहुत महत्व होता है ।कुर्सी अक्सर सत्ता और अधिकार का प्रतीक मानी जाती है। राजनीतिक नेता और अधिकारी अक्सर कुर्सी पर बैठकर अपनी शक्ति और प्रभाव का प्रदर्शन करते हैं।प्रभावशाली व्यक्ति के लिए कुर्सी उसकी पद प्रतिष्ठा मा न सम्मान व्यक्तित्व की गरिमा को सुनिश्चित करने के लिए किया जाता।

इतना ही नहीं कुर्सी राजनीतिक पदों की प्रतिष्ठा का प्रतीक मानी जाती है। राजनीतिक नेता और अधिकारी अक्सर अपने पदों के लिए कुर्सी का उपयोग करते हैं। बिना कुर्सी के किसी ऑफिस की कल्पना नहीं हो सकती। कुर्सी सभ्य समाज का प्रतीक है शिष्टाचार का प्रतीक है। आवभगत में भी कुर्सी आधुनिकता

का प्रतीक माना जाता है कुर्सी आपके ऊंचे विचार और व्यवहार को निर्देशित करता है। कुर्सी ने आधुनिक समय में अपनी बहुत ऊंची प्रतिष्ठा कायम की है अब यह सता का प्रतीक बन गई है।

कुर्सी सत्ता के संघर्ष की कहानी और उसकी प्रतिष्ठा मानी जाती है। राजनीतिक नेता और अधिकारी अक्सर कुर्सी के लिए संघर्ष करते हैं, जो सत्ता और अधिकार की लड़ाई का प्रतीक होता है।कुर्सी के लिए बड़े बड़े संघर्ष होते आए है । कुर्सी जनता के प्रति जवाबदेही का भी प्रतीक मानी जाती है।

राजनीतिक नेता और अधिकारी अक्सर कुर्सी पर बैठकर जनता के प्रति जवाबदेही का दायित्व निभाते हैं प्रदर्शन करते लोगो की समस्या हल करते हैं। बड़े से बड़े क्रांति का नायक वैधानिक कार्य कुर्सी पर ही बैठ कर किए जाते है कुर्सी न मिले तो कोई काम सलीके से नहीं हो सकता।

कुर्सी का राजनीतिक महत्व विभिन्न तरीकों से देखा जा सकता है, लेकिन यह सबसे अधिक सत्ता और अधिकार के प्रतीक के रूप में उपयोग किया जाता है।

स्काईस्क्रैपर की नींव

स्काईस्क्रैपर बनाने के लिए
गहरी खुदी हुई नींवों के नीचे
कितनी ही पुरानी दीवारें होतीं हैं
जो भरभरा कर गिर जातीं हैं!

मजदूरनें गारा मिट्टी ढोती रहतीं हैं
मैया छौआ दबकर मारे जाते हैं कभी
मरते रहते हैं मिट्टी में, ईंटों में, गड्ढों में
नींवें, पर पुख्ता और गहरी बनतीं हैं!

मॉल खुलते हैं उन स्काईस्क्रैपर में
बच्चों के सुरक्षित प्लेजोन भी होते हैं
बाल कल्याण विभाग से मुआवजा
मैया छौआ की माँ को दिए जाते हैं!

उसने भी मजदूरी छोड़ दी है तबसे
दूसरे मरद के साथ खिलौने बेचती है
बेंतरा में नए मैया छौआ बँधे हैं
पुराने तो स्काईस्क्रैपर की नींव हैं!

मजदूरन माँ का मुआवजा थे वो
मीडिया की सुर्खियों का एक दिन थे
बिल्डर के हजार में से एक केस थे
वे गुमनाम मैया छौआ, जो मरे थे
पर स्काईस्क्रैपर की मजबूत नींव थे!

रोज बन रहें हैं ये स्काईस्क्रैपर
रोज आते हैं दिहाड़ी मजदूर
रोज मरते गिरते बनते टूटते
संवेदनाओं से परे स्काईस्क्रैपर!!

लिपस्टिक

नहाकर जल्दी निकलो प्राची, बॉस का कॉल मीटिंग के लिए आया है, मैं ऑफिस के लिए निकल रहा हूँ।शशांक इतना बोलते हुए कपड़े बदलने लगा।

प्राची ने पूछा -शब्दांश, अभी भी सोया हुआ है, ना? ...

हाँ, लेकिन जल्दी करना। बोलते हुए शशांक बाहर निकल गया ।

प्राची को हमेशा से सजना संवरना बहुत पसंद है। वह वॉशरूम से तैयार होकर ही निकलती है इसलिए मेकअप का सामान वॉशरूम में रखती है।

उसने सोचा- ह्यअभी तो बेटा सो रहा है ,मैं मेकअप कर ही लेती हूँ।ह्व पूरी तरह से तैयार होकर जैसे हीं उसने अपना सबसे पसंदीदा शेड वाला लिपस्टिक निकाला तभी जोर से गिरने की आवाज आई। उसके हाथों से लिपस्टिक छूटकर टूट गई।... वह 9 महीने के बेटे शब्दांश को लपक कर उठाई।

मेरा लाडला कैसे गिर गया! क्या करूँ?ह्व .... जल्दी से शशांक को कॉल लगाया।

शशांक बगल के अस्पताल में जाने को बोलकर मीटिंग को आधे में छोड़ निकल पड़ा। प्राची भी शब्दांश को खून से लथपथ कपड़ों में ही लपेट अस्पताल पहुंची। डॉक्टर मेरे बेटे को देखिए , मुँह से खून बहता हीं जा रहा है। मेरे लाडले की आवाज क्यों रुक गई? नर्स बच्चे को जल्दी से अंदर ले गई। तब तक शशांक भी पहुँच गया। प्राची बताते हुए हकलाने लगी। शशांक आश्चर्य व दर्द से प्राची को देखा,ह्यमेकअप की आदत उसके ममता पर भारी पड़ गई।'

प्राची के पश्चाताप आँसू से मेकअप धुलने लगें और लिपस्टिक बिना भी उसका ममतामयी चेहरा निखरने लगा। आज उसे कोई परवाह नहीं। वह सिर्फ ममता के जीत की उम्मीद लगाए हुए है।

तुम ना जाने किस जहाँ

सघन अँधेरे में एक ज्योति-पुंज दिखा, जैसे हो टिमतिमाता एक दिया !
गजब का आकर्षण लिए, एक खिंचाँव था उसमें समाहित !

जो मेरे सुसुप्त तरुणाई को जगा गया,
भोला मेरा मन, चंचल था चित्तवन, यूँ हीं तो ना ठगा गया?
कुछ तो रहा होगा उसमे ! जो मेरे अलसाए यौवन को जगा गया '

रहने लगी मैं उसके इंतजार में,
उसकी लय में विलय होकर ठगी सी,
मेरी दीवानगी परवान चढ़ी तो वो, जग जाहिर भी हो गई '

पर उसे कहाँ सुध थी,मेरे दर्द की !
जाने किस जहाँ में खो गया वह !
या फिर अनभिज्ञ था मेरे प्रेम से !!
फिर कभी लौट कर नहीं आया !
फिर कभी लौट कर नहीं आया !!

यह कौन

यह कौन मृदु कविता जगत में गढ़ता जाता
प्रस्फुटित स्वर स्वरुप नित्य प्रकृति सजाता
सारे जगत का जादूयी निर्दीष्ट स्वरूप बदल दे
नया वर्ष आया समक्ष कर स्वप्न साकार कर दे

गत वर्ष इसी दिन था जो रूप अब अधिरूप काया
नए रूप निज बदल गई लिए नई मोह माया
जो पौधे रोपे गत उसमें सुगंधित पुष्प उग गए
अबोध कोमल कन्या के हैं विधि तनय खिल गए

कुछ टहनियाँ जो मढ़ी ढकी थीं लिए पुष्प मंजर
क्षिण गये हरे पत्ते बदला सुकँध एक शुष्क डंठल
तालाब तैरती मछलीयां सुप्त कींच निर्जीव छुप गयीं
फैला मनोहर कमल ढक कर शीतल जल सरोवर

मेला हैं हम कणों के अनुरंजित प्रीति प्रमुदित
भूखे प्रेम के भ्रम विचरते हैं कहाँ सुखि आनंदित
क्या आज संगीत कविता के रूप साज बदल दें
गर्भ से उदित तान तरंग हृदय के मृदंग लिख दें

बँटे हुए लोग

देखा है अस्पतालों के बाहर,
कई तरह के लबादों को टँगे हुए..
जात-पात के लबादे,
धर्म के लबादे,
अमीरी-गरीबी के लबादे,
पर अस्पतालों के भीतर
कहीं भी ये लबादे न मिले...

अस्पतालों के अंदर बस
संवेदनाएँ मिलीं,
दुख-दर्द मिले,
आँसू मिले और कभी खुशी भी,
पर इन सबकी कोई जात न थी...

मरीज मिले, दवाएं मिली,
और पर्चियाँ मिलीं,
पर पर्चियों पर कोई जात न लिखी थी,
दवाएँ भी धर्म से परे थीं,
डॉक्टरों ने भी मर्ज पूछा, दवाएँ दीं,
जात न पूछी...

इलाज भी सबका एक सा था,
सबकी पीड़ा एक थी,
ठीक होने की खुशी एक सी थी,
अस्पतालों में जो लोग मिले
वो बस इंसान थे,
सब एक जैसे इंसान...

अस्पतालों नें जोड़ दिया था
बँटे हुए लोगों को,
कुछ देर के लिए ...

मैं नदी हूँ

अक्षरों के सृजन-पथ पर ,भावनाओं की कहानी,
गीत हूँ मैं स्वप्नदर्शी ,छलकती आँखों का पानी ।
तुम मेरी संवेदना की एक अनलिखी गजल हो,
अश्रु-बूंदों में समर्पित ,प्रार्थना मन की सजल हो।
मनोनभ में बादलों सी ,उमड़ती है पीर जग की,
नेह -मुक्ता कण संजोयें ,बरसती है प्रीत मन की,।
क्या करूँ जब,रागिनी बन , दीपिका सी झिलमिलाती ,
नेह की कोई कहानी ,गीतिका सी गुनगुनाती ।
मैं नदी हूँ -राहअपनी जानतीहूँ
तुम मेरा साहिल,तुम्हे पहचानती हूँ ।
बह रही हूँ धार बनकर ,दूर है मन का किनारा ,
दीप आँचल में जलाये ,सौंपती सर्वस्व सारा ।
मैं नदी हूँ ।

रूप प्रेम का

रूप स्वरूप प्रेम का ऐसा , चढ़ता रंग भरपूर जब ,
बाहुपाश में बाँधे ऐसे,ऐसा तेरा सुरूर है।

इसका नहीं मोल है कोई,बिकता नहीं बाजार है।
दिवस नहीं निर्धारित होता,पाक हृदय आधार है।

इंसा हो या बेजुबान पर,चढ़ता रंग बेबाक है।
नहीं देखता जात पात यह,प्रेम तो एक जज्बात है।

मीरा दिवानी हुई प्रभु की,राज पाट तज प्रेम किया,
रेशम डोर रिश्ता अनोखा ,प्रेम जन्म का होता है।

वेलेण्टाइन विदेशी जो,क्षणिक प्रेम सुख देता है।
प्यार का रिश्ता निश्छल बहे,जो सबरी सा होता है।

रुधिर में बहे देश प्रेम जब,मिट्टी चंदन लगता है।
मोल नहीं उस प्रेम धार का,क्षीर ओट जो बहता है।

नरेश अग्रवाल

सैमसंग इंडिया ने लॉन्च किया गैलेक्सी ए06 5जी

किफायती कीमत पर सुपरफास्ट कनेक्टिविटी और दमदार परफॉरमेंस के साथ 'काम का 5जी' गैलेक्सी ने ए06 5जी 12 5जी बैंड सपोर्ट के साथ सहज और दमदार 5जी अनुभव की पेशकश की सैमसंग इंडिया ने वॉयस फोकस जैसा नया फीचर पेश किया है और यह 4 जनरेशन ओएस अपग्रेड के साथ लंबे समय तक विश्वसनीयता प्रदान करता है

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज गैलेक्सी ए06 5जी लॉन्च करने की घोषणा की है। यह स्मार्टफोन किफायती कीमत पर शानदार 5जी अनुभव लेकर आया है। सबसे किफायती बजट गैलेक्सी ए सीरीज़ 5जी स्मार्टफोन के रूप में, गैलेक्सी ए06 5जी को अपने विश्वसनीय प्रदर्शन और लंबी उम्र के साथ उपभोक्ताओं को अधिकतम वैल्यू देने के लिए डिजाइन किया गया है।

आज से, गैलेक्सी ए06 5जी भारत के सभी रिटेल आउटलेट्स, सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स, और अन्य ऑफलाइन चैनलों पर कई स्टोरेज वैरिएंट में उपलब्ध होगा। 4जीबी रैम और 64जीबी स्टोरेज वाले वैरिएंट की शुरुआती कीमत मात्र 10499 रुपये है। गैलेक्सी ए06 5जी तीन आकर्षक रंगों - ब्लैक, ग्रे और लाइट ग्रीन में उपलब्ध है। एक विशेष लॉन्च ऑफर के रूप में, ग्राहक केवल 129 रुपये में सैमसंग केयर+ पैकेज के साथ एक साल की स्क्रीन प्रोटेक्शन योजना का लाभ उठा सकते हैं, जो अतिरिक्त सुरक्षा और मानसिक सुकून प्रदान करता है।

सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के जनरल मैनेजर अक्षय एस राव ने कहा, गैलेक्सी ए06 5जी के

लॉन्च के साथ, हम बेहतरीन 5जी अनुभव के लिए सेगमेंट में अग्रणी 12 5जी बैंड ला रहे हैं। शानदार कनेक्टिविटी, दमदार परफॉरमेंस और सेगमेंट में अग्रणी इनोवेशन प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई यह डिवाइस अत्याधुनिक तकनीक को सभी तक पहुंचाने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

शानदार प्रदर्शन

गैलेक्सी ए06 5जी सभी नेटवर्क से कॉम्पैटिबल है, यह 12 5जी बैंड का समर्थन करता है और सभी दूरसंचार ऑपरेटर्स में बेहतर नेटवर्क कनेक्टिविटी और तेज स्पीड के लिए कॅरियर एग्रीगेशन की सुविधा देता है। एमटीके डी6300 प्रोसेसर द्वारा संचालित, गैलेक्सी ए06 5जी शक्तिशाली परफॉर्मेंस सुनिश्चित करता है और मल्टीटास्किंग, गेमिंग और स्ट्रीमिंग को आसान बनाता है।

शानदार विश्वसनीयता

गैलेक्सी ए06 5जी एंड्रॉयड 15 और सैमसंग के वन आइ 7 के साथ उपलब्ध होगा, जिससे यूजर्स को नवीनतम सॉफ्टवेयर अनुभव मिलेगा। सैमसंग गैलेक्सी ए06 5जी के साथ विश्वसनीयता को फिर से परिभाषित कर रहा है, जो ओएस अपग्रेड की 4 जनरेशन और 4 साल के सुरक्षा अपडेट की पेशकश करता है। यह एक ऐसी प्रतिबद्धता है, जो इसे इस सेगमेंट में अलग बनाती है। ये उद्योग-अग्रणी अपग्रेड और अपडेट डिवाइस को हमेशा अपडेट रखने और यूजर्स के लिए लंबे समय तक सहज उपयोग अनुभव सुनिश्चित करने के लिए तैयार हैं।

हर्बलाइफ इंडिया की नई पारी

यशस्वी जेसवाल बने ब्रांड पार्टनर!

बेंगलुरु, नई दिल्ली , एजेंसी। हेल्थ और वेलनेस के क्षेत्र में प्रीमियर कंपनी हर्बलाइफ इंडिया ने भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे यशस्वी जैस्वालके साथ साझेदारी की घोषणा की है। यह सहयोग भारत में स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने की हर्बलाइफ इंडिया की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हर्बलाइफ लंबे समय से शीर्ष खिलाड़ियों की मदद करती आ रही है, उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए आवश्यक पोषण संबंधी साधन उपलब्ध कराती है।

जैस्वालके साथ यह साझेदारी खेलों के जरिए स्वास्थ्य और सामुदायिक जुड़ाव को मजबूत करने के कंपनी के विश्वास को दर्शाती है। उत्तर प्रदेश के एक छोटे-से कस्बे से निकलकर भारतीय राष्ट्रीय टीम तक का सफर तय करने वाले जैस्वालकी कहानी उनके संघर्ष, मेहनत और लगन की मिसाल है। उन्होंने मात्र दस साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया था और कई कठिनाइयों का सामना करते हुए आज लाखों युवा क्रिकेट प्रेमियों के लिए प्रेरणा बन गए हैं। यह साझेदारी खेलों को स्वास्थ्य और सकारात्मक बदलाव का माध्यम बनाने की उनकी साझा सोच को भी दर्शाती है। हर्बलाइफ इंडिया के मैनेजिंगडायरेक्टर अजय खन्ना ने इस अवसर पर कहा, हम यशस्वी जैस्वालके साथ साझेदारी कर उत्साहित हैं। वे कड़ी मेहनत और उत्कृष्टता का प्रतीक हैं, और उनका सफर उसी जज़्बे को दर्शाता है जिसे हम हर्बलाइफ में महत्व देते हैं।

बाणगंगा पेपर मिल्स ने नवीकरणीय ऊर्जा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया

नाशिक, एजेंसी। बाणगंगा पेपर इंडस्ट्रीज लिमिटेड (पूर्व में इनर्शिया स्टील लिमिटेड के नाम से जाना जाता था), उच्च गुणवत्ता वाले क्राफ्ट पेपर के प्रमुख निर्माता और आपूर्तिकर्ता, ने स्थायी ऊर्जा अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, बाणगंगा पेपर मिल्स लिमिटेड, ने लिविंट ग्रीन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के साथ एक पावर पर्चेज एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत वे कैप्टिव पावर जनरेशन मॉडल के तहत सौर ऊर्जा खरीदेंगे। इस समझौते के अनुसार, लिविंट ग्रीन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, अहमदनगर जिले के करजत गांव में 2.5 मेगावाट डीसी ग्राउंड-माउंटेड सौर ऊर्जा संयंत्र विकसित, स्वामित्व और संचालन करेगा। यह सौर संयंत्र बाणगंगा पेपर मिल्स के नाशिक स्थित निर्माण संयंत्र को स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करेगा, जिससे एक विश्वसनीय और लागत-कुशल नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत सुनिश्चित होगा। बाणगंगा पेपर मिल्स लिमिटेड कैप्टिव पावर जनरेशन नियमों का पालन करने के लिए पावर-उत्पादक इकाई में 26 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी रखेगा, जबकि शेष 74 प्रतिशत हिस्सेदारी

ओटीटी ने क्राइम-थ्रिलर 'पति पत्नी और पड़ोसन' रिलीज की

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे शानदार डिजिटल एंटरटेनमेंट प्लेटफ़ॉर्म में शुमार हंगामा ओटीटी ने 20 फरवरी, 2025 को अपनी ओरिजनल सस्पेंस क्राइम-थ्रिलर 'पति पत्नी और पड़ोसन' रिलीज की। सिर्फ हंगामा ओटीटी पर रिलीज की जाने वाली यह सीरीज़ रहस्य से भरपूर, अपराध से जुड़ी ऐसी मनोवैज्ञानिक कहानी को पेश करती है, जिसमें ऐसे चौंकाने वाले और अप्रत्याशित मोड़ हैं जो दर्शकों को अंत तक अनुमान लगाने पर मजबूर कर देते हैं। राज शेट्टी निर्देशित इस सीरीज में युक्ति कपूर, मोहित जोशी और चारू मेहरा अहम भूमिकाओं में हैं। 'पति पत्नी और पड़ोसन' की कहानी एक छोटे कस्बे की कहानी है। प्रतिभा (युक्ति कपूर) एक उत्साहित मध्यमवर्गीय गृहिणी है और उसकी जिंदगी में तब खतरनाक मोड़ आता है जब उसका अपनी नई और रहस्यमयी पड़ोसन सागरिका (चारू मेहरा) से लगाव हो जाता है और ऐसा लगता है कि चारू किसी से बचकर भाग रही है। जब प्रतिभा को सागरिका के काले अतीत के बारे में पता चलता है तो वह अपने पति (मुदित जोशी) को उसका शिकार बनने से बचाना चाहती है। यह सस्पेंस से भरी कहानी छह एपिसोड में बुनी गई है।

श्रद्धा के डेमि फाइन ज्वेलरी ब्रांड पल्मोनस को शार्क टैंक इंडिया 4 में मिलेगी डील

मुंबई, एजेंसी। फाइन ज्वेलरी की दुनिया में एक नया नाम तेजी से अपनी पहचान बना रहा है और वह है- पल्मोनस। इसे पल्लवी मोहादिकर और डॉ. अमोल पटवारी ने 2022 में शुरू किया था, और इसका मकसद है भारत की ज्वेलरी इंडस्ट्री को नए अंदाज में पेश करना। ब्रांड का लक्ष्य खूबसूरत, बेहतरीन क्वॉलिटी वाली ज्वेलरी तैयार करना है, जो न सिर्फ आकर्षक और टिकाऊ हो, बल्कि किफायती भी हो। लॉन्च के कुछ ही समय बाद, अभिनेत्री श्रद्धा कपूर इससे इतनी प्रभावित हुई कि वह को-फाउंडर के तौर पर ब्रांड से जुड़ गईं। अ पल्मोनस की शुरुआती ग्राहकों में से एक थीं। शार्क टैंक इंडिया 4 के मंच पर कदम रखते ही पल्लवी और डॉ. अमोल आत्मविश्वास और जुनून से भरे नजर आए। पल्लवी ने कहा, शार्क टैंक इंडिया 4 पर आना एक यादगार अनुभव रहा। हम अपनी अनोखी ज्वेलरी को प्रस्तुत करने और शार्क्स के साथ अपना विजन साझा करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। हमें विश्वास है कि हमारे डिज़ाइन्स उद्योग में बदलाव लाने की क्षमता रखते हैं और एक स्थायी प्रभाव छोड़ेंगे। शार्क्स ब्रांड के विज़न और संस्थापकों के आत्मविश्वास से प्रभावित हुए, लेकिन उन्होंने कठिन सवाल पूछने से परहेज नहीं किया।

हुमा कुरैशी समर्थित 'मॉडरेट' को शार्क टैंक इंडिया 4 में मिली 1 करोड़ रुपये की डील

मुंबई, एजेंसी। हैदराबाद के हेल्थ ब्रैंड 'मॉडरेट' ने शार्क टैंक इंडिया 4 में अपना जलवा दिखाया है! इस कंपनी ने शार्क्स अमन गुप्ता और कुणाल बहल से 5 प्रतिशत इक्विटी के बदले 1 करोड़ रूपये की डील हासिल की है। ब्रैंड की यात्रा में यह एक बड़ी उपलब्धि है। मॉडरेट का प्रमुख उत्पाद कैलोरी क्रशर टैबलेट्स भोजन से कैलोरी और कार्बोहाइड्रेट के अवशोषण को कम करता है। उन लोगों के लिये यह बहुत बढ़िया है, जो खाने-पीने के शौकीन हैं, लेकिन अपनी तंदुरुस्ती पर भी नजर रखना चाहते हैं!

यह ब्रैंड पहले से सुर्खियों में रहा है, क्योंकि बॉलीवुड स्टार हुमा कुरैशी इसे निवेशक और चीफ प्रोडक्ट एवैंजेलिस्ट के तौर पर सपोर्ट करती हैं। शार्क टैंक इंडिया 4 में हुई डील पर अपनी खुशी का इजहार करते हुए हुमा ने कहा, "मॉडरेट मेरी रोजाना की जिन्दगी में शामिल है, चाहे मैं सेट

पर रहूं या फिर कहीं और बिजी हूं। मुझे सचमुच गर्व हो रहा है कि हमारे ब्रैंड मॉडरेट की शार्क टैंक इंडिया में डील हुई है। यह असली जीत है। यह ब्रैंड मेरे समेत कई लोगों के लिये अहम है। मॉडरेट का शार्क्स के साथ ताल-मेल देखकर और भारत में चल रही स्टार्टअप की लहर का हिस्सा बनकर मैं उत्साहित हूँ!"

एवीपी इन्फ्राकॉन को तमिलनाडु में 87 करोड़ के इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना के लिए एलओए प्राप्त हुआ

चेन्नई एजेंसी। एवीपी इंफ्राकॉन लिमिटेड जो भारत की प्रमुख अवसंरचना विकास कंपनियों में से एक है, को सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर हाईवे कंस्ट्रक्शन एंड मेंटेनेंस, तिरुवन्नामलाई सर्कल से तमिलनाडु में थिरुकोइलुर-असानूर सड़क के चौड़ीकरण और मजबूती के लिए स्वीकृति पत्र याने कि लेटर ऑफ एक्सेप्टेंस प्राप्त हुआ है। यह परियोजना, जिसकी अनुमानित मूल्य लगभग 86.54 करोड़ है, दो लेन की सड़क को चार लेन में चौड़ा करने और प्रमुख अवसंरचनात्मक सुधारों को शामिल करने से संबंधित है। इसमें जंक्शन अपग्रेड, कलवर्ट्स का चौड़ीकरण और पुनर्निर्माण, छोटे पुलों का निर्माण, सेंट्रल मीडियन, जल निकासी रिटेनिंग दीवारें, और पेवर ब्लॉक्स का विकास शामिल है। यह आदेश क्षेत्र में परिवहन नेटवर्क को बेहतर बनाने के एक व्यापक प्रयास का हिस्सा है और इसे 18 महीनों के भीतर पूरा किया जाना है। एवीपी इंफ्राकॉन इस परिवर्तनकारी परियोजना का हिस्सा बनकर गर्व महसूस करता है, जिससे भारत के अवसंरचना विकास में इसकी प्रमुख भूमिका और राष्ट्र की सतत प्रगति और विकास में इसका योगदान सुदृढ़ होता है।

सोच लेस एंजॉय मोर विद केएफसी की बोनलेस रेंज!

मुंबई, एजेंसी। टेस्ट द एपिक की करें तैयारी क्योंकि केएफसी की बोनलेस रेंज आपके लिए लेकर आ रही है, बेजोड़ क्रंच के साथ बेमिसाल और लाजवाब जायका। यह इतना आसान है कि सोच लेस एंड एंजॉय केएफसी बोनलेस। ईज़ी और कन्वीनिएंट ऑन-द-गो स्नैक के लिए केएफसी की क्रिस्पी, फिंगर लिकिंग गुड बोनलेस रेंज आपकी हर क्रेविंग को करेगी पूरा। केवल 99 रुपये से शुरू इस रेंज में चिकनलवर्स को मिलेंगे केएफसी के बेस्टसेलिंग मेन्यू से दो स्वादिष्ट बोनलेस विकल्प। बोनलेस चिकन स्ट्रिप्स के बोल्ड जायके का मजा लें। यह क्रिस्पी, टेंडर और स्वादिष्ट मसालों में लिपटा एक शानदार स्नैक है। इस चिकन स्ट्रिप को अपने पसंदीदा सॉस में डिप करके खाएं और पाएं स्वाद का लाजवाब जायका। यह दो सॉसी डिप विकल्पों - देसी लेवर के लिए तंदूरी और स्पाईसी एवं टैंगी लेवर के लिए नैशविले के साथ खाया जा सकता है। चिकनलवर्स की बाईट-साईज़ खाने की क्रेविंग को पूरा करने के लिए ये लज़ीज़ चिकन पॉपकॉर्न परफेक्ट हैं। ये बाहर से क्रिस्पी और अंदर से जूसी हैं, जो हर बाईट में केएफसी का सिग्नेचर एपिक लेवर प्रदान करते हैं।

उद्यमेन हि सिद्ध्यन्ति संघर्ष, संकल्प और सफलता

इंदौर मैनेजमेंट एसोसिएशन प्रस्तुत करता है 32वां अंतरराष्ट्रीय मैनेजमेंट कॉन्क्लेव

इंदौर एजेंसी। इंदौर मैनेजमेंट एसोसिएशन, जो प्रबंधन और नेतृत्व विकास के क्षेत्र में उत्कृष्टता का प्रतीक है, आगामी 21-22 फरवरी 2025 को अपने 32 वें अंतरराष्ट्रीय मैनेजमेंट कॉन्क्लेव का आयोजन कर रहा है। यह प्रतिष्ठित आयोजन मध्य भारत का सबसे बड़ा कॉरपोरेट सम्मेलन माना जाता है, जिसमें 3000 से अधिक प्रख्यात उद्योगपति, उद्यमी, अर्थशाखी, नीति निर्माता, स्टार्टअप संस्थापक और शिक्षाविद् भाग लेंगे। इस वर्ष के कॉन्क्लेव की थीम है उद्यमेन हि सिद्धयन्ति (संघर्ष, संकल्प और सफलता)। इस विषय के अंतर्गत व्यवसायिक परिदृश्य में बदलाव, वित्तीय क्षेत्र के नए आयाम, नेतृत्व के आधुनिक दृष्टिकोण और भारत की वैश्चिक आकांक्षाओं पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा। प्रतिभागियों को नवीनतम प्रबंधन विचारों, सफलता के सूत्रों और नेटवर्किंग के सुनहरे अवसरों से लाभ उठाने का अवसर मिलेगा।

प्रभावशाली वक्ताओं से सीखने का अवसर

आइएमए कॉन्क्लेव की पहचान देश-विदेश के प्रसिद्ध वक्ताओं की उपस्थिति से होती है। ये दिग्गज अपने अनुभव, सफलता की रणनीतियाँ और नेट के प्रभावी उपाय साझा करेंगे, जिससे प्रतिभागियों को अपने व्यवसाय और करियर को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की प्रेरणा मिलेगी। प्रमुख वक्ताओं में शामिल हैं श्री नादिर बुरोरजी गोदरेज (समूह अध्यक्ष, गोदरेज इंडस्ट्रीज), श्री राकेश बियाणी (सह-मालिक, स्टाइल यूनियन, नेक्सन ओम्नीवर्क्स लिमिटेड), श्री निलेश शाह (प्रबंध निदेशक, कोटक म्यूचुअल फंड), श्री राजेश डोगरा (मुख्य प्रातक अनुभव अधिकारी, एयर इंडिया), डॉ. शामिका रवि (सदस्य, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषत), श्री कडम्बेलिल पॉल चॉमस (प्रबंध निदेशक, श्वड्डस्र स्मॉल फाइनेंस बैंक), डॉ. सी पलानी वेल्लू (अध्यक्ष और प्रमुख सर्जन, त्रश्वरूअस्पताल), पूज्य ज्ञानवत्सल स्वामी (जीवन कोच और प्रमुख वक्ता, स्वामीनारायण संस्था), श्री विकास लोहिया (निदेशक, ज्यूपिटर वैगन्स लिमिटेड) श्री अरविंद रतन (जेमोलॉजिस्ट और ज्योतिषी), बरखा यस (समाचार एंकर और पत्रकार), श्री करण सिंह (भारतीय जादूगर और माइंड रीडर), श्रीकांत अय्यर (सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, होगलेन), सुश्री विधि पोड़गांवकर (लेखिका और फिल्म निर्माता), महेश योगी जी (योग के आध्यात्मिक और प्रेरक गुरु)

इकोसिस्टम को लेकर खुदरा विक्रेताओं को सशक्त किया

नई दिल्ली। सालाना दो अरब से अधिक कनेक्टेड डिवाइस को ताकत प्रदान कर रही वैश्विक फैबलेस सेमीकंडक्टर कंपनी मीडियाटेक ने 2025 के लिए अपने वार्षिक रिटेलर एजुकेशन प्रोग्राम को सफलतापूर्वक शुरू करने और उसके समापन की घोषणा की है। दिल्ली/एनसीआर, गुवाहाटी और इंदौर जैसे प्रमुख शहरों पर केंद्रित इस अभियान का लक्ष्य मीडियाटेक डायमेन्सिटी 5जी सीरीज़ से शक्ति प्राप्त प्रीमियम एवं अग्रणी टेक्नोलॉजीज़ के बारे में खुदरा विक्रेताओं के बीच जागरूकता बढ़ाना और उन्हें शिक्षित करना था। मीडियाटेक इंडिया के निदेशक अनुज सिद्धार्थ ने कहा, पिछले दो वर्षों में स्टोर्स में संवाद के माध्यम से यह रिटेलर एजुकेशन प्रोग्राम कई खुदरा विक्रेताओं तक पहुंचा है।

बजाज एलियांज लाइफ ने बीमा क्षेत्र में

पहली बार 30 साल के विलंबन विकल्प के साथ गारंटीड पेंशन गोल 2 किया पेश

पुणे , एजेंसी। भारत की अग्रणी निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक बजाज एलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने आज बजाज एलियांज लाइफ गारंटीड पेंशन गोल 2 के लॉन्च की घोषणा की, जो एक गैर-लिंक्ड, गैर-भागीदारी वाली तत्काल और विलंबित वार्षिकी योजना है। इसे ग्राहकों को उनकी सेवानिवृत्ति योजना पर नियंत्रण रखने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। उद्योग जगत में पहली बार 30 साल तक के विलंबन की सुविधा के साथ, यह अभिनव पेंशन योजना 35 साल की उम्र से ही व्यक्तियों को अपने वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने में सक्षम बनाती है, जो प्रारंभिक सेवानिवृत्ति योजना के लिए बेजोड़ लचीलापन प्रदान करती है। बजाज एलियांज लाइफ द्वारा हाल ही में किए गए अध्ययन से पता चला है कि 77 प्रतिशत भारतीय सुरक्षित और तनाव-मुक्त सेवानिवृत्ति के लिए जीवन बीमा को अपना पसंदीदा वित्तीय साधन मानते हैं, जो संरचित सेवानिवृत्ति योजना की ओर बढ़ते बदलाव को दर्शाता है। सर्वेक्षण से यह भी संकेत मिलता है कि युवा पेशेवरों में समय से पहले रिटायरमेंट प्लानिंग के बारे में जागरूकता बढ़ रही है, क्योंकि वे अपने बाद के वर्षों में वित्तीय सुरक्षा और स्वतंत्रता चाहते हैं। बजाज आलियांज लाइफ गारंटीड पेंशन गोल 2 को इन उभरती हुई ग्राहक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो उद्योग में पहली बार 30 साल की मोहलत अवधि प्रदान करता है। यह व्यक्ति को वित्तीय लचीलापन बनाए रखते हुए जल्दी से अपना रिटायरमेंट कोष बनाना शुरू करने का अधिकार देता है। यह रणनीतिक पेशकश सुनिश्चित करती है कि ग्राहकों का अपनी रिटायरमेंट यात्रा पर नियंत्रण हो, जिससे वे आत्मविश्वास, स्थिरता और मन की शांति के साथ रिटायर हो सकें। लॉन्च के अवसर पर बोलते हुए, बजाज आलियांज लाइफ के एमडी और सीईओ श्री तरुण चुघ ने कहा, स्वास्थ्य सेवा में सुधार के साथ, भारत में जीवन प्रत्याशा बढ़ रही है।

BAJAJ Allianz
LIFE GOALS. DONE.

विक्रांत मैसी के बैकफ्लिप के साथ कैंपस एक्टिववियर ने लॉन्च किया 'मूव यॉर वे' कैंपेन का दूसरा चरण

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत के अग्रणी स्पोर्ट्स एवं एथलेज़र फुटवियर ब्राण्ड्स में से एक कैंपस एक्टिववियर लिमिटेड ने आज जाने-माने भारतीय अभिनेता विक्रांत मैसी के साथ ब्राण्ड के कैंपेन 'मूव यॉर वे' के दूसरे चरण की शुरूआत की है। कैंपेन की पहली फिल्म की शानदार सफलता के बाद यह दूसरी फिल्म आत्मविश्वास के साथ अपने व्यक्तिगत अंदाज़ को अपनाने का संदेश देती है।

यह फिल्म फैशन विकल्पों के माध्यम से दर्शकों को अपने जुनून और अनूठी यात्रा को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है। यह भावनाओं की अभिव्यक्ति को प्रेरित कर दर्शकों को याद दिलाती है कि जब हम प्रमाणिकता के साथ जीवन में आगे बढ़ते हैं, जो यह हमें पुरस्कृत करने का तरीका खोज ही लेता है। फिल्म की शुरूआत ऐसे दृश्य के साथ होती है जिसमें विक्रांत मैसी आत्मविश्वास के साथ एक महत्वपूर्ण मीटिंग में हैं। मीटिंग के दौरान उनकी मुलाकात दो निवेशकों से होती है, जो उनके सामने आकर्षक प्रस्ताव रखते हैं, वहीं विक्रांत अपने विचारों में खोए, कमरे में चहलकदमी नज़र आते हैं। निवेशक निडर होकर अपने प्रस्ताव रखते हैं, इक्विटी, अपनी खुद की स्पोर्ट्स कार, पेंटहाउस और यहां तक कि क्रिप्टोकरेन्सी जैसे आकर्षक प्रस्ताव पेश करते हैं। भावनाओं की अभिव्यक्ति का शक्तिशाली प्रदर्शन करते हुए विक्रान्त सहजता और आत्मविश्वास को दर्शाते हैं।

क्रॉम्पटन ने लॉन्च किया टेकविदहार्ट

मुंबई, एजेंसी। क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, जो उपभोक्ता इलेक्ट्रिकल उत्पादों की जानी-मानी कंपनी है, लगातार नए आविष्कार कर रही है। ये नए प्रोडक्ट्स बिजली की बचत करने वाले, बेहतर काम करने वाले और पर्यावरण के अनुकूल हैं, जिससे ग्राहकों को बेहतरीन अनुभव मिलता है। आज कंपनी ने टेकविदहार्ट लॉन्च किया, जो दिखाता है कि वे ग्राहकों की ज़रूरतों को ध्यान में रखकर भारत में ही प्रोडक्ट्स बना रहे हैं। टेकविदहार्ट क्रॉम्पटन के उस मिशन को दिखाता है, जिसमें उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट, भरोसेमंद और बेहतर काम करने वाले समाधान बनाए जाते हैं। इसमें तेज हवा देने वाले पंखे और बिजली बचाने वाले पंप शामिल हैं, जो लगातार और भरोसेमंद पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं। हर प्रोडक्ट को ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। कंपनी की नेतृत्व टीम ने टेकविदहार्ट को लॉन्च किया। टेकविदहार्ट क्रॉम्पटन ऐसी तकनीक प्रदान करता है

जो वास्तव में मायने रखते हैं - भारत में आराम, सुविधा और ऊर्जा कुशल घरों को बेहतर बनाती है। ग्राहकों को ध्यान में रखकर किये जाने वाले इनोवेशन- क्रॉम्पटन के टेकविदहार्ट इनोवेशन उपभोक्ता की जरूरतों और प्राथमिकताओं की गहरी समझ पर आधारित हैं, जिनमें से प्रत्येक समाधान उनके जीवन को सरल, स्मार्ट और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए तैयार किया गया है। क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ प्रोमीत घोष ने कहा, क्रॉम्पटन में हम ग्राहकों को ध्यान में रखकर नए-नए आविष्कार करके बिजली के सामान का भविष्य बना रहे हैं। हम लगातार ऐसे आधुनिक समाधान ला रहे हैं जिनमें टेक्नोलॉजी और परफॉर्मेंस का सही मेल है, और जो बदलते समय के साथ ग्राहकों की ज़रूरतों को पूरा करते हैं। अगली पीढ़ी की तकनीकों और स्थायी इनोवेशन पर मजबूत ध्यान देने के साथ, ब्रांड अपने नवीनतम उत्पादों के माध्यम से इलेक्ट्रिकल कंज्यूमर ड्यूरेबल्स उद्योग के भविष्य को आकार दे रहा है।

आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी ने एआई-संचालित समाधानों पर वैश्विक संवाद का नेतृत्व किया

जयपुर एजेंसी। आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी, जयपुर ने 14-15 फरवरी, 2025 को वैश्विक स्वास्थ्य प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में वैश्विक स्वास्थ्य के प्रबंधन के लिए परिवर्तनकारी समाधानों पर ध्यान केंद्रित किया गया और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को विचारोत्तेजक चर्चाओं में शामिल होने के लिए एक ही मंच पर एकत्र किया गया। सम्मेलन में भविष्य के लिए तैयारियों को बढ़ाने, कोविड-19 जैसी उभरती चुनौतियों और एचएमपीवी वायरस जैसे उभरते खतरों के बीच स्वास्थ्य प्रबंधन में लचीलापन और नवाचार सुनिश्चित करने के लिए एआई-संचालित समाधानों के उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में गणमान्य अतिथियों और प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट डॉ. पी.आर. सोढानी ने कहा, हमारे देश में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र सबसे तेजी से विकसित होने वाले क्षेत्रों में से एक है, जो नवाचार, रोजगार और आर्थिक वृद्धि के अपार अवसर प्रदान करता है। कोविड-19 के बाद के दौर ने प्रौद्योगिकी-संचालित स्वास्थ्य समाधानों को तेज़ी से अपनाने के लिए प्रेरित किया है, जिससे डिजिटल परिवर्तन आज एक आवश्यक प्राथमिकता है। डॉ. सुबोध अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार ने मुख्य भाषण देते हुए एंथ्रोपोसीन युग की चर्चा की-एक ऐसा समय जब मानवीय गतिविधियाँ प्राकृतिक ताकतों से अधिक हमारे ग्रह को आकार दे रही हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध का ठीकरा यूक्रेन पर फोड़कर अपनी बदली रणनीति का संकेत दिया?

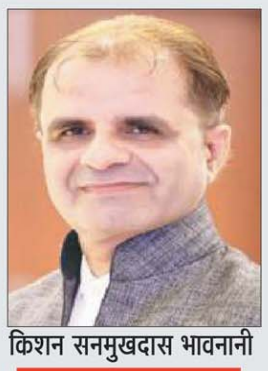

किशन सनमुखदास भावनानी

साथियों बात अगर हम रूस यूक्रेन युद्ध में ट्रंप के बदले रुख कि करें तो, यूक्रेन और रूस के बीच जारी जंग को लेकर अमेरिका का रुख डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से बदला हुआ लग रहा है। उन्होंने पिछले दिनों यह कहकर यूक्रेन समेत सभी को चौंका दिया था कि जंग के लिए कीव जिम्मेदार है। अब तक जो बाइडेन सरकार यूक्रेन का समर्थन कर रही थी और रूस को ही इस जंग की वजह बता रही थी। ऐसे में अब युद्ध का ठीकरा यूक्रेन पर फोड़कर डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी बदली नीति का संकेत दिया है।

वैश्विक स्तरपर सर्वविदित है कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के कैंपेन में उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने हर चुनावी सभा में अनेकों वादे किए थे, जो चुनने के बाद क्रमवार,एक प्रक्रिया के तहत पूरे करते जा रहे हैं। पहले टैरिफ बढ़ाना, अवैध अप्रवासियों को निकालना अमेरिकी फर्स्ट संकल्प को आगे बढ़ाने के साथ अब रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने पर फोकस किया जा रहा है। परंतु यह किसी को उम्मीद नहीं थी कि इस पीस प्रक्रिया में यूक्रेन को ही बाहर कर दिया जाएगा? क्योंकि अभी हाल ही में यूक्रेन अमेरिका सहित कुछ अधिकारियों की सऊदीअरब के रियाद में संपन्न हुई जिसमें तीन मुद्दों पर आपसी सहमति बनी (1) यूक्रेन मुद्दे पर शांति समझौते के लिए दोनों देश टीम बनाएंगे।ये टीमें लगातार बातचीत करेंगीं। (2) अमेरिका ने कहा कि बैठक का मकसद होगा युद्ध को स्थायी तौर पर खत्म करना। (3) अमेरिका ने कहा कि शांति बहाल करने की कोशिशों में किसी न किसी तरह यूक्रेन और यूरोप को भी शामिल किया जाएगा। हम ऐसा हल निकालेंगे जो युद्ध से प्रभावित हर पक्ष को स्वीकार हो। बयानों से ऐसा प्रतीत होता है कि बैठकों में यूक्रेन और यूरोप को शामिल ने कर ट्रंप एकला चलो की राह पर यूरोपीय संघ व यूक्रेन को नजर अंदाज कर रहे हैं,जो रेखांकित करने वाली बात है। रियाद बैठक के बाद अब सबकी नजरें ट्रंप-पुतिन की संभावित बैठक पर लगी हुई है?।चूँकि डोनाल्ड ट्रंप ने रूस यूक्रेन युद्ध का ठीकरा यूक्रेन पर फोड़कर अपनी रणनीति का संकेत दिया है तथा यूक्रेन में युद्ध पर यूरोपीय संघ के आपातकालीन शिखर सम्मेलन में ट्रंप की अनदेखी कर ट्रंप की शांति प्रक्रिया से यूरोप अलग- थलग पड़ा हैं? इसलिए आज हम मीडिया उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,रूस यूक्रेन पीस स्टॉक में अपने ही देश में जंग पर चर्चा से बाहर है यूक्रेन! पूरे विश्व की निगाहें ट्रंप पुतिन की संभावित बैठक पर लगी हुई है ?

साथियों बात अगर हम रूस यूक्रेन युद्ध में ट्रंप के बदले रुख कि करें तो, यूक्रेन और रूस के बीच जारी जंग को लेकर अमेरिका का रुख डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से बदला हुआ लग रहा है। उन्होंने पिछले दिनों यह कहकर यूक्रेन समेत सभी को चौंका दिया था कि जंग के लिए कीव जिम्मेदार है। अब तक जो बाइडेन सरकार यूक्रेन का समर्थन कर रही थी और रूस को ही इस जंग की वजह बता रही थी। ऐसे में अब युद्ध का ठीकरा यूक्रेन पर फोड़कर डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी बदली नीति का संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन युद्ध के लिए कीव जिम्मेदार है। यूक्रेन में युद्ध अगले सप्ताह अपने चौथे वर्ष में प्रवेश कर जाएगा। इस बीच यूक्रेन और रूस के लिए अमेरिका के विशेष दूत कीव पहुंचे हैं। वह यहां राष्ट्रपति जेलेंस्की एवं सैन्य कमांडरों के साथ बातचीत करेंगे। रूस को अलग-थलग करने की अपनी वर्षों पुरानी नीति में अमेरिका के बदलाव लाने के बीच के लॉग यूक्रेन का दौरा कर रहे हैं। सऊदी अरब में शीर्ष अमेरिकी और रूसी राजनयिकों के बीच वार्ता हुई थी। इसमें यूक्रेन और उसके यूरोपीय समर्थकों को दरकिनार कर दिया गया था। ट्रंप की टिप्पणियों से यूक्रेनी अधिकारियों को परेशानी हो सकती है,

जिन्होंने रूसी आक्रमण से लड़ने में यूरोपीय देशों से मदद करने का आग्रह किया है। रूस-यूक्रेन युद्ध 24 फरवरी 2022 को शुरू हुआ था। इस बीच, रूसी सेना द्वारा यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्रों में लगातार किए जा रहे हमले से यूक्रेनी सेना कमजोर हो रही है, जिसे धीरे-धीरे लेकिन लगातार 1,000 किलोमीटर की अग्रिम पंक्ति में कुछ मोर्चों पर पीछे धकेला जा रहा है।बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप खुद को व्लादिमीर पुतिन का मित्र बताते रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि सऊदी अरब की मध्यस्थता के साथ कोई रास्ता निकाला जा सकता है। सऊदी की अमेरिका और रूस दोनों ही देशों से करीबी है और अच्छे संबंध हैं। सऊदी अरब के रियाद में 4:30 घंटे चली बैठक में रूस-अमेरिका के विदेश मंत्रियों समेत अन्य नेता शामिल हुए थे। इस बैठक में दोनों देशों ने सबसे पहले अपने आपसी रिश्ते सुधारने की पहल की।इसमें सहमति बनी कि दोनों देश जल्द से जल्द अपने दूतावासों को चालू करेंगे। यहां स्टाफ की भर्ती करेंगे, ताकि दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति न बने। यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद दोनों देशों ने दूतावास से स्टाफ को निकाल दिया था। करीब तीन साल से दूतावास बंद पड़े थे।

साथियों बात अगर हम इस मुद्दे पर पुतिन ट्रंप व जेलेंस्कीके बयानों की करें तो, पुतिन जेलेंस्की से बातचीत करने को तैयारहैं और कहा- पहली बैठक का मकसद यूएस -रूस के बीच भरोसा बढ़ाना था; यूक्रेन के बिना समझौता नहीं होगा। रूसी और यूक्रेनी राष्ट्रपति आखिरी बार दिसंबर 2019 में फ्रांस में मिले थे। रूसी राष्ट्रपति ने बुधवार को कहा है कि वे यूक्रेन के साथ बातचीत करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि जंग रोकने के लिए किसी भी समझौते से यूक्रेन को बाहर नहीं रखा जाएगा दरअसल मंगलवार को सऊदी अरब में हुई रूस और अमेरिका के बातचीत पर जेलेंस्की ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा कि बैठक में हमें न बुलाया जाना हैरान करने वाला है। कोई भी डील हमसे बात किए कैसे हो सकती है।रूस की एजेंसी के मुताबिक पुतिन ने कहा कि रूस और अमेरिका के बीच भरोसा बढ़ाए बिना यूक्रेन युद्ध समेत कई मुद्दों का हल नहीं निकाला जा सकता है। रियाद में हुई बैठक का यही मकसद था।पुतिन ने ये भी कहा कि रूस ने कभी यूरोप या यूक्रेन से बात करने से इनकार नहीं किया। बल्कि यूक्रेन ही अब तक रूस से बात करने से इनकार करता आया है।पुतिन ने कहा- हम किसी पर कुछ भी नहीं थोप रहे। हम बात करने के लिए तैयार हैं। ये हम सैकड़ों बार कह चुके हैं। अगर वे राजी हैं, तो बातचीत होने दीजिए। कोई यूक्रेन को किसी समझौते से बाहर नहीं कर रहा है।इसमें सहमति बनी कि दोनों देश जल्द से जल्द अपने दूतावासों को चालू करेंगे। यहां स्टाफ की भर्ती करेंगे, ताकि दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति न बने। यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद दोनों देशों ने दूतावास से स्टाफ को निकाल दिया था। करीब तीन साल से दूतावास बंद पड़े थे।पुतिन ने रूस और अमेरिका के बीच हुई बातचीत को अच्छा बताया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने बिना किसी पक्षपात के बातचीत में हिस्सा लिया। उन्होंने ये भी कहा कि वे ट्रम्प से मिलना चाहेंगे लेकिन इस बैठक की तैयारी करनी बाकी है।ट्रम्प ने कहा- यूक्रेन ने समाधान खोजने के लिए तीन साल का वक्त गंवाया वहीं,जेलेंस्की कीनाराजगी को लेकर ट्रम्प ने कहा कि मैं सुन रहा हूं जेलेंस्की कह रहे कि हमने बातचीत में उन्हें शामिल नहीं किया। सच तो ये है कि उनके पास बातचीत करने के लिए तीन साल का वक्त था। उससे पहले भी वे बात कर सकते थे, लेकिन उन्होंने ये वक्त गंवाया।ट्रम्प ने कहा कि जेलेंस्की को कभी युद्ध की शुरूआत करनी ही नहीं चाहिए थी। वे बहुत आसानी से डील कर सकते थे।ट्रम्प ने मंगलवार को कहा था कि यूक्रेन में जेलेंस्की की अप्रूवल रेटिंग गिरकर सिर्फ 4 पेर्सेंट रह गई है। इसके जवाब में जेलेंस्की ने कहा कि सबसे हालिया नतीजों में मुझे 58 पेर्सेंट वोट मिले हैं यानी इतने यूक्रेनी लोग मुझ पर भरोसा करते हैं। इसलिए अगर कोई मुझे सत्ता से हटाना चाहता है, तो ये अभी काम नहीं करेगा। जेलेंस्की ने कहा कि रूस की तरफ से लगातार यूक्रेन को लेकर गलत जानकारी दी जा रही है। राष्ट्रपति ट्रम्प का हम सम्मान करते हैं, लेकिन अफसोस की बात है वे गलत जानकारी के बुलबुले में जी रहे हैं। मेरी अप्रूवल रेटिंग की गलत जानकारी रूस ही अमेरिका को दे रहा है।इसे लेकर ट्रम्प ने बुधवार को कहा कि जेलेंस्की एक तानाशाह हैं जो बिना चुनाव के राष्ट्रपति बने हुए हैं। वे जल्दी कदम उठाएं नहीं तो उनके पास कोई देश नहीं बचेगा।

साथियों बात अगर हम रूस अमेरिकी राष्ट्रपति की बैठक पर पूरी दुनियाँ की नजरों की करें तो, ट्रंप प्रशासन रूस से अलग समझौता करने की कोशिश में है, कहा जा रहा है कि अमेरिका यूक्रेन को नाटो से बाहर रखने, रूस को क्षेत्रीय रियायतें देने और भविष्य में अमेरिकी भागीदारी को सीमित करने की योजना बना रहा है? यह यूरोपीय देशों के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है। यूरोपीय नेताओं के लिए अब यह तय करना अहम है कि वे अमेरिकी नीतियों के साथ कैसे तालमेल बिठाते हैं और अपनी सुरक्षा नीति को कैसे मजबूत करते हैं, फ्रांस के अखबार ले मोंद ने लिखा,यूरोप और अमेरिका के बीच ऐतिहासिक दरार उभर रही है। यूरोपीय देशों को अब खुद अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। यूरोप में अब रक्षा बजट बढ़ाने और नाटो की भूमिका को फिर से परिभाषित करने की मांग जोर पकड़ रही है।

साथियों बात अगर हम ट्रंप की बदली रणनीति से यूरोपीय संघ सख्त होने की करें तो,फ्रांस के राष्ट्रपति बुधवार देर रात तक यूक्रेन युद्ध को लेकर यूरोपीय नेताओं के साथ दूसरी मीटिंग किए, इसमें करीब 15 देशों के शामिल होने का अनुमान था। इनमें से ज्यादातर देश वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़ें।दो दिन पहले ही यूक्रेन की सिक्योरिटी को लेकर एक बैठक हुई थी। इसमें ब्रिटेन, जर्मनी, इटली, पोलैंड, स्पेन, डेनमार्क और नीदरलैंड्स शामिल हुए थे। इसके अलावा यूरोपीय यूनियन के शीर्ष प्रतिनिधी और नाटो के सेक्रेटरी जनरल भी इसमें मौजूद थे।इस बैठक में तय किया गया था कि ये देश और संस्थाएं अपनी सुरक्षा पर ज्यादा खर्च करेंगे और यूक्रेन के भविष्य के बारे में लिए जाने वाले फैसलों में उसे शामिल करेंगे। संभावना है कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री आने वाले दिनों में तीसरी मीटिंग रखेंगे।अमेरिका के राष्ट्रपति की नई नीति के बाद यूरोप में हड़कंप मचा हुआ है, फ्रांस की राजधानी पेरिस में हुई यूरोपीय नेताओं की आपात बैठक में यूक्रेन संकट पर एक राय नहीं बन पाई,ब्रिटेन और फ्रांस ने सुरक्षा गारंटी पर जोर दिया, जबकि जर्मनी ने शांति सैनिक भेजने के सुझाव को खारिज कर दिया।इस बैठक से पहले,म्यूनिख में हुए सुरक्षा सम्मेलन में अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने यूरोपीय संघ की तीखी आलोचना की थी, यूरोपीय नेताओं को डर है कि ट्रंप प्रशासन रूस के साथ शांति वार्ता में उन्हें नजरअंदाज कर सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध का ठीकरा यूक्रेन पर फोड़कर अपनी बदली रणनीति का संकेत दिया?यूक्रेन युद्ध पर यूरोपीय संघ के आपातकालीन शिखर सम्मेलन में ट्रंप कीअनदेखी -ट्रंप के शांति प्रयास से यूरोपिया संघ अलग-अलग पड़ा?रूस-यूक्रेन पीस टॉक-अपने ही देश में जंग पर चर्चा से बाहर है यूक्रेन!-पूरे विश्व की निगाहें ट्रंप-पुतिन की संभावित बैठक पर लगीहुई हैं।

(-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र)

संपादकीय

नये रिश्तों की शुरुआत

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद वैश्विक स्तर पर नई शक्ति समीकरण बन रहे हैं। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अमेरिका और रूस के राजनीतिकों के बीच हुई वार्ता दो पूर्व शत्रु देश के दरम्यान मित्रता की नई शुरू आत के संकेत हैं। 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद पहली बार अमेरिका और रूस वार्ता की मेज पर आमने-सामने आए हैं। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और अमेरिका के विदेश मंत्री माकाक्र रूबियों ने अपने-अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। वार्ता मुख्यतः दो बिंदुओं पर केंद्रित थी। एक, रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्ति की दिशा में आगे कैसे बढ़ा जाए और दूसरे, अमेरिका और उसके बीच आर्थिक सहयोग के रास्ते तलाश जाएं। वार्ता में किसी तरह का प्रतिरोध पैदा नहीं हुआ और दोनों मुद्धों पर परस्पर सहमति के साथ आगे बढ़ने का संकेत भी मिला। आने वाले दिनों में अमेरिका और रूस के शीर्ष नेतृत्व के बीच मुलाकात की संभावना जताई जा रही है। राष्ट्रपति ट्रंप का रूस के संबंध में उठाया गया यह कदम अमेरिका की पुरानी नीति से एकदम अलग है। ट्रंप के पूर्ववर्ती बाइड़न प्रशासन का रणनीतिक लक्ष्य था कि रूस को सैनिक दृष्टि से कमजोर किया जाए। यह याद रखना चाहिए कि बाइडेन ने पुतिन को 'हत्यारा तानाशाह' कहा था और उसके खिलाफ यूक्रेन को भारी सैन्य और वित्तीय मदद पहुंचाई थी। अब स्थिति पूरी तरह बदल गई है। ट्रंप प्रशासन युद्ध के लिए यूक्रेन को दोषी ठहरा रहा है और उसे सुरक्षा गारंटी देने से भी इनकार कर दिया है। हैरत की बात यह है कि यूक्रेन को वार्ता की मेज पर बैठने की भी जगह नहीं दी गई है। वास्तव में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की खुलकर ट्रंप का विरोध करने की स्थिति में नहीं है। हालांकि वह पर्दे के पीछे अमेरिका के खिलाफ यूरोपीय देशों की लामबंदी का प्रयास कर रहे हैं। अमेरिका के दबाव में यदि युद्ध विराम होता है तो यूक्रेन का करीब एक तिहाई हिस्सा रूस के अधिकार में होगा। यह यूक्रेन के लिए घाटे का सौदा होगा। दरअसल, ट्रंप रूस के साथ अस्थाई रिश्ता बनाना चाहते हैं। सोवियत संघ के विघटन के बाद स्थिति पूरी तरह बदल गई है। ट्रंप रूस को प्रतिद्वंद्वी के रूप में नहीं देखते। लेकिन अमेरिकी राजनीतिक हेनरी किसिंजर का यह चर्चित कथन था कि ह्यअमेरिका के साथ दुश्मनी करना खतरनाक है, लेकिन दोस्ती करना जानलेवा है'। क्या पुतिन इस कथन को नजरअंदाज कर सकते हैं?

सूक्ति

सही प्रश्न पूछना में मेघावी बनने का मार्ग है
– स्टीनमेज
विचारशील व्यक्ति को हर जगह सम्मान मिलता है
– सोफोक्लेस
यह व्यक्ति की स्वयं की सोच ही होती है जो उसे बुराइयों की ओर ले जाती है ना कि उसके दुश्मन की
– गौतम बुद्ध
जीवन में दुखद बात यह है कि हम बड़े तो जल्दी हो जाते हैं लेकिन समझदार देर से होते है
– अज्ञात

कम्पनियों के जंगलों में प्रवेश से दहशत में वन निवासी

राज कुमार सिन्हा

आधुनिक व्यापार-व्यवसाय ने अब तेजी से प्राकृतिक संसाधनों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। जंगल, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई परिभाषा के मुताबिक केवल रिकॉर्ड में दर्ज होना ही काफी है, निजी कंपनियों को दिए जा रहे हैं।वन बहुल मध्यप्रदेश की सरकार धीरे-धीरे जंगलों को निजी हाथों में सोंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।वर्तमान में फिर से मध्यप्रदेश सरकार ने वनीकरण के लिए बिगडे वन भूमि को ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम के अन्तर्गत वृक्षारोपण के लिए निजी निवेशकों को सोंपने का योजना बनाई है, जिसमें निवेशकों को 50 प्रतिशत लघु वनोपज बेचने का अधिकार भी शामिल होगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार,सत्रह राज्यों ने अबतक ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम के अन्तर्गत वृक्षारोपण के लिए 57,700 हेक्टेयर से अधिक बंजर भूमि को अलग रखा है। मध्यप्रदेश जो देश में सबसे अधिक वन क्षेत्र वाला राज्य है। उसने 2 फरवरी तक इस कार्यक्रम के लिए 15,200 हेक्टेयर से अधिक बंजर भूमि की पहचान और उसका पंजीकरण किया है जो सभी राज्यों से अधिक है, ऐसा सरकार ने वर्तमान संसद सत्र में बताया है। करोना काल में मध्यप्रदेश सरकार के ह्यप्रधान मुख्य वन संरक्षकह्ल कार्यालय ने 20 अक्तूबर 2020 को 37 लाख हेक्टेयर बिगडे-वनों को ह्यपब्लिक-प्राइवेट-पार्टनरशिपह्ल (पीपीपी) मोड पर निजी कम्पनियों को देने का आदेश जारी किया था, परन्तु विरोध के बाद इसे रोका गया। प्रकृति को सुधारने के नाम पर मुनाफा कमाते हुए पूंजी बढाने की तरकीब है झ ह्यकार्बन व्यापारह्ल या ह्यकार्बन ट्रेडिंग ह्ल वर्ष 2021 में ह्यवैश्विक कार्बन क्रेडिट बाजारह्ल में 164 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और वर्ष 2030 तक इसके 100 बिलियन अमेरिकी डालर पार करने की उम्मीद है। ह्यकार्बन व्यापारह्ल के जरिए (वनीकरण करके) अन्तराष्ट्रीय बाजार से करोडों रुपए कमाना प्राथमिकता में है। भारत सरकार ने 2008 से 12 के बीच बिगडे-वन, गांव का चारागाह एवं पडत-जमीन पर वनीकरण कर ह्यकार्बन क्रेडिटह्ल के जरिए 1250 लाख डॉलर कमाने की योजना बनाई थी। विश्वबैंक के आंकलन के अनुसार लकडी, बांस एवं अकाष्ठीय वनोत्पाद का मूल्य 20,000 लाख डॉलर है। ह्यसंयुक्त वन प्रबंधनह्ल इलाके के पारिस्थितिकीय एवं पर्यावरणीय टूरिज्म का मूल्य 17,000 लाख डॉलर आंका जा रहा है।

ह्यग्रीन इंडिया मिशनह्ल और ह्यरिडयूसिंग एमिशन फ्रॉम डिफारेस्ट्रेशन एण्ड डिग्रेडेशनह्ल (आरईडीडी), जिसे संक्षिप्त में ह्यरेडह्ल कहा जाता है, के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अन्तराष्ट्रीय पूंजी लाने की योजना है। पर्यावरण बचाने के नाम पर विश्व बाजार तैयार करना भी अन्तरराष्ट्रीय पूंजी का हिस्सा हो गया है। अब तो ह्यएनजीओह्ल भी आदिवासियों को उनके कब्जे की भूमि से बेदखल कर वृक्षारोपण करने का कार्यक्रम चला रहे हैं। ऐसा ही एक मामला मध्यप्रदेश के उमरिया जिले के मानपुर और ताला विकास खंड में आया है, जहां एक संस्था द्वारा आदिवासियों को उनकी ह्यवनाधिकार कानूनह्ल के दावे वाली वनभूमि से हटाकर वृक्षारोपण करने की शिकायत मिली है।

पर्यावरण बचाने के नाम पर धन भी बहुत है, लेकिन पूंजीवादी सोच के कारण सब कुछ व्यापारिक दृष्टिकोण से किया जा रहा है। इससे न तो जंगल और न ही पर्यावरण बच पा रहा है। मध्यप्रदेश में कुल 52,739 गांवों में से 22,600 गांव या तो जंगल में बसे हैं या फिर जंगलों की सीमाओं से सटे हुए हैं। प्रदेश का बडा हिस्सा आरक्षित वन है और दूसरा बड़ा हिस्सा राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य आदि के रूप में जाना जाता है। बाकी बचते हैं वे वन जिन्हें बिगडे वन या संरक्षित वन कहा जाता है।इन संरक्षित वन में पहले स्थानीय लोगों के अधिकारों का दस्तावेजीकरण किया जाना है इसलिए उनका अधिग्रहण नहीं किया जाना है। ये संरक्षित जंगल उन स्थानीय समुदाय के लिए बहुत महत्वपूर्ण आर्थिक संसाधन हैं जो जंगलों में बसे हैं और जिसका इस्तेमाल वे निस्तार जरुरतों के लिए करते हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों में 6520 वनखंडों में प्रस्तावित 30,06,624 हेक्टेयर भूमि के संबंध में वन व्यवस्थापन की कार्यवाही 1988 से लंबित है। भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्रावधानों के तहत वन व्यवस्थापन अधिकारियों को धारा- 5 से 19 तक कार्यवाही कर धारा-20 में आरक्षित वन बनाने की प्रारुप अधिसूचना मय प्रतिवेदन प्रस्तुत करनी थी, जो अबतक लंबित है। प्रश्न उठता है कि वन अधिकार कानून 2006 की धारा 3(1)(झ) द्वारा ग्राम सभा को जंगल के संरक्षण, प्रबंधन और उपयोग के लिए जो सामुदायिक अधिकार दिया गया है या दिया जाने वाला है, उसका क्या होगा?

मांसाहार : संभल कर करें सेवन

रजनीश कपूर

आप सभी के भी ऐसे दोस्त व रिश्तेदार होंगे जो किसी शादी या नये साल के दावत में चिकन-मटन न मिलने पर ऐसा कहते हों,'क्या घास-कूड़ा खिला दिया।'

औसत दर्जे के लोग बटर चिकन, कढ़ाई चिकन, बोनलेस चिकन, चिकन कोफ्ता, मुर्गा दो प्याजा या मटन की तमाम किस्में खाते हैं। वरना भुना मुर्गा लार टपका कर निगल जाते हैं। जो जरा ज्यादा फैशनेबल हैं उनको सुबह नाश्ते में सासेज, सलामी आदि खाने की आदत पड़ जाती है, लंच में चिकन, लैम्ब सूप या प्रॉन (झींगा) वगैरह। डिनर में लॉबस्टर, फिश या कोई और चीनी या समुद्री खाना।

भारत के सभी महानगरों से लेकर छोटे-छोटे कस्बों में यह देखकर आश्चर्य होता है कि किस ललचाई नजरों से लोग मांसाहार के लिए आतुर रहते हैं। जिनके पास साधन हैं वो यह सारी वस्तुएं आयातित मांस से पकाते हैं या पांच सितारा होटलों में ही खाते हैं। वरना दिल्ली के कनॉट पैलेस व अन्य इलाकों में कई रेस्टोरेंट व ढाबे हर शहर और राजमार्ग पर बिखरे पड़े हैं जहां सलाखों में मुगरे की मसाला लगी टांगे टंगी रहती हैं। पर अब जरा दूसरी तरफ देखिए अगर आप देश के बहुत ही संपन्न लोगों की संगति में बैठे हों तो आप पाएंगे कि बहुत से बड़े लोग मांसाहार छोड़ते जा रहे हैं। और तो और अमेरिका और यूरोप के देश जहां दस वर्ष पहले तक शाकाहार का नाम तक नहीं जानते थे, लेकिन आज काफी तादाद में मांसाहार पूरी तरह छोड़ चुके हैं। जानते हैं क्यों? पहली बात तो यह कि मानव शरीर शाकाहार के लिए बना है मांसाहार के लिए नहीं।

यह बात हम अपनी तुलना शाकाहारी और मांसाहारी पशुओं से करने पर समझ सकते हैं। शेर, कुत्ता, घड़ियाल व भेड़िया मांसाहारी हैं। गाय, बकरी, बंदर व खरगोश शाकाहारी हैं। मांसाहारी पशुओं को कुदरत ने दोनों जबड़ों में तेज नुकीले कीलनुमा दांत और खतरनाक पंजे दिए हैं। पर गाय और बंदर की ही तरह मानव को कुदरत ने ऐसे दांतों और पंजों से वंचित रखा है, क्यों? मांसाहारी पशु जैसे कुत्ता जीभ से पसीना टपकाता है। इसलिए हांफता रहता है। शाकाहारी पशुओं और मानव के बदन से पसीना टपकता है। मांसाहारी पशुओं की आंतें काफी छोटी होती है ताकि मांस जल्दी ही पखाने के रास्ते बाहर निकल जाए जबकि शाकाहारी जानवरों और मानव की आंतें अनुपात में तीन गुनी बड़ी और ज्यादा घुमावदार होती है ताकि अन्न, फल, सब्जियों का रसा अच्छी तरह सोख ले। यदि आप मांसाहारी है तो आपने नोट किया होगा कि फ्रिज के निचले खाने में इतनी ठंडक होने के बावजूद मांस कुछ ही घंटों में सड़ने लगता है।

फिर मानव शरीर की गर्मी में मांस के आंत में अटक-अटक चलने में इसकी क्या गति होती होगी, कभी सोचा आपने ? आपने कभी सड़क पर कुचला कुत्ता देखा है कितनी सी देर में उसमें से बदबू आने लगती है तो क्या हमारी आंत में पड़ा मांस तरोताजा बना रहता है। वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि मांसाहारी पशुओं के आमाशय में जो तेजाब रिसता है वह शाकाहारी पशुओं और मानव के आमाशय में रिसने वाले तेजाब से बीस गुना ज्यादा तीखा होता है, ताकि मांस जल्दी गला सके। ऐसे तेजाब के अभाव में हमारे आमाशय में पड़े मांस की क्या हालत होती होगी? भारत जैसे देश में, बहुसंख्यक आबादी किसी न किसी रोग से ग्रस्त है। हमारे शरीर में तरह-तरह की बीमारियां पल रही हैं, तो जो जानवर काटे जा रहे हैं उनके वातावरण, भोजन और रखरखाव में जो नर्क से बदतर जिंदगी होती है, उससे कैसा मांस आप तक पहुंचता है? फिर आप तो जानते हैं कि भारत में कितना भ्रष्टाचार है। जिन भी इंस्पेक्टरों की ड्यूटी कसाईखानों में लगी होती है उनसे क्या आप राजा हरिशचंद्र होने की उम्मीद कर सकते हैं? या वक्त के साथ चलने वाला होशियार आदमी।

कई बरस पहले दिल्ली के पांच सितारा होटल में पोषण विशेषज्ञों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हुआ था। वहां दोपहर के भोजन के समय शोर मच गया। दुनिया भर से आए पोषण विशेषज्ञ डाक्टरों ने कहा कि लंच में जो मुर्गे परोसे गए वे सड़े हुए हैं। होटल के महाप्रबंधक तक खबर पहुंची। फौरन दौड़े-दोड़े बैंक्वट हॉल में आए। आयोजकों से माफी मांगी। सरकारी नौकरी चले जाने का हवाला देकर खुशामद की। समझौता हुआ कि लंच का जो बीस-तीस हजार रुपये का बिल बना था वो माफ हो जाएगा। तभी

होटल वालों को पता चला कि वहां डाक्टरों की भीड़ में एक संवाददाता भी मौजूद था। घबराए हुए वे उस पत्रकार के पास आए और गिड़िगड़ा कर कहने लगे कि ये खबर मत छापिएगा। लालच देने लगे कि आपके शादी में पचास फीसद बिल माफ कर देंगे। जब उसी पत्रकार ने इस पर तहकीकात की तो पता चला कि आमतौर पर कमीशन के चक्कर में सबसे सड़े, बासी और बेकार मुर्गे वहां और कई बड़े होटलों में खरीदे जाते हैं। कुछ समय बाद खबर छपी। ह्यपोषण विशेषज्ञों को पांच सितारा होटल ने सड़े मुर्गे परोसेह्ल यह दिल्ली के एक प्रतिष्ठित पांच सितारा होटल की कहानी है तो बाकी की बात आप खुद ही समझ लीजिए।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार। मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सान्या मल्होत्रा का जादू जारी!

मीनाक्षी सुंदरेश्वर और पगलैट ओटीटी पर ट्रेंड

सान्या मल्होत्रा न सिर्फ सिनेमाघरों में नहीं बल्कि ओटीटी पर भी अजेय अभिनेत्री साबित हो रही हैं! मिसेज में उनके प्रदर्शन के लिए अपार सराहना के बाद, दर्शक अब उनकी पिछली फिल्मों को फिर से देख रहे हैं, जिससे स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर मीनाक्षी सुंदरेश्वर और पगलैट ट्रेंड कर रही है।

सान्या मल्होत्रा ने एक भावनात्मक सोशल मीडिया स्टोरी के माध्यम से अपने प्रशंसकों को अपनी आभार व्यक्त की, आप सभी के प्यार और स्नेह के लिए बहुत आभारी महसूस कर रही हूं। तहे दिल से धन्यवाद। रिलीज से पहले ही मिसेज ने कई समारोहों में स्टैंडिंग ओवेशन और एक सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार के साथ काफी सराहना अर्जित की। अब प्रशंसक सान्या की पिछली भूमिकाओं में वापस देख रहे हैं, और उनकी बहुमुखी प्रतिभा को फिर से सराहना कर रहे हैं। आकर्षक मीनाक्षी सुंदरेश्वर से, जहां उन्होंने लॉन्ग डिस्टेंस की शादी को खूबसूरती से चित्रित किया। पगलैट में, जहां उन्होंने एक युवा विधवा के दुख से उबरते हुए अपने सूक्ष्म प्रदर्शन से दिल जीता है, सान्या की सिनेमाई यात्रा दर्शकों और आलोचकों को समान रूप से प्रभावित करती रही है। अब, मिसेज के ओटीटी पर स्ट्रीमिंग हो रही है और दर्शकों से लगातार प्यार मिल रहा है, उनकी पिछली परियोजनाओं पर नए सिरे से ध्यान एक कलाकार के रूप में उनके प्रभाव को और उजागर करता है। धर्मा प्रोडक्शंस के साथ उनके आगामी प्रोजेक्ट सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का फैन बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जहां सान्या बिल्कुल अलग अवतार में नजर आएंगी। हर भूमिका में गहराई और प्रामाणिकता लाने की उनकी क्षमता उनकी पीढ़ी के सबसे आकर्षक अभिनेत्रियों में से एक के रूप में उनकी जगह को मजबूत करती है।

...जब हिमेश रेशमिया ने कीर्ति कुल्हारी की सलाह को नहीं माना

बैडएस रवि कुमार का रहीं हिस्सा

हिमेश रेशमिया ने खुद को हीरो लेकर एक फिल्म 'बैडएस रविकुमार' नाम की फिल्म बनाई। यह एक मसाला फिल्म थी। इस एक्शन फिल्म के डायलॉग ऐसे थे कि दर्शक हंस-हंसकर लोट-पोट हो गए। हाल ही में इस फिल्म में हिमेश के साथ एक्टिंग करने वाली एक्ट्रेस कीर्ति कुल्हारी ने बताया कि एक्टर ने उनकी एक जरूरी सलाह मनाने से इंकार दिया था।

हिमेश ने नहीं मानी कीर्ति की बात

कीर्ति ने हालिया एक इंटरव्यू में बताया कि जब हिमेश को डायलॉग में कुछ सुधार करने के लिए, उसमें अपने लेवल पर इंप्रूव करने की बात कही तो उन्होंने इसके लिए साफ मना कर दिया। लेकिन इस तरह से हिमेश का रिएक्शन पाकर कीर्ति का बिल्कुल भी बुरा नहीं लगा।

फिल्म में कोई बदलाव नहीं चाहते थे हिमेश

कीर्ति को हिमेश रेशमिया की बात का बुरा इसलिए नहीं लगा क्योंकि उनका फिल्म को लेकर अपना एक

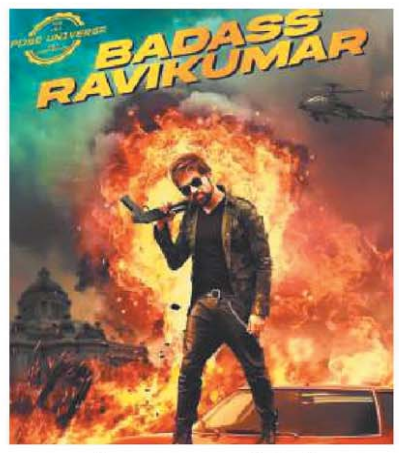

अलग विजन था। वह इसमें किसी तरह का बदलाव नहीं चाहते थे। इस बात को कीर्ति ने समझा और जैसे डायलॉग लिखे गए थे, उन्हें वैसा ही बोला।

चर्चा में रही फिल्म

फिल्म 'बैडएस रविकुमार' भले ही बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली हो। इसने महज 8 करोड़ रुपये की कमाई ही की है। लेकिन यह फिल्म सोशल मीडिया पर खूब छाई। इस फिल्म के अजीब से डायलॉग ही दर्शकों को पसंद आए। इन डायलॉग्स पर खूब फनी रील्स बनाई गईं।

ये कलाकार भी आए नजर

फिल्म 'बैडएस रविकुमार' में हिमेश और कीर्ति कुल्हारी के अलावा प्रभु देवा, सिमोना जे, सौरभ सचदेवा, संजय मिश्रा और जॉनी लीवर भी हैं। पहले भी हिमेश रेशिमया कई फिल्मों में एक्टिंग कर चुके हैं, लेकिन उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर चली नहीं हैं।

नाग अश्विन की फिल्म कर सकती हैं आलिया

लिया भट्ट इन दिनों संजय लीला आखाली की फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ रणबीर कपूर और विकी कौशल नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग अक्टूबर 2025 तक पूरी होने की उम्मीद है। इसके बाद आलिया अपनी अगली फिल्म की तलाश में थीं और अब खबर है कि उनकी यह तलाश लगभग पूरी हो चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, आलिया कल्कि 2898 एडी के निर्देशक नाग अश्विन के साथ एक नई फिल्म के लिए बातचीत के अंतिम चरण में हैं।

कल्कि 2 के पहले एक और फिल्म बनाना चाहते हैं नाग

सूत्रों के अनुसार, नाग अश्विन कल्कि 2898 एडी के अगले भाग से पहले एक नई फिल्म बनाना चाहते हैं, जिसमें आलिया मुख्य भूमिका में होंगी। इस प्रोजेक्ट की कहानी और जॉनर को फिलहाल गोपनीय रखा गया है। सूत्र ने बताया, नाग अश्विन एक ऐसी कहानी पर काम कर रहे हैं, जो उनके दिल के करीब है।

पहले लव... की शूटिंग पूरी करेंगी आलिया

फिलहाल, इस प्रोजेक्ट को लेकर बातचीत अपने अंतिम चरण में है लेकिन अभी तक पेपर वर्क पूरा नहीं हुआ है। इस फिल्म को हैदराबाद स्थित प्रोडक्शन हाउस वैजयंती फिल्म्स के बैनर तले बनाया जाएगा। आलिया पहले लव एंड वॉर की शूटिंग का शेड्यूल पूरी तरह क्लियर करना चाहती हैं, ताकि वह नवंबर से किसी नए प्रोजेक्ट को कमिट कर सकें। नाग अश्विन भी अपनी इस फिल्म को एक तय समय में पूरा करना चाहते हैं, क्योंकि 2026 के सेकंड हाफ में उन्हें कल्कि 2898 एडी 2 पर काम शुरू करना है। आलिया, अश्विन के साथ पहली बार काम करेंगी। दोनों की क्रिएटिव सोच मेल खा रही है और अब सिर्फ डेट्स और अन्य औपचारिकताओं को फाइनल किया जा रहा है। पिछले साल आलिया निर्देशक अभिषेक पाठक की रोमांटिक फिल्म हाउसवाइफ भी साइन करने के करीब थीं और इस पर बातचीत अभी भी जारी है। वहीं आलिया के खाते में अल्फा और चामुंडा भी हैं।

न 'मुल्क 2', न कोर्टरूम ड्रामा, अनुमानों से बिल्कुल अलग बनने जा रही अनुभव की नई फिल्म

नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज आईसी 814 के निर्देशन से अंतरराष्ट्रीय सिने जगत में अपनी धाक जमाने वाले भारतीय निर्देशक अनुभव सिन्हा की अगली फीचर फिल्म को लेकर सिने जगत में बीते कई दिनों से हलचल है। कोई कह रहा है कि ये फिल्म मुल्क का सीक्वल है, किसी ने अंदाजा लगाया कि ये फिल्म एक कोर्ट रूम ड्रामा बनने जा रही है, लेकिन अमर उजाला के पास इस बात की ठोस जानकारी है कि अनुभव सिन्हा की अगली फिल्म न मुल्क 2 है, और न ही ये एक कोर्ट रूम ड्रामा फिल्म होने जा रही है।

अनुभव सिन्हा की फिल्म निर्माण कंपनी बनारस मीडिया वर्क्स में इन दिनों शूटिंग शुरू होने से पहले की काफी हलचल बताई जा रही है। अनुभव अपनी राइटर्स टीम के साथ बीते एक महीने से दिन रात काम करते रहे हैं। अनुभव की ये आदत रही है कि जब तक फिल्म की कहानी उनको संतुष्ट नहीं करती है, वह शूटिंग शुरू नहीं करते हैं। इसके अलावा जिन्होंने भी उनका मुंबई में अंधेरी स्थित कार्यालय देखा है, वे बताते हैं कि उनको पढ़ने का बहुत शौक है। उनके दफ्तर की दीवारें किताबों से भरी नजर आती हैं।

अगले साल अनुभव सिन्हा की पहली फिल्म तुम बिन को रिलीज हुए 25 साल हो जाएंगे। उनके करीबी बताते हैं कि अनुभव सिन्हा अब जो भी फिल्में बना रहे हैं, वे अपने अनुभवों को अपने फिल्म निर्देशन की धार बनाकर ही बना रहे हैं। किसी विषय को लेकर जिद पर अड़ना वह छोड़ चुके हैं, और इसका सबसे बड़ा फायदा उनकी मेकिंग में दिखा वेब सीरीज आईसी 814 के दौरान। इस सीरीज के निर्देशन से राहत पाते ही अनुभव ने अपनी अगली फिल्म शुरू कर दी थी, जिसकी शूटिंग अब जानकारी के मुताबिक अप्रैल महीने में दिल्ली में होगी। अनुभव सिन्हा की गिनती हिंदी सिनेमा के उन नामचीन निर्देशकों में की जाती है, जिनके पास सिनेमा की विविधता है। वह तुम बिन, आर्टिकल 15, अनेक, भीड़ और थप्पड़ जैसी फिल्में निर्देशित कर चुके हैं और अब बताते हैं कि उनकी जो अगली अनाम फिल्म है, उसमें कोर्टरूम के दृश्य तो हैं, लेकिन इसे पूरी तरह से कोर्ट रूम ड्रामा नहीं कहा जा सकता है। सूत्र बताते हैं कि फिल्म का करीब 75 फीसदी हिस्सा कोर्ट रूम के बाहर शूट होना है।

भारत की पहली मल्टीवर्स सुपरहीरो फिल्म में नजर आएंगे निविन पॉली

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के चर्चित एक्टर निविन पॉली भारत की पहली मल्टीवर्स सुपरहीरो फिल्म मल्टीवर्स मनमथन में लीड रोल निभाएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अदित्यन चंद्रशेखर करेंगे जो इससे पहले 2023 में आई फिल्म एंकिलम चंद्रिके और 2019 की मिनी सीरीज एवरेज अंबिली बना चुके हैं। निविन ने लिखा... यह मेरे दिल के बहुत करीब है। भारत की पहली मल्टीवर्स सुपरहीरो फिल्म मल्टीवर्स मनमथन की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हूं। फिल्म का निर्देशन अदित्यन चंद्रशेखर करेंगे ।

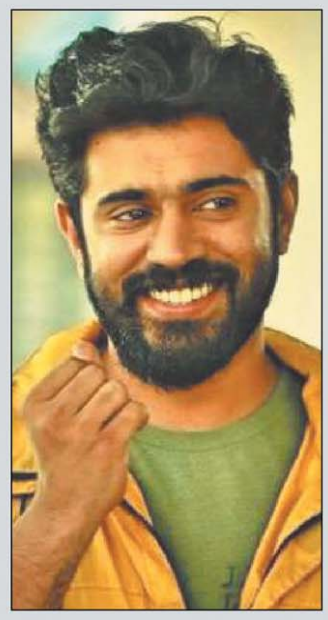

बड़े पर्दे पर किरदारों में ढल जाते हैं आशुतोष राणा, वेब सीरीज की दुनिया में भी छाए

बड़े पर्दे यानी फिल्मों में उम्दा अभिनय करने के लिए आशुतोष राणा जाने जाते हैं। जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्म 'कौशलजी वर्सेज कौशल' में आशुतोष राणा नजर आएंगे। लेकिन वह ओटीटी पर कई वेब सीरीज भी कर चुके हैं। जानिए, उन वेब सीरीज के बारे में जिनमें आशुतोष राणा ने अपनी एक्टिंग से दर्शकों को प्रभावित किया।

मर्डर इन माहिम

साल 2024 में आई वेब सीरीज 'मर्डर इन माहिम' में आशुतोष राणा ने पीटर फर्नांडीज नाम का किरदार निभाया था। वह इसमें पत्रकार की भूमिका में नजर आए थे। इस वेब सीरीज में मर्डर मिस्ट्री को आशुतोष का किरदार कैसे सुलझा जाता है, यही सीरीज की कहानी थी।

खाकी-द बिहार चैप्टर

साल 2022 में 'खाकी-द बिहार चैप्टर' नाम की एक वेब सीरीज आई थी। इसमें मुख्य भूमिका यानी पुलिस वाले के रोल में करण टेकर थे। वहीं आशुतोष राणा ने आईजी मुक्तेश्वर चौबे का रोल किया था। आशुतोष राणा का देसी अंदाज दर्शकों को इस वेब सीरीज में खूब भाया।

द मिस्ट्री ऑफ मोक्षा आइसलैंड

यह वेब सीरीज तेलुगू भाषा में बनी थी, जो कि एक थ्रिलर सीरीज थी। इसमें आशुतोष राणा ने विश्वक सेन का किरदार निभाया था। इस सीरीज में दर्शकों को सस्पेंस, ड्रामा और थ्रिलर का कॉम्बिनेशन देखने को मिला। आशुतोष राणा भी अपनी एक्टिंग से दर्शकों को डराने में कामयाब रहे।

छत्रसाल-आरण्यक

वेब सीरीज 'छत्रसाल' में आशुतोष राणा ने मुगल शासक औरंगजेब का किरदार निभाया था। इस किरदार में वह काफी खूंखार नजर आए। यह वेब सीरीज राजा छत्रसाल की कहानी पर आधारित थी, उन्होंने मुगलों के खिलाफ एक लंबी लड़ाई लड़ी थी। वहीं रवीना टंडन स्टारर वेब सीरीज आरण्यक में भी आशुतोष राणा नजर आए। वह इस वेब सीरीज में महादेव डोगरा के किरदार में दिखे। यह सीरीज एक अपराधी को पकड़ने की कहानी कहती है। इसमें काफी सस्पेंस, ड्रामा दर्शकों को देखने को मिला था।

कृति सेनन ने शुरू की तेरे इश्क में की शूटिंग

कृति सेनन ने आनंद एल राय की फिल्म तेरे इश्क में की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसमें वह पहली बार धनुष के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। कृति ने तस्वीर साझा कर लिखा- चलो चलते हैं। सेट पर वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। वह कर रही हूं जो मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। इससे पहले, अभिनेता धनुष का सेट से वीडियो वायरल हुआ था, जहां उन्हें दिल्ली के एक कॉलेज में फिल्म की शूटिंग करते हुए देखा गया था। रांझणा (2013) और अतरंगी रे (2021) के बाद आनंद और धनुष एक बार फिर साथ काम कर रहे हैं। निर्देशक ने तेरे इश्क में और रांझणा के बीच विषय की समानताओं का संकेत दिया था, लेकिन आश्वासन दिया कि नई फिल्म एक अनूठी रचना होगी। कृति को आखिरी बार नेटफ्लिक्स फिल्म दो पत्ती में देखा गया था, जबकि धनुष ने रयान में अभिनय किया था, जिसे उन्होंने निर्देशित भी किया था।

हाईवोल्टेज मुकाबले में भारत-पाकिस्तान होगें आमने-सामने

भारत की निगाह सेमीफाइनल पर, पाकिस्तान के लिए करो या मरो वाला मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। दुबई के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आज रविवार 23 फरवरी को भारत और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का बहुप्रतीक्षित मुकाबला खेला जाएगा। दोनों देशों के बीच क्रिकेट मैच हमेशा से ही हाईवोल्टेज ड्रामा और रोमांच से भरे होते हैं, क्योंकि ये दोनों टीमें आमतौर पर केवल आईसीसी टूर्नामेंट और एशिया कप जैसी प्रतियोगिताओं में ही आमने-सामने होती हैं। इस बार मुकाबला एक तटस्थ स्थान, यानी दुबई में होगा, क्योंकि भारत ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया था।

चैंपियंस ट्रॉफी का यह संस्करण पाकिस्तान द्वारा आयोजित किया जा रहा है, लेकिन भारत के सभी मैच दुबई में खेले जा रहे हैं। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत शानदार अंदाज से किया था, जब उन्होंने बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया। दूसरी ओर, पाकिस्तान को अपने घरेलू मैदान कराची में खेले गए पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 60 रनों से शिकस्त दी थी। अब दोनों चिर-प्रतिद्वंद्वी टीमें अपने सबसे बड़े मुकाबले के लिए तैयार हैं।

एक दिवसीय क्रिकेट में ऐतिहासिक रूप से पाकिस्तान का पलड़ा भारत से भारी रहा है। अब तक दोनों देशों के बीच 135 वनडे मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें पाकिस्तान ने 73 और भारत ने 57 मैच जीते हैं, जबकि पांच मुकाबले बेनतीजा रहे। हालांकि, पिछले डेढ़ दशक में भारत ने क्रिकेट के हर क्षेत्र में जबरदस्त सुधार किया है और अब वह पाकिस्तान की तुलना में कहीं अधिक संतुलित और मजबूत टीम बन चुकी है। विशेष रूप से आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत का रिकॉर्ड पाकिस्तान से काफी बेहतर रहा है। हालांकि, 2017 की चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पाकिस्तान ने भारत को हराकर ट्रॉफी जीती थी, लेकिन इसके बाद से भारत ने अपने पड़ोसी देश के खिलाफ बड़ी प्रतियोगिताओं में दबदबा बनाए रखा है।

इस मुकाबले में भारतीय टीम के लिए कप्तान रोहित शर्मा, उपकप्तान शुभमन गिल और

विराट कोहली महत्वपूर्ण खिलाड़ी साबित हो सकते हैं, जबकि गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह की गैरहाजरी में मोहम्मद शमी पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। वहीं, पाकिस्तान की बल्लेबाजी रिजवान और बाबर आज़म के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी, फखर जमान के घायल होने से इमाम-उल-हक को टीम में लाया गया हैं। जबकि गेंदबाजी की बात करें तो शाहीन अफरीदी और नसीम शाह भारतीय बल्लेबाजों के लिए चुनौती बन सकते हैं। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम होगा, क्योंकि चैंपियंस ट्रॉफी जैसे टूर्नामेंट में हर मैच महत्वपूर्ण होता है। क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें इस हाईवोल्टेज भिड़ंत पर टिकी हैं, जहां हर गेंद और हर रन मायने रखेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत = रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ऋषभ पंत, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, रवींद्र जडेजा, वरुण चक्रवर्ती।

पाकिस्तान = मोहम्मद रिजवान (कप्तान), बाबर आजम, इमाम-उल-हक, कामरान गुलाम, सऊद शकील, तैयब ताहिर, फहीम अशरफ, खुशदिल शाह, सलमान अली आगा, उस्मान खान, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, मोहम्मद हसनैन, नसीम शाह, शाहीन शाह अफरीदी।

खुद पर जरूरत से ज्यादा दबाव बना रहे हैं विराट: अनिल कुंबले

दुबई (एजेंसी)। विराट कोहली खुद पर जरूरत से ज्यादा दबाव बना रहे हैं, जिससे उन्हें फॉर्म में लौटने में दिक्कत हो रही है। यह कहना है भारत के पूर्व कप्तान और कोच अनिल कुंबले का। कोहली के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कुंबले ने कहा कि कोहली ने सफेद गेंद क्रिकेट में पहले कभी इतनी लंबी खराब फॉर्म का सामना नहीं किया था।

कुंबले ने कहा, मुझे लगता है कि वह खुद पर अनावश्यक दबाव डाल रहे हैं। हर कोई उनसे उम्मीद करता है कि वह टीम के लिए मैच जिताने वाली पारी खेलेंगे, लेकिन जब आप लगातार इस तरह के दबाव में होते हैं, तो कई बार आप बहुत ज्यादा सोचने लगते हैं और अतिरिक्त प्रयास करने लगते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि आप तनावमुक्त होकर नहीं खेल पाते। उन्होंने आगे कहा कि कोहली को अपने खेल पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए और मानसिक रूप से सहज होकर मैदान पर उतरना चाहिए। कुंबले के मुताबिक, आप देख सकते हैं कि वह किस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्हें बस चिंता करने की जरूरत नहीं है। रोहित शर्मा जब बल्लेबाजी के लिए आते हैं, तो उन्हें आजादी मिलती है क्योंकि टीम में कई अच्छे बल्लेबाज हैं, जो शानदार फॉर्म में हैं।

विराट को भी मैदान पर आने के बाद किसी और चीज की चिंता नहीं करनी चाहिए। कुंबले ने यह भी कहा कि कोहली आमतौर पर स्पिन गेंदबाजी को बहुत अच्छी तरह से खेलते हैं, लेकिन हाल ही में वह रन बनाने के बजाय गेंद को नियंत्रित करने की ज्यादा कोशिश कर रहे हैं। जब कोहली फॉर्म में होते हैं, तो वह स्ट्राइक रोटेट करने और सिंगल लेने पर ध्यान देते हैं। लेकिन फिलहाल वह सिर्फ नियंत्रण के बजाय अतिरिक्त प्रयास कर रहे हैं, जिससे उनका स्वाभाविक खेल प्रभावित हो रहा है।

शुभमन गिल बेहद प्रेरक व्यक्ति, वह भारत के भविष्य के कप्तान हैं : दिग्गज क्रिकेटर

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर रिकी पोंटिंग ने भारतीय सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें बेहद प्रेरक व्यक्ति करार दिया जो अपने खेल को अच्छी तरह से समझता है। उन्होंने गिल को भारत का भविष्य का कप्तान भी करार दिया। भारत की वनडे टीम के उप कप्तान गिल इस समय बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी में बांग्लादेश के खिलाफ शतक बनाकर भारत की छह विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में विशेष कर आईपीएल सत्र के दौरान हमें एक दूसरे से मिलने का मौका मिला। मुझे उनका व्यवहार पसंद है। वह बेहद प्रेरित व्यक्ति लगता है जो बल्लेबाजी के साथ-साथ नेतृत्व के मामले में भी सर्वश्रेष्ठ बनना चाहता है। वह बहुत अच्छा इंसान है। एक बेहद मृदुभाषी व्यक्ति। वह खेल में जो कुछ हासिल करना चाहता है उसको लेकर बेहद प्रेरित है।'

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा कि वनडे प्रारूप गिल की बल्लेबाजी शैली के अनुरूप है और उम्मीद जताई कि यह 25 वर्षीय खिलाड़ी जल्द ही टेस्ट क्रिकेट में भी ऐसा प्रदर्शन करेगा। उन्होंने कहा, 'वह पिछले कुछ वर्षों से अंतरराष्ट्रीय स्तर का बेहतरीन खिलाड़ी है। वह टेस्ट क्रिकेट में वनडे की तरह प्रदर्शन नहीं कर पाया है लेकिन सीमित ओवरों की क्रिकेट में पिछले तीन-चार वर्षों में उसने बेजोड़ प्रदर्शन किया है।'

ऑस्ट्रेलिया / इंग्लैंड: डकेट ने चैंपियंस ट्रॉफी में रचा बड़ा इतिहास, 2 दशक पुराना रिकॉर्ड टूटा

लाहौर (एजेंसी)। लाहौर में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का मुकाबला खेला जा रहा है। उन्होंने लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की बखिया उधेड़ी और जबर्दस्त कारनामा अंजाम दिया। डकेट ने चैंपियंस ट्रॉफी इतिहास की सबसे बड़ी पारी खेलने का कमाल किया है। उन्होंने 143 गेंदों में 17 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 165 रन बनाए। चैंपियंस ट्रॉफी में पहली बार किसी बल्लेबाज ने 150 रनों का आंकड़ा छुआ है। डकेट से पहले टूर्नामेंट में सबसे बड़ी पारी का रिकॉर्ड नाथन एस्टल और एंडी फ्लावर के नाम दर्ज था।

डकेट ने दो दशक पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त कर डाला है। न्यजीलैंज के पूर्व सलामी बल्लेबाज एस्टल ने 2004 में आयोजित चैंपियंस ट्रॉफी में 151 गेंदों में नाबाद 145 रन बनाए थे, जिसमें 12 चौके और 6 छक्के शामिल थे। उन्होंने ये पारी द ओवल स्टेडियम में संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ खेली थी। वहीं, जिम्बाब्वे के पूर्व धाकड़ क्रिकेटर एंडी फ्लावर ने 2002 में भारत के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मैच में 164 गेंदों में 145 रन जुटाए थे। उन्होंने 13 चौके मारे थे। उनके बाद लिस्ट में पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली (नाबाद 141, साउथ अफ्रीका के खिलाफ), महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर (141, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ) और साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ (141, इंग्लैंड के खिलाफ)हैं।

वहीं मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के नुकसान पर 351 रन बनाए हैं। इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। फिल साल्ट (10) दूसरे ओवर में बेन ड्वार्शुइस का शिकार बन गए। विकेटकीपर जेमी स्मिथ (15) का बल्ला भी नहीं चला। ऐसे में डकेट और जो रूट ने बखूबी मोर्चा संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 158 रनों की दमदार साझेदारी की। रूट ने 78 गेंदों में चार चौकों की मदद से 68 रन बनाए। उन्हें एडम जम्बा ने 31वें एवर में एलबीडब्ल्यू किया। हैरी ब्रूक (3) सस्ते में आउट हुए। कप्तान जोस बटलर ने 23 और लियाम लिविंगस्टोन ने 14 रन का योगदान दिया। डकेट को मार्न लाबुशेन ने 48वें ओवर में पवेलियन भेजा।

शमी ने 9 किलो वजन किया कम, जाने कौन सा डाइट प्लान कर रहे फालो

मुंबई । चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले महामुकाबले का हर भारतीय को बेसब्री से इंतजार है। यह हाई-वोल्टेज मैच रविवार को दुबई में खेला जाएगा। इस बीच भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का एक इंटरव्यू सामने आया है, जिसमें उन्होंने फिटनेस और डाइट को लेकर बड़ा खुलासा किया है। शमी ने बताया कि उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी के लिए नौ किलो वजन कम किया है। शमी का यह इंटरव्यू पूर्व भारतीय क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू और आकाश चोपड़ा ले रहे थे। बातचीत के दौरान सिद्धू ने शमी से वजन कम करने को लेकर सवाल किया। इस पर शमी ने चौंकाते हुए कहा, पा जी, नौ किलो कम किया है। यह सुनकर सिद्धू भी हंस पड़े और उनकी मेहनत की तारीफ की। शमी ने अपनी वजन घटाने की यात्रा के बारे में बताया कि जब वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) पहुंचे थे, तब उनका वजन करीब 90 किलो था। यह उनके लिए एक चुनौतीपूर्ण स्थिति थी। लेकिन उन्होंने अपने डाइट प्लान और अनुशासन का प्लान किया। उन्होंने बताया कि वह मीठे और अधिक कैलोरी वाली चीजों से पूरी तरह दूर रहे हैं। सबसे खास बात यह है कि शमी केवल एक वक्त खाना खाते हैं। उन्होंने बताया कि 2015 के बाद से ही उन्होंने अपना डाइट पैटर्न ऐसा बना लिया है कि वह ब्रेकफास्ट और लंच नहीं करते, बल्कि केवल रात का भोजन करते हैं। इससे उन्हें वजन नियंत्रण में मदद मिली और उनकी फिटनेस भी बेहतर हुई।

मुम्बई इंडियंस की नई जर्सी का अनावरण

मुम्बई। अगले माह 22 मार्च से शुरु हो रही आईपीएल 2025 के लिए मुंबई इंडियंस ने अपनी जर्सी का अनावरण किया है। जर्सी के अनावरण समारोह में कप्तान हार्दिक पांड्या, सहित कई खिलाडी नजर आ रहे हैं। हार्दिक ने इस दौरान एक संदेश भी दिया। उन्होंने रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा के साथ ही मुंबई की गौरवशाली विरासत को बनाए रखने का वादा किया। पांड्या ने कहा, फ्प्यारे पल्टन, 2025 हमारे लिए विरासत को वहां ले जाने का अवसर है, जहां इसका अधिकार है। नीले और सुनहरे रंग की जर्सी पहनकर हम मुंबई की तरह खेलने के लिए मैदान में उतरेंगे। यह सिर्फ हमारी जर्सी नहीं है। यह आपसे एक वादा है। इस जर्सी में मुंबई इंडियंस के सार का प्रतीक नीला और सुनहरा रंग बनाये रखा गया है। इसमें नीला रंग भरोसे, आत्मविश्वास और टीम की असीम क्षमता को दिखाता है, जबकि सुनहरा गौरव, उपलब्धि और उत्कृष्टता की निरंतर खोज के बारे में बताता है। यह टीम के निडर क्रिकेट को जारी रखने का वादा भी करता है। अगर आपको यह जर्सी खरीदनी है तो हमारी पलटन की दुकान पर ये मिल सकती है। इसकी कीमत 4,999 रुपये से 2,499 रुपये के बीच है.

मुंबई टीम = हार्दिक पंड्या (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, नमन धीर, रॉबिन मिंज, कर्ण शर्मा, रेयान रिकेल्टन, दीपक चाहर, अल्लाह गजनफर, विल जैक्स, अश्विनी कुमार, मिचेल सेंटनर, रीस टॉपली, कृष्णन श्रीजीत, राज अंगद बावा, सत्यनारायण राजू, बेवॉन जैकब्स, अर्जुन तेंदुलकर।

52 वर्षीय राहुल द्रविड़ क्रिकेट में लौटे, बेटे अन्वय के साथ खेले; आउट हुए

बेंगलुरु (एजेंसी)। राहुल द्रविड़ ने मैदान पर वापसी की और वे अपने बेटे अन्वय द्रविड़ के साथचस्ट्र लीग गेम में शामिल हुए। राहुल के दो बेटे हैं, अन्वय और समित। दोनों ही क्रिकेटर हैं। समित एक ऑलराउंडर हैं जबकि अन्वय विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं। राहुल ने अपने करियर में एक निश्चित अवधि के लिए विकेटकीपिंग भी की।

अन्वय ने हाल ही में विजय मर्चेंट ट्रॉफी में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने अंडर-14 क्रिकेट में अपनी राज्य टीम का नेतृत्व किया है। समित ने कर्नाटक के लिए आयु-समूह क्रिकेट भी खेला है। जूनियर क्रिकेट में उनकी सफलता ने उन्हें 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए भारत की अंडर-19 क्रिकेट टीम में चुना, लेकिन चोट के कारण वे बाहर हो गए।

राहुल द्रविड़ जल्दी आउट हुए

राहुल का प्रदर्शन यादगार नहीं रहा क्योंकि वे लीग गेम में जल्दी आउट हो गए। टेस्ट और वनडे में 10,000 से अधिक रन बनाने वाले दो भारतीय बल्लेबाजों में से एक राहुल 10 रन बनाकर आउट हो गए। अन्वय ने बल्ले से कमाल दिखाया और उन्होंने 58 रनों की पारी खेली। राहुल का अपने बेटे के साथ खेलने के लिए मैदान पर वापसी करना अन्वय के लिए एक सपना सच होने जैसा होगा।

कई अन्य क्रिकेटरों के विपरीत राहुल अपने संन्यास के बाद से ऑन-फील्ड एक्शन से दूर रहे हैं और उन्होंने किसी भी लीजेंड्स लीग में हिस्सा नहीं लिया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने कमेंट्री और कोचिंग का काम संभाला। एनसीए के प्रमुख बनने से पहले द्रविड़ ने लगभग 4 साल तक भारत की जूनियर टीम को कोचिंग दी। उन्होंने 2021 से 2024 तक टीम इंडिया को कोचिंग दी। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स में जाने से पहले आईपीएल 2014 और 2015 में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के मुख्य कोच के रूप में भी काम किया। राहुल ने भारत के साथ अपने कार्यकाल की समाप्ति के बाद आरआर में वापसी की और वह एक बार फिर उनके कोचिंग स्टाफ का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। द्रविड़ कुमार संगकारा के साथ काम करेंगे, जिन्होंने आरआर के कोच के रूप में अच्छा काम किया है। आरआर ने आईपीएल 2008 की जीत के बाद से मायावी ट्रॉफी नहीं जीती है।

सितंबर में होगी जूनियर विश्व कप निशानेबाजी

नई दिल्ली । भारत इस साल 24 सितंबर से 2 अक्टूबर तक जूनियर विश्व कप निशानेबाजी की मेजबानी करेगा। विश्व कप निशानेबाजी में राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगितायें । यह हाल के दिनों में का तीसरा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) का टूर्नामेंट होगा जो भारत में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय महासंघ के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, ''पिछले महीने रोम में आईएसएसएफ की कार्यकारी समिति की एक सार्थक बैठक हुई थी और सभी सदस्य महासंघों के अलावा आईएसएसएफ अध्यक्ष लुसियानो रॉसी ने भारत की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने और खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने में सहायता करने के तरीके की प्रशंसा की थी।'' उन्होंने कहा, ''हमें तब इसकी उम्मीद थी पर अब जब मेजबानी मिलने की आधिकारिक पुष्टि हो गई है तो हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं।'' वहीं भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के महासचिव सुल्तान सिंह ने कहा, ''आईएसएसएफ ने अपने पत्र में हमसे दो संभावित समय की पुष्टि करने का अनुरोध किया है जिसमें एक सितंबर-अक्टूबर में और दूसरा अक्टूबर के अंत तथा नवंबर की शुरुआत के दौरान है। हम आंतरिक रूप से बैठक के बाद शीघ्र ही उन्हें इसके बारे में बताएंगे जिससे सदस्य महासंघ इसके अनुसार तैयारी कर सकें।'' इससे पहले भारत ने दो महाद्वीपीय चैंपियनशिप और छह आईएसएसएफ प्रतियोगिताओं की मेजबानी की थी जिसमें दो विश्व कप फाइनल प्रतियोगितायें और चार सीनियर आईएसएसएफ विश्व कप शामिल हैं। साल 2023 में सीनियर विश्व कप भी भारत में हुआ था!

लेग स्पिनरों के खिलाफ खुलकर खेलें विराट : हरभजन सिंह

नई दिल्ली । भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को सलाह दी है कि वह लेग स्पिनरों के खिलाफ खुलकर खेलें और अपने खेल का आनंद लें। हरभजन सिंह ने कहा, मुझे लगता है कि धीमी गति के गेंदबाजों, खासकर लेग स्पिनरों ने कोहली को कुछ हद तक परेशान किया है। उन्हें इस समस्या के खिलाफ कोई ठोस योजना बनानी होगी। जब फॉर्म साथ नहीं होता, तो खिलाड़ी ज्यादा समय लेते हैं और अपनी पारी को संभालने में संघर्ष करते हैं। विराट कोहली के साथ भी यही हो रहा है। क्रिकेट एक अद्भुत खेल है, जहां आपकी प्रतिष्ठा मायने नहीं रखती, बल्कि आपका वर्तमान प्रदर्शन आपको आगे लेकर जाता है। उन्होंने आगे कहा, कोहली फंस रहे हैं क्योंकि वह जरूरत से ज्यादा समय ले रहे हैं। मेरा मानना है कि उन्हें खुद पर भरोसा करने की जरूरत है और अपनी स्वाभाविक शैली में खेलने की आवश्यकता है। उन्हें किसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। अगर वह आज संन्यास भी ले लेते हैं, तो भी उनकी गिनती महानतम बल्लेबाजों में होगी। उन्हें बस अपने खेल का आनंद लेने, दिमाग से अतिरिक्त दबाव हटाने और खुलकर बल्लेबाजी करने की जरूरत है। हरभजन की इस सलाह से साफ है कि वह चाहते हैं कि कोहली बिना किसी मानसिक अवरोध के बल्लेबाजी करें और अपने पुराने अंदाज में लौटें। मालूम हो कि भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पिछले कुछ समय से लेग स्पिनरों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। मौजूदा समय में उनकी स्पिन के खिलाफ कमजोरी इस कदर जाहिर हो चुकी है कि विपक्षी टीमें उनके क्रीज पर आते ही स्पिनर को गेंद थमा देती हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दूसरे मुकाबले में बांग्लादेश के खिलाफ भी यही देखने को मिला, जब वह लेग स्पिनर रिशाद हुसैन की गेंद पर 38 गेंदों में 22 रन बनाकर आउट हो गए। दुबई में खेले गए इस मुकाबले में कोहली ने स्पिन के खिलाफ 10 डॉट गेंदें खेलीं और स्ट्राइक रोटेट करने में असफल रहे। शुभमन गिल के साथ उनकी साझेदारी के दौरान भी यह समस्या देखने को मिली, जिससे कोहली लगातार दबाव में नजर आए।

रांची को आईपीएल मैच नहीं मिलने से प्रशंसकों में निराशा

रांची । अगले माह मार्च में होने वाले आईपीएल के आयोजन स्थलों में रांच को शामिल नहीं किये जाने से यहां के क्रिकेट प्रशंसकों में निराशा छायी हुई है। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह का घर रांची में होने के कारण यहां पर क्रिकेट के प्रति लोगों में जबरदस्त दीवानगी है। इसके बाद भी इस शहर को पिछले 3 साल से एक भी आईपीएल मैच की मेजबानी नहीं मिल है। इसको लेकर आई एक रिपोर्ट के अनुसार रांची को आईपीएल मैच न मिलने की वजह है की झारखंड क्रिकेट बोर्ड (जेएससीए) में अभी ऐसी कोई अधिकारी नहीं, जो बीसीसीआई के सामने पूरे दमदार तरीके से रांची का पक्ष रखे। वहीं इससे पहले जब तक जेएससीए में अमिताभ चौधरी थे तो वह मजबूती से रांची का पक्ष रखते थे जिससे शहर को मेजबानी मिलती थी। अमिताभ चौधरी बीसीसीआई में भी रहे हैं। उनके समय में रांच के जेएससीए स्टेडियम को एक न एक आईपीएल मैच मिलता ही था। वहीं प्रशंसकों का मानना है कि बीसीसीआई को जेएससीए स्टेडियम का भी ध्यान रखना चाहिये क्योंकि यहां से भी क्रिकेट की कई प्रतिभाएं निकल सकती हैं।

2026 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीतना है लक्ष्य : चित्रावेल

विजयनगर (एजेंसी)। एथलीट प्रवीण चित्रावेल का लक्ष्य अगले साल स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। प्रवीण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 की त्रिकूद स्पर्धा में कांस्य से सिर्फ तीन सेंटीमीटर पीछे रहे थे। वह 16.89 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ इन खेलों में चौथे स्थान पर रहा था जबकि बरमूडा के जाह-एनहाई पेरिनचीफ ने 16.92 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रवीण का लक्ष्य इस साल 17.37 मीटर के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करने का है जिससे वह ग्लास्गो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल कर सकें।

प्रवीण ने कहा, 'मैं अब भी और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रयास कर रहा हूं, जैसे ओलंपिक, विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल आदि। मैं एशियाई खेलों का पदक विजेता हूं, मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में दो सेंटीमीटर (तीन सेंटीमीटर) से पदक खो दिया था। मैंने एशियाई इंडोर चैंपियनशिप का पदक, और युवा ओलंपिक का पदक जीता है।

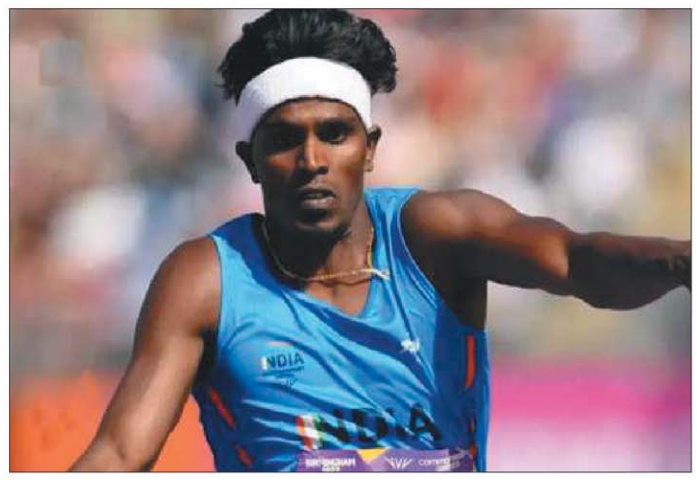

इस एथलीट ने कहा, 'मुझे भरोसा है कि मैं एशियाई खेल आइची-नागोया 2026 में पदक जीतूंगा पर मैं राष्ट्रमंडल खेलों 2026 में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं, निश्चित रूप से राष्ट्रमंडल खेलों की वजह से मैं अब भी ठीक से सो नहीं सकता। राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में 23 जुलाई से दो अगस्त 2026 तक किया जाएगा जबकि आइची-नागोया 2026 एशियाई खेल जापान में 17 सितंबर से चार अक्टूबर क होंगे। के प्रवीण ने कहा कि इस वह 2025 में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 17.37 मीटर है, यह एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड है इसलिए मैं फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं। मैंने 2023 में ऐसा किया था और 2025 में फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं। प्रवीण ने कहा, 'मैं इस साल विश्व इंडोर चैंपियनशिप, एशियाई चैंपियनशिप, विश्व ओपन चैंपियनशिप और फिर डाइमंड लीग पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। प्रवीण ने 2023 में क्यूबा के हवाना में प्रूएबा डि कनफ्रोनटेसिन एथलेटिक्स मीट में 17.37 मीटर के प्रयास से स्वर्ण पदक जीतते हुए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था।

संक्षिप्त समाचार

मध्य इजराइल में कई बसों में विस्फोट, आतंकी हमले का संदेह : पुलिस

बैट याम (इजराइल), एजेंसी। इजराइली पुलिस ने कहा कि गुरुवार शाम को केंद्रीय शहर बैट याम में कई बसों में विस्फोट हुए, जिसे उन्होंने आतंकवादी हमला बताया. एक अधिकारी ने कहा कि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ. पुलिस ने एक बयान में कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार एक संदिग्ध आतंकवादी हमले की जानकारी मिली है. बैट याम में विभिन्न स्थानों पर कई बसों में विस्फोट की कई रिपोर्ट है. बयान में कहा गया है कि संदिग्धों की तलाश के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किए गए हैं. इसमें कहा गया है कि पुलिस की बम निरोधक इकाइयां अतिरिक्त संदिग्ध वस्तुओं की तलाश कर रही हैं. हम लोगों से आग्रह करते हैं कि वे उन क्षेत्रों से बचें और किसी भी संदिग्ध वस्तु के प्रति सतर्क रहें. बैट याम के मेयर त्ज्विका ब्रॉट ने एक वीडियो बयान में कहा कि विस्फोट दो अलग-अलग पार्किंग स्थलों में दो बसों में हुए. ब्रॉट ने कहा कि इन घटनाओं में कोई हताहत नहीं हुआ है. उन्होंने कहा कि विस्फोटों के कारण अभी भी स्पष्ट नहीं हैं. कुछ इजरायली नेटवर्क द्वारा प्रसारित टेलीविजन फुटेज में एक पूरी तरह जली हुई बस दिखाई गई, जबकि दूसरी बस में आग लगी हुई थी. इजरायली मीडिया ने कहा कि देश भर के बस चालकों को अतिरिक्त संभावित विस्फोटक उपकरणों के लिए अपनी बसों को रोकने और उनकी जांच करने के लिए कहा गया है।

जोहान्सबर्ग में एस. जयशंकर ने रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से की मुलाकात, भारत-रूस सहयोग पर चर्चा

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में आयोजित जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। इस बैठक में दोनों नेताओं ने भारत-रूस द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की और यूक्रेन संकट सहित वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। जयशंकर ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर जानकारी देते हुए कहा कि उन्हें सर्गेई लावरोव से मुलाकात कर खुशी हुई और उन्होंने रूस-भारत सहयोग की प्रगति को लेकर बातचीत की। रूसी विदेश मंत्रालय ने भी सोशल मीडिया 'एक्स' पर इस बैठक की जानकारी साझा करते हुए लिखा कि रूस और भारत के विदेश मंत्रियों ने जी20 मंत्री स्तरीय बैठक के दौरान मुलाकात की। इससे पहले जयशंकर ने सिंगापुर और ब्राजील के विदेश मंत्रियों से भी अलग-अलग बातचीत की। उन्होंने सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन के साथ भारत-सिंगापुर द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने तथा वैश्विक स्थिति पर चर्चा की। इस बातचीत को लेकर जयशंकर ने कहा, सिंगापुर के विदेश मंत्री के साथ अच्छी चर्चा हुई। इस बार जोहान्सबर्ग में जी20 बैठक के दौरान हमने वैश्विक स्थिति और आपसी सहयोग पर बात की। जयशंकर दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए दो दिवसीय दौरे पर हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) के मुताबिक इस बैठक में भारत की भागीदारी जी20 देशों के साथ सहयोग को मजबूत करेगी और वैश्विक दक्षिण की आवाज को सशक्त बनाएगी। बता दें कि दक्षिण अफ्रीका ने 1 दिसंबर 2024 से नवंबर 2025 तक जी20 की अध्यक्षता संभाली है और इस वर्ष की थीम एकजुटता, समानता और स्थिरता रखी गई है।

श्रीलंका में यात्री ट्रेन से टकराने के बाद छह हाथियों की मौत

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में एक वन्यजीव अभयारण्य के पास एक यात्री ट्रेन के झुंड से टकराने से कम से कम छह हाथियों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, राजधानी कोलंबो से लगभग 200 किलोमीटर (124 मील) दूर मिननेरिया के पास हुई टक्कर में चार हाथियों के बच्चे और दो वयस्कों की मौत हो गई। सरकार के वन्यजीव विभाग के प्रवक्ता हसिनी सरथचंद्र ने कहा कि यह क्षेत्र अपने प्राकृतिक पार्क और वन्यजीवों के लिए प्रसिद्ध है। स्थानीय टेलीविजन चैनलों ने दिखाया कि टक्कर के बाद ट्रेन का इंजन और कई डिब्बे पटरी से उतर गए। एक रेलवे अधिकारी ने कहा कि कोई यात्री घायल नहीं हुआ, जिन्होंने नाम बताने से इनकार कर दिया क्योंकि उन्हें मीडिया से बात करने की अनुमति नहीं थी। सरथचंद्र ने कहा कि वन्यजीव विभाग ने घटना की जांच शुरू कर दी है। मिननेरिया राष्ट्रीय उद्यान में हर साल हजारों पर्यटक हाथियों को उनके जंगली आवासों में देखने की उम्मीद में आते हैं। यह हाथी गलियारे का हिस्सा है जो कौदुल्ला और वासगामुवा राष्ट्रीय उद्यानों को जोड़ता है।

भारतीय जीवविज्ञानी, वन्यजीव संरक्षणकर्ता को सम्मान; पूर्णिमा बनीं टाइम वुमन ऑफ द ईयर 2025

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत की जीवविज्ञानी और वन्यजीव संरक्षणकर्ता पूर्णिमा देवी बर्मन को टाइम मैगजीन की वुमन ऑफ द ईयर 2025 सूची में शामिल किया गया है। यह सूची दुनिया की उन 13 महिलाओं को सम्मानित करती है, जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए काम कर रही हैं। पूर्णिमा देवी बर्मन इस सूची में शामिल होने वाली एकमात्र भारतीय महिला हैं। उनके साथ हॉलीवुड अभिनेत्री निकोल किडमैन और फ्रांस की गिसेल पेलिकोट भी इस सूची में शामिल हैं, जिन्होंने महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा के खिलाफ आवाज उठाई है।

पूर्णिमा को पर्यावरण संरक्षण का जुनून : साल 2007 में एक घटना ने पूर्णिमा देवी बर्मन का जीवन बदल दिया। जब उन्हें खबर मिली कि असम में एक पेड़ काटा जा रहा है, जिस पर हर्गिला पक्षी (ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क) के घोंसले थे। जब उन्होंने पेड़ काटने का कारण पूछा, तो वहां मौजूद लोग उनका मजाक उड़ाने लगे। लेकिन उनके मन में सिर्फ उन पक्षियों का ख्याल आया, जिनके छोटे-छोटे बच्चे घोंसले में थे। उन्होंने महसूस किया कि प्रकृति की रक्षा करना उनका कर्तव्य है और यहीं से उनके मिशन की शुरुआत हुई।

हर्गिला पक्षी के संरक्षण से बदली तस्वीर : उस समय असम में केवल 450 हर्गिला पक्षी बचे थे, लेकिन आज इनकी संख्या बढ़कर 1,800 से ज्यादा हो गई है। उनके प्रयासों की बदौलत 2023 में इस पक्षी की स्थिति इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) की लिस्ट में लुप्तप्राय से बदलकर निकट संकटग्रस्त कर दी गई।

हर्गिला आर्मी का अनोखा अभियान : दरअसल, पूर्णिमा देवी बर्मन ने इन पक्षियों को बचाने के लिए महिलाओं की एक टीम बनाई, जिसे हर्गिला आर्मी नाम दिया। इस समूह में 20 हजार से ज्यादा महिलाएं शामिल हैं, जो पक्षियों की रक्षा करने के साथ-साथ लोगों को इनके महत्व के बारे में जागरूक करती हैं। अब यह अभियान असम से भारत के अन्य हिस्सों और कंबोडिया तक फैल चुका है। यहां तक कि फ्रांस के स्कूलों में भी उनके काम को पढ़ाया जा रहा है।

संस्कृति का हिस्सा बना हर्गिला पक्षी : पूर्णिमा देवी बर्मन ने हर्गिला पक्षी को लोगों की संस्कृति से जोड़ने के लिए कई तरीके अपनाए हैं। जिसमें महिलाएं हर्गिला पक्षी की डिजाइन वाली साड़ियां और शॉल बुनकर आजीविका कमा रही हैं। इसके अलावा, गाने, उत्सव और यहां तक कि नवजात हर्गिला चूजों के लिए बेबी शॉवर भी आयोजित किए जाते हैं। इस पर पूर्णिमा का कहना है कि, अब यह पक्षी हमारी परंपरा और संस्कृति का हिस्सा बन चुका है।

महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण का उदाहरण : टाइम मैगजीन ने कहा कि वुमन ऑफ द ईयर सूची में उन्हीं महिलाओं को जगह दी जाती है, जो महिलाओं और लड़कियों की जिंदगी में बदलाव ला रही हैं। पूर्णिमा देवी बर्मन न सिर्फ पर्यावरण संरक्षण कर रही हैं, बल्कि महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बना रही हैं। उनका काम आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है।

इस्राइल में शुरू हुआ भारतीय फिल्म महोत्सव

येरूशलम, एजेंसी। भारत को वैश्विक फिल्म निर्माण केंद्र बनाने के सरकारी प्रयासों और 'वेव्स 2025' की तैयारी के बीच इस्राइल में भारतीय फिल्म महोत्सव की शुरुआत हुई। फिल्म निर्माता किरण राव की फीचर फिल्म 'लापता लेडीज' की स्क्रीनिंग के साथ शुरू हुए इस महोत्सव में 'दंगल', 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा', 'मिमी', 'इंग्लिश विंग्लिश' और '777 चार्ली' जैसी पांच अन्य फिल्मों को भी दिखाया जाएगा। महोत्सव आठ मार्च को समाप्त होगा।

अस्पताल मे भर्ती पोप से मिलीं इटली की प्रधानमंत्री मेलनी

रोम, एजेंसी। निमोनिया से पीड़ित पोप फ्रांसिस (88) के स्वास्थ्य की जानकारी लेने इटली की पीएम जियोर्जिया मेलनी अस्पताल पहुंचीं। मेलनी ने कहा, पोप बातचीत कर रहे हैं और 'ब्रोंकाइटिस' संक्रमण के कारण पिछले छह दिन से अस्वस्थ हैं। उन्होंने कहा, वह और पूरा देश पोप के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहा है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी पोप के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। वेंस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, आइए, हम सभी पोप फ्रांसिस के लिए प्रार्थना करें।

डॉनल्ड ट्रंप के कट्टर समर्थक और वफादार काश पटेल बने एफबीआई के नौवें निदेशक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अपने वफादार और भारतीय मूल के काश पटेल को फेडरल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन (एफबीआई) के नौवें निदेशक के रूप में नियुक्त किया है. राष्ट्रपति के सहायक और व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ डैन स्कैविनो ने इस बात की पुष्टि की है. बता दें, इस नियुक्ति को अमेरिका की शीर्ष जांच एजेंसी की नेतृत्व संरचना में बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है. स्केविनो ने आगे कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने ओवल ऑफिस में एक समारोह में पटेल के कमीशन पर हस्ताक्षर किए हैं. जानकारी के मुताबिक ट्रंप के कट्टर समर्थक माने जाने वाले काश पटेल की नियुक्ति के लिए अमेरिकी सीनेट ने 49 के मुकाबले 51 मतों से मंजूरी दी है. सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए स्कैविनो ने लिखा कि कुछ समय पहले ओवल ऑफिस में संघीय जांच ब्यूरो के नौवें निदेशक, काश पटेल को बधाई. उन्होंने आगे लिखा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने आधिकारिक तौर पर आयोग पर हस्ताक्षर कर दिए हैं.

वहीं, व्हाइट हाउस ने नए एफबीआई निदेशक के रूप में काश पटेल की नियुक्ति का स्वागत किया और इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईमानदारी बहाल करने और कानून के शासन को कायम रखने के एजेंडे को क्रियान्वित करने में एक महत्वपूर्ण कदम बताया. व्हाइट हाउस ने इस बात पर भी जोर दिया कि एफबीआई अब निष्पक्ष और बिना किसी पूर्वाग्रह के न्याय लागू करने के अपने मूल मिशन पर ध्यान केंद्रित करेगी. पोस्ट में लिखा गया कि एफबीआई अमेरिकी लोगों की सेवा करेगी और अपने मूल मिशन पर ध्यान केंद्रित करेगी।

अजरबैजान ने बीबीसी न्यूज के संचालन पर लगाई रोक

बाकू, एजेंसी। अजरबैजान ने बृहस्पतिवार को अपने देश में बीबीसी न्यूज के संचालन पर रोक लगा दी। अजरबैजान के विदेश मंत्रालय ने एक आदेश में कहा कि वह देश में सिर्फ एक पत्रकार को ही काम करने की अनुमति देगा। विदेश मंत्रालय ने इस निर्णय का कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि बाकू हमेशा विदेशी देशों के मीडिया के साथ अपने संबंधों और निर्णयों में पारस्परिकता के सिद्धांत का पालन करता है। हाल के वर्षों में अजरबैजान में प्रेस स्वतंत्रता के हालात खराब हुए हैं। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के अनुसार, वहां कम से कम 21 मीडिया पेशेवर वर्तमान में जेल में हैं। हालांकि, राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने पत्रकारों की गिरफ्तारी पर आलोचना को खारिज करते हुए कहा है कि अजरबैजान में एक स्वतंत्र प्रेस और स्वतंत्र इंटरनेट है। गौरतलब है कि बीबीसी की अजरबैजानी सेवा 1994 से संचालित हो रही है। प्रति सप्ताह औसतन 10 लाख लोगों तक इसक पहुंच है। यह निर्णय अजरबैजान में मीडिया स्वतंत्रता पर चल रही बहस को और बढ़ा सकता है।

सात लैटिन अमेरिकी संगठन आतंकी इकाई घोषित

ओटावा, एजेंसी। अमेरिका के बाद अब कनाडा ने भी 7 लैटिन अमेरिकी आपराधिक समूहों को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। यह कार्रवाई कनाडा की आपराधिक संहिता के तहत की गई है। नागरिक सुरक्षा मंत्री डेविड मैकगिन्टी ने कहा कि अब कनाडाई कानून प्रवर्तन एजेंसियां फेंटेनाइल तस्करी के खिलाफ मजबूती से कार्रवाई कर सकेंगी। आतंकवादी संगठनों की सूची में मैक्सिको के सिनालोआ कार्टेल, जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल और ला नुएवा फमिलिया मिचोआकाना को शामिल किया गया है। आतंकवादी समूहों के रूप में नामित अन्य संगठन मैक्सिको से कार्टेल डेल गोल्फो, कार्टेल्स यूनिडोस, वेनेजुएला में ट्रेन डी अरागुआ, मारा साल्वाट्रुचा और एमएस-13 शामिल हैं। एमएस-13 कैलिफोर्निया में शुरू हुआ, लेकिन वह अल-साल्वाडोर में एक प्रमुख आपराधिक ताकत के रूप में उभरा। ये उपाय फेंटेनाइल पर लगाम कसने में करेंगे मददः मैकगिन्टी नागरिक सुरक्षा मंत्री मैकगिन्टी ने इस संबंध में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने बताया कि ये उपाय कनाडा की सड़कों से फेंटेनाइल को दूर रखने और अमेरिका में प्रवेश करने से रोकने में मदद करेंगे। बैंक और ब्रोकरेज संस्थाओं की संपत्ति को करेंगे फ्रीज मैकगिन्टी ने कहा कि बैंक और ब्रोकरेज इन संस्थाओं की संपत्ति को फ्रीज कर देंगे, जिन्हें प्रतिबंधित या जब्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसी सूचीबद्ध आतंकवादी समूह की किसी भी गतिविधि में जानबूझकर भाग लेना या उसमें योगदान देना भी एक अपराध है। खुफिया रिपोर्टों के बाद की गई सूचिबद्ध करने की प्रक्रिया मैकगिन्टी ने बताया कि सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया खुफिया रिपोर्टों के बाद की गई, जिसमें यह देखा गया कि किसी

संगठन ने जानबूझकर आतंकवादी गतिविधि को अंजाम दिया है या अंजाम देने का प्रयास किया है। इसके अलावा, यह भी देखा गया कि क्या किसी संगठन ने आतंकवादी गतिविधि में भाग लिया है या उसे बढ़ावा दिया है। आतंकवादी संगठन को सूचिबद्ध करने के लिए अपनानी पड़ती है कठोर प्रक्रिया मैकगिन्टी ने कहा कि किसी समूह को आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध करने के लिए एक कठोर प्रक्रिया का पालन करना पड़ता है, जिसे कानूनी सीमा को पूरा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री को लगता है कि सीमा पार हो गई है, तो मंत्री संघीय कैबिनेट को यह सिफारिश कर सकते हैं कि संगठन को सूची में जोड़ा जाए। कनाडा में अपराध गिरोह के काम करने की पुख्ता जानकारीः डुहेम रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) आयुक्त माइक डुहेम ने कहा कि आरसीएमपी के पास खुफिया जानकारी है जो दर्शाती है कि कनाडा में अपराध गिरोह काम करते हैं। उन्होंने कहा, इस बात की भी पुख्ता खुफिया जानकारी है कि कनाडा में कुछ वस्तुओं के परिवहन को सुविधाजनक बनाने के लिए कनाडाई वास्तव में मैक्सिको और दक्षिण अमेरिका चले गए हैं। कनाडा ने केविन ब्रोसेउ को नियुक्त किया है फेंटेनाइल जार बता दें कि कनाडा ने हाल ही में आरसीएमपी के पूर्व सदस्य और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा और खुफिया सलाहकार केविन ब्रोसेउ को अमेरिका में ड्रग्स के प्रवेश को रोकने में मदद करने के लिए अपना फेंटेनाइल जार नियुक्त किया है।

तीसरा विश्व युद्ध होने से किसी को कोई लाभ नहीं है, यह भी सच है कि आप इससे बहुत दूर नहीं हैं: डोनाल्ड ट्रंप

मियामी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को मियामी में एफआईआई प्राथमिकता शिखर सम्मेलन में बोलते हुए चेतावनी दी कि तीसरा विश्व युद्ध दूर नहीं है. हालांकि, उन्होंने दावा किया कि उनके नेतृत्व में अमेरिका इसे रोकेगा. ट्रंप ने कहा कि अगर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का प्रशासन जारी रहता, तो दुनिया में युद्ध हो रहा होता. उन्होंने कहा कि तीसरा विश्व युद्ध होने से किसी को कोई लाभ नहीं है लेकिन यह भी सच है कि आप इससे बहुत दूर नहीं हैं.

मैं आपको अभी बताता हूं. आप इससे बहुत दूर नहीं हैं. ट्रंप ने कहा कि हालांकि अमेरिका इनमें से किसी भी युद्ध में भाग नहीं लेगा, लेकिन वह उन्हें रोक देगा. उन्होंने कहा कि हम लोगों को इन मूर्खतापूर्ण, कभी न खत्म होने वाले युद्धों से रोकेंगे. हम खुद उनमें हिस्सा नहीं लेंगे, लेकिन हम किसी से भी कहीं ज्यादा मजबूत और शक्तिशाली होंगे. अगर कभी युद्ध हुआ, तो कोई भी हमारे करीब नहीं आ पाएगा, लेकिन हमें नहीं लगता कि ऐसा कभी होने वाला है.

ट्रंप ने एक्स पर एक पोस्ट में एलन मस्क

को उद्धृत किया और कहा कि एलन मस्क यूक्रेन पर राष्ट्रपति की सहज बुद्धि बिल्कुल सही है. यह वास्तव में दुखद है कि इतने सारे माता-पिता ने अपने बेटों को खो दिया है, और इतने सारे बेटों ने अपने पिता को इस निरर्थक युद्ध में खो दिया है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को यूक्रेन में चल रहे युद्ध को लेकर यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की पर निशाना साधा और कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने यूरोप की तुलना में 200 बिलियन अमरीकी डॉलर ज्यादा खर्च किए हैं, जबकि यूरोप का वित्तीय योगदान गारंटीकृत है और अमेरिका को कोई रिटर्न नहीं मिला.

ट्रंप ने जेलेंस्की पर आरोप लगाया कि उन्होंने अमेरिका को एक ऐसे युद्ध में अरबों डॉलर निवेश करने के लिए राजी किया, जिसके बारे में उनका मानना था कि उसे जीता नहीं जा सकता. उन्होंने संसाधनों के आवंटन और यूरोप के बराबर वित्तीय योगदान की कमी पर सवाल उठाए.

ट्रंप ने जेलेंस्की को बिना चुनाव वाला तानाशाह भी कहा. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट शेयर करते हुए ट्रंप ने लिखा कि जरा सोचिए, एक मामूली सफल कॉमेडियन वोलोडिमिर जेलेंस्की ने अमेरिका को 350 बिलियन डॉलर खर्च करने के लिए राजी किया, ताकि वह एक ऐसे युद्ध में जा सके, जिसे जीता नहीं जा सकता, जिसे कभी शुरू ही नहीं करना था, लेकिन एक ऐसा युद्ध जिसे वह अमेरिका और ट्रंप के बिना कभी सुलझा नहीं पाएंगे.

ओडिशा में नेपाली छात्रा की मौत से जुड़ा मुद्दा राजनयिक माध्यम से सुलझा लिया गयाः देउबा

काठमांडू , एजेंसी। नेपाल की विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा ने गुरुवार को कहा कि सरकार ने ओडिशा के एक विश्वविद्यालय में पढ़ाई करने वाली एक नेपाली छात्रा की मौत से उत्पन्न मुद्दे को राजनयिक माध्यम से सुलझा लिया है. देउबा ने ओमान से यहां आने पर त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर मीडिया से कहा, ''नेपाल सरकार ने स्थिति को गंभीरता से लेते हुए राजनयिक माध्यम से, केआईआईटी (कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी) ओडिशा में एक नेपाली छात्रा की हुई मौत से जुड़ी समस्या का समाधान कर लिया है. देउबा आठवें हिंद महासागर शिखर सम्मेलन में भाग लेने ओमान गई थीं.

विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि उन्होंने इस मामले के संबंध में ओडिशा के उच्च शिक्षा मंत्री सूर्यवंशी सूरज से बात की है और छात्रा की मौत की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की है. साथ ही, उन्होंने नेपाली छात्रों के अपने छात्रावासों में लौटने और कक्षाओं में उनके फिर से शामिल होने के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया है. उन्होंने कहा कि नेपाल के विदेश मंत्रालय की पहल के बाद ओडिशा सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और एक उच्च स्तरीय जांच समिति भी गठित की है. देउबा ने कहा, ''संस्थान ने इस घटना के लिए माफी मांगी है और नेपाली छात्रों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले अपने कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की है.'' ओडिशा के

केआईआईटी में बीटेक (कंप्यूटर साइंस) की तीसरे वर्ष की छात्रा 16 फरवरी को अपने छात्रावास के कमरे में मृत मिली थी, जिसके बाद परिसर में अशांति फैल गई. केआईआईटी में करीब 1,000 नेपाली छात्र पढ़ाई कर रहे हैं. इस बीच, केआईआईटी यूनिवर्सिटी से कथित रूप से निष्कासित 95 नेपाली छात्र परसा जिले स्थित बीरगंज सीमा के रास्ते घर लौट आए हैं. बता दें कि बुधवार को काठमांडू में भारतीय दूतावास ने कहा था कि ओडिशा सरकार ने उच्च शिक्षा विभाग को एक नोटिस जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि ''उसने घटना से प्रभावित छात्रों की सुरक्षा, उनकी सुरक्षित वापसी और उनके शैक्षणिक हितों की रक्षा के लिए एक हेल्प डेस्क का गठन किया है।

जेलेंस्की के शांति वार्ता दृष्टिकोण से निराश हैं डोनाल्ड ट्रंपः माइक वाल्ट्ज

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणी के बाद, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) माइक वाल्ट्ज ने इस बात पर जोर दिया कि ट्रंप का लक्ष्य युद्ध को समाप्त करना है. उन्होंने शांति वार्ता के अवसर का लाभ न उठाने के लिए जेलेंस्की की आलोचना की. गुरुवार को मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए वाल्ट्ज ने कहा कि उनका (राष्ट्रपति ट्रंप) लक्ष्य इस युद्ध को समाप्त करना है. दोनों पक्षों में लड़ाई जारी है. यह प्रथम विश्व युद्ध शैली का युद्ध है. उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के मन में राष्ट्रपति जेलेंस्की के प्रति उनकी निराशा कई गुना है. राष्ट्रपति ट्रंप के लिए कीव से आने वाली कुछ बयानबाजी और अपमान अस्वीकार्य हैं. राष्ट्रपति ट्रंप राष्ट्रपति जेलेंस्की से बहुत निराश हैं क्योंकि वह बातचीत के लिए तैयार नहीं हुए हैं. वह हमारे द्वारा दिए गए इस अवसर को लेने के लिए तैयार नहीं हैं. वाल्ट्ज ने कहा कि मुझे लगता है कि वह जल्द ही मुद्दे पर आ जाएंगे. वाल्ट्ज ने युद्ध और नाटो के रक्षा प्रयासों का समर्थन करने में अमेरिका के वित्तीय बोझ पर बढ़ती चिंताओं को भी उजागर किया. उन्होंने कहा कि हमने वर्षों से यह भी स्पष्ट कर दिया है कि यह अस्वीकार्य है कि अमेरिका और उसके करदाता न केवल यूक्रेन में युद्ध की लागत बल्कि यूरोप की रक्षा का भी बोझ उठाते रहें है. उन्होंने कहा कि हम अपने नाटो सहयोगियों

और अनुच्छेद 5 की प्रतिबद्धता का पूरा समर्थन करते हैं, लेकिन अब समय आ गया है कि हमारे नाटो सहयोगी आगे आएं. हम नाटो शिखर सम्मेलन में प्रवेश करने जा रहे हैं, जिसमें हमारे एक तिहाई नाटो सहयोगी अभी भी 2 प्रतिशत न्यूनतम को पूरा नहीं कर पाए हैं. हमारी अपनी घरेलू प्राथमिकताएं हैं. राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे स्पष्ट कर दिया है. यूरोप को एक भागीदार के रूप में अपनी रक्षा के लिए आगे आने की जरूरत है. हम मित्र और सहयोगी हो सकते हैं और उन कठिन बातचीत कर सकते हैं. उन्होंने आगे कहा कि जब राष्ट्रपति ट्रंप ने राष्ट्रपति पुतिन से बात की और उसके तुरंत बाद राष्ट्रपति जेलेंस्की से बात की. हमने अभी-अभी अपनी ऐतिहासिक वार्ता की, जिसकी मध्यस्थता हमारे अच्छे मित्र और भागीदार- सऊदी अरब ने की, जिसके लिए हम क्राउन प्रिंस को मेजबानी के लिए धन्यवाद देते हैं. उन्होंने कहा कि हमने कई वर्षों में पहली बार रूसियों के साथ बैठकर शांति के साथ आगे बढ़ने के बारे में बात की।

बेलगावी में मराठी नहीं बोलने पर केआरटीसी के बस कंडक्टर की पिटाई

बेलगावी। कर्नाटक रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (केआरटीसी) के बस कंडक्टर पर बेलगावी में मराठी में बात नहीं करने पर लोगों ने उसकी पिटाई कर दी। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना करीब साढ़े 12 बजे सुलेभावी के पास हुई। यह इलाका महाराष्ट्र के बॉर्डर से करीब है। पूरा मामला फ्री टिकट से जुड़ा है। कर्नाटक में महिलाओं की बस टिकट मुफ्त रहती है। लेकिन एक पुरुष पैसेंजर फ्री टिकट मांग रहा था। मना करने पर बोला कि मराठी में बोलो, जबकि बस कंडक्टर ने बताया कि, मुझे कन्नड़ आती है। जिस बात पर विवाद बढ़ गया। पुलिस ने बताया, कंडक्टर पर हमला करने के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। 14 साल की लड़की द्वारा दर्ज कराई गई जवाबी शिकायत के आधार पर कंडक्टर के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत उसके खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने का मामला दर्ज किया गया है। बेलगावी में मराठी भाषी लोगों की अच्छी खासी आबादी है और उनमें से एक वर्ग जिले को महाराष्ट्र में विलय करने की मांग कर रहा है, जिसका राज्य और वहां रहने वाले कन्नड़ लोग कड़ा विरोध कर रहे हैं। बस कंडक्टर महादेव हुक्केरी ने बताया कि, मैं जब टिकट काट रहा तभी बस में एक महिला और एक पुरुष बैठे थे। पुरुष के साथ बैठी महिला ने मुफ्त में दो टिकट मांगी, मैंने उस एक दे दिया और पूछा आप दूसरी टिकट किसके लिए चाहते हैं। महिला ने पुरुष की ओर इशारा किया। मगर मैंने यह बताया कि कर्नाटक में पुरुषों के लिए बस में मुफ्त सफर की सुविधा नहीं है, तब उन्होंने मुझसे मराठी में बात करने को कहा। मैंने कहा कि मुझे मराठी नहीं आती है। मैंने उनसे कन्नड़ में बात करने को कहा। इतने पर ही बस में सवार 6-7 लोगों ने हमला कर दिया। बस के रुकते ही वहां लगभग 50 लोग और पहुंच गए। इस मारपीट में बस कंडक्टर को चोटें आईं हैं।

झारखंड में हजारों एकड़ में लगी अफीम की अवैध खेती की गई नष्ट, कई गिरफ्तार

रांची। झारखंड में पिछले दो महीनों में करीब 19 हजार एकड़ भूमि पर की गई अफीम की अवैध खेती को नष्ट कर दिया गया है और 190 लोगों को गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट में एक अधिकारी ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। राज्य में अफीम की अवैध खेती के खिलाफ जनवरी से बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है। प्रस्तुत आंकड़ों के मुताबिक राज्य में 19,086 एकड़ भूमि पर अफीम की अवैध खेती को नष्ट किया गया है, जो पिछले सालों की तुलना में चार गुना ज्यादा है। एक आधिकारिक ने कहा गया कि अफीम की अवैध खेती के संबंध में अब तक 283 मामले दर्ज किए गए हैं और 190 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें चतरा, खूंटी, लातेहार, रांची, पलामू, चाईबासा, सरायकेला और हजारीबाग जिले में अफीम की खेती की गई थी। झारखंड की मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को अफीम की खेती को पूरी तरह नष्ट करने और 15 मार्च तक अभियान जारी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अफीम की खेती के खिलाफ अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं, लेकिन अफीम की फसल को शत-प्रतिशत नष्ट किया जाना चाहिए।

सुरक्षा बलों को मिला इनपुट, जम्मू में छिपे दर्जनों आतंकी, तलाशी शुरु

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में आतंकी सीमा पार से लगातार घुसपैठ कर भारत में आते हैं और कई घटनाओं को अंजाम देते हैं जिसमें सुरक्षाबलों के जवानों सहित बेकसूर लोगों की भी जानें भी चली जाती हैं। सुरक्षा बल खुफिया सूचनाओं के आधार पर वे जंगलों में छिपे बैठे आतंकियों के ठिकानों पर छापेमारी करते रहते हैं। एक खुफिया इनपुट के बाद सुरक्षाबल और सेना अलर्ट हो गई हैं और उन्होंने तलाशी अभियान बड़े पैमाने पर शुरू कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के मुताबिक सुरक्षा एजेंसियों को खुफिया इनपुट मिले हैं कि जम्मू-कश्मीर में करीब 55 आतंकी छिपे हैं। इनकी संख्या ज्यादा भी हो सकती है। ये सभी आतंकी जम्मू संभाग में हैं। जम्मू के पुंछ, राजौरी, उधमपुर, डोडा और किश्तवाड़ के ऊपरी इलाकों में इनके छिपे होने की सूचना है। सुरक्षाबलों ने इन आतंकियों को ढूंढने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। घने जंगलों के साथ सुरक्षाबल पहाड़ी क्षेत्रों, ओवर ग्राउंड वर्करों के घरों में भी दबिश दे रहे हैं। साथ ही उन्होंने जम्मू-कश्मीर की जनता से अपील की है कि अगर उन्हें कोई संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति दिखे तो तुरंत सूचित किया जाए ताकि समय रहते अप्रिय घटना को रोका जा सके।

भाऊ गैंग से हुई पुलिस की मुठभेड़, चली गोलियां, एक बदमाश घायल, दो पकड़ाए

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने हिमांशु भाऊ गैंग के तीन गुर्गों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार-शनिवार तड़के तीन बदमाशों को घेर लिया। एक बदमाश को गोली लगी। यह मुठभेड़ बेगमपुर के इलाके में हुई। दिल्ली क्राइम ब्रांच को इंटेलिजेंस से खबर मिली थी कि तीन बदमाशों बाइक से जाने वाले हैं। पुलिस ने जैसे ही उनको दीप विहार इलाके में घेरा तो बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ में तीनों बदमाशों को दबोचा लिया है। मौके से उनके हथियार और बाइक जब्त कर ली है। पुलिस ने बताया कि गोली लगने से घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि ये बदमाश किसी वरदात को अंजाम देने के फिराक में थे, लेकिन समय रहते पुलिस ने कार्रवाई में इनको गिरफ्तर कर लिया है।

'राहुल बाबा हमारा मजाक उड़ाते थे, हमने एक क्लिक से लोगों के खाते में पैसे डाले', महाराष्ट्र में बोले अमित शाह

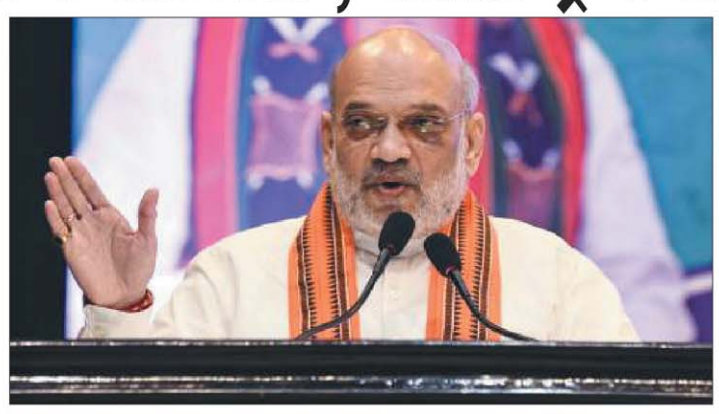

मुंबई (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अनुसार, महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में महायुति गठबंधन की जीत प्रामाणिक शिवसेना और एनसीपी के लिए जनता के समर्थन का संकेत देती है। प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को धनराशि वितरित करते हुए एक समारोह में अमित शाह ने नई सरकार का समर्थन करने के लिए महाराष्ट्र के लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने शिवसेना और राकांपा के भीतर वास्तविक गुटों पर जनता के स्पष्ट निर्णय पर जोर दिया।

एनडीए की तीसरी बार जीत के साथ, पीएम मोदी ने पीएमएवाई के दूसरे चरण की शुरुआत की, जिसमें 20 लाख परिवारों को आवास की सहायता दी गई। इस योजना के तहत सबसे अधिक लाभार्थियों के साथ महाराष्ट्र अग्रणी है, जो एक महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक उत्थान को दर्शाता है। इस योजना का लक्ष्य 2029 तक देशभर में बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देते हुए पांच करोड़ घर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में 1,465 शहरी सहकारी बैंक हैं, और 400 से अधिक केवल महाराष्ट्र में हैं। हम एक स्वतंत्र संगठन को सक्रिय कर रहे हैं, जो सभी सहकारी बैंकों को हर संभव तरीके से मदद करेगा। स्वतंत्र संस्था के लिए 300 करोड़ रुपये का बजट भी मंजूर किया गया है।

अमित शाह ने कहा कि जब पीएम मोदी ने जनधन खाते खोले, तो राहुल गांधी ने उनसे पूछा कि पीएम मोदी खाते में क्या ट्रांसफर करेंगे? मैं आपको बताना चाहता हूं, राहुल गांधी, कैसे पीएम मोदी ने एक क्लिक से लाभार्थी के खाते में धनराशि ट्रांसफर की। अमित शाह ने आज महाराष्ट्र के पुणे में पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा के मुख्यमंत्रियों, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव के प्रशासक और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। केंद्रीय गृह सचिव, सचिव, अंतर राज्य परिषद सचिवालय, सचिव, सहकारिता मंत्रालय, पश्चिमी क्षेत्र के राज्यों के मुख्य सचिव और राज्य और केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।

अपने संबोधन में, श्री अमित शाह ने कहा कि हालांकि क्षेत्रीय परिषदों की भूमिका सलाहकारी प्रकृति की है, हाल के वर्षों में, ये बैठकें विभिन्न राज्यों द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में विकसित हुई हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्रीय परिषद की बैठकों के माध्यम से, देश ने संवाद, जुड़ाव और सहयोग से संचालित समावेशी समाधान और समग्र विकास को सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया है।

केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण एक मंत्र से एक मार्गदर्शक संस्कृति में बदल गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्रीय परिषदों को औपचारिक संस्थानों के रूप में उनकी पारंपरिक भूमिका को पार करते हुए एक रणनीतिक निर्णय लेने वाले मंच के रूप में स्थापित किया गया है। इस मंच के माध्यम से, विशेषकर पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठकों में कई महत्वपूर्ण और परिवर्तनकारी निर्णय लिए गए हैं।

तेजस्वी यादव पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का पलटवार, सत्ता में आने के ख्याली पुआ पका रहे

पटना । केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता गिरिराज सिंह ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर निशाना साधा है। दरअसल तेजस्वी यादव ने बयान दिया था कि बीजेपी में एक नहीं, चार गुट है। इस पर केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि बीजेपी में सिर्फ एक ही गुट है। उसका नाम है भारतीय जनता पार्टी। उन्हें अपने गुट के बारे में सोचना चाहिए। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि तेजस्वी ख्याली पुआ पका रहे हैं। अपने मन में पुआ पकाने से उन्हें कौन रोक सकता है। बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी। सरकार जनता बनाती है। अपने मन से अगर उन्हें सरकार बनाना है, तब बनने दिजिए। बिहार की जनता फिर से जंगलराज की वापसी नहीं चाहती है। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव ने नई दिल्ली में भगदड़ से मौतों के बाद कुंभ को फालतू बताया था। इस पर केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि जिनकी जैसी भावना, वैसी बात बोल रहे हैं। सनातन को गाली देना उचित नहीं है। इस पर ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा। दरअसल, पटना में तेजस्वी ने कहा था, बीजेपी में एक नहीं, चार गुट है। जमीनी स्तर पर कोई तालमेल नहीं है। सरकार में बने रहने के लिए सिर्फ डील हो रहा है। साक्षरता के मामले में आज बिहार पीछे है। बेरोजगारी और पलायन जारी है। जनता ने एनडीए को बहुत मौका दिया है।

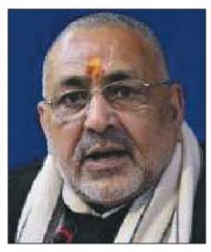

एवरेस्ट पर खतराज्बर्फ आवरण 150 मीटर घटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जयवायु परिवर्तन के कारण दुनिया से सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर भी खतरा बढ़ गया है। एवरेस्ट के ऊपरी हिस्से में बर्फ का आवरण करीब 150 मीटर (490 फीट) तक कम हुआ है। इससे साफ होता है कि 2024-2025 में सर्दियों के मौसम में काफी कम बर्फ जमी है। यह खुलासा नासा की ओर से लिए उपग्रह की तस्वीरों से हुआ। नासा के वैज्ञानिक ने बताया कि 'अक्टूबर 2023 से जनवरी 2025 की शुरुआत तक नासा के उपग्रह चित्रों से पता चलता है कि 2024 और 2025 दोनों में जनवरी तक 'हिम रेखा' में वृद्धि की संभावना है। हाल की सर्दियों में गर्म और शुष्क परिस्थितियां बनी हुई हैं। यह स्थितियां 2021, 2023, 2024 और 2025 की सर्दियां में भी रही। इस कारण बर्फ का आवरण कम हो रहा है, हिम रेखाएं ऊंची हो रही हैं और जंगल की आग की घटनाएं बढ़ रही है।

गौरतलब है कि बर्फ के पिघलने की प्रक्रिया कम ऊंचाई वाले पहाड़ों पर होती है, लेकिन जब पहाड़ की ऊपरी ढलान पर बर्फ पिघलने लगती है, तब इससे गर्म जलवायु का संकेत मिलता है।

एक नए अध्ययन में खुलासा हुआ है कि पृथ्वी पर पिघलते ग्लेशियरों के कारण समुद्रों का जल स्तर तेजी से बढ़ रहा है। ज्यूरिख विश्वविद्यालय के ग्लेशियोलॉजिस्ट और अध्ययन के परियोजना प्रबंधक डॉ. सैमुअल नुसबाउमर ने अध्ययन में बताया कि पृथ्वी के ग्लेशियर इतनी तेजी से लुप्त हो रहे हैं। इस दौरान वह हर साल 273 अरब टन बर्फ समुद्र में छोड़ देते हैं। दुनिया के ग्लेशियरों ने औसतन करीब अपना 5 फीसदी द्रव्यमान खो दिया है।

केजरीवाल अच्छा काम कर रहे थे, शराब दुकान खोलकर राह से भटक गए

-दिल्ली में बीजेपी सरकार बनने के बाद अन्ना हजारे ने दिया बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को लेकर कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक मुख्यमंत्री के तौर पर अच्छा काम कर रहे थे, लेकिन उन्होंने शराब की दुकानें खोलनी शुरू कर दी थीं और इसके परिणामस्वरूप उन्हें लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ा। रेखा गुप्ता के दिल्ली की नई सीएम बनने पर हजारे ने कहा कि यह दिल्ली के लिए गर्व की बात है कि एक महिला शीर्ष कुर्सी पर बैठी है।

उन्होंने कहा कि लोगों ने रेखा गुप्ता को उनके शुद्ध विचारों और कार्यों के कारण वोट दिया है। अन्ना ने कहा कि सीएम के तौर पर केजरीवाल को समाज के सामने एक उदाहरण पेश करना चाहिए

था, लेकिन वे अपनी राह से भटक गए। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन को आम आदमी पार्टी के जन्म का श्रेय दिया जाता है। अन्ना हजारे ने आप सरकार की विवादास्पद आबकारी नीति का जिक्र करते हुए कहा कि पहले के केजरीवाल अच्छा काम कर रहे थे और तीन बार दिल्ली के सीएम बने। मैंने उनके खिलाफ कुछ नहीं कहा क्योंकि वह अच्छा काम कर रहे थे, लेकिन फिर उन्होंने धीरे-धीरे शराब की दुकानें खोलनी शुरू कर दीं और लाइसेंस जारी करने लगे। तब मैं परेशान हो गया।

बता दें केजरीवाल कभी भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन में अन्ना हजारे के सहयोगी थे। हजारे शराब की खपत या बिक्री के कट्टर विरोधी हैं। 2012 में केजरीवाल द्वारा आप का गठन करने के बाद दोनों अलग हो गए थे। इस महीने की शुरुआत में हुए चुनावों में बीजेपी ने दिल्ली में आप को सत्ता से बाहर कर दिया और केजरीवाल भी हार गए।

शरद पवार ने बताया उन्होंने कैसे 8-10 मिनट के अंदर गिरा दी थी 1999 में अटल सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीपी (एसपी) प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने खुलासा किया कि जब 1999 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार लोकसभा में सिर्फ एक वोट से अविश्वास प्रस्ताव हार गई थी, तब वे (पवार) ही थे जिन्होंने 8-10 मिनट तक चली चर्चा के बाद विपक्ष के पक्ष में ÷एक सत्तारूढ़ गठबंधन (एनडीए) का वोट÷ हासिल किया था। पवार ने दिल्ली के महाराष्ट्र सदन में नीलेश कुमार कुलकर्णी द्वारा लिखित मराठी पुस्तक 'संसद भवन ते सेंट्रल विस्टा' के विमोचन के मौके पर यह खुलासा किया।

पुराने संसद भवन की अपनी यादों के बारे में याद कर पवार ने 1999 का वह किस्सा सुनाया, जब वे वाजपेयी सरकार के दौरान विपक्ष के नेता थे। पवार ने कहा, ÷बहुत कम लोगों को याद होगा कि 1999 में मैं विपक्ष का नेता था। हमने वाजपेयी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया था और संसद में इस पर काफी बहस हुई थी। अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से पहले, हमारे पास आठ से दस मिनट का समय था जब मैं 'चर्चा' के लिए सदन से बाहर चला गया था। उसके बाद, जब मतदान हुआ, तब सरकार की तरफ से एक सदस्य ने विपक्ष के पक्ष में मतदान कर दिया। वाजपेयी सरकार को सिर्फ एक वोट से बाहर किया गया। मैंने विपक्ष के पक्ष में वह एक वोट हासिल किया, लेकिन मैं यह नहीं बताऊंगा कि मैंने यह कैसे किया। पवार ने कहा कि नए संसद भवन के प्रति लगाव अभी तक नहीं हुआ है। मैं अभी भी पुराने संसद भवन के प्रति लगाव महसूस करता हूं जिसने देश के प्रतिष्ठित राजनेताओं को देखा है। पवार ने 1962-63 में कांग्रेस की बैठक के लिए दिल्ली की अपनी पहली यात्रा को याद करते हुए बताया कि कैसे वह और पार्टी में उनके कुछ साथी पहली बार जवाहरलाल नेहरू को देखकर अचंभित रह गए थे।

फिर बदला मौसम देश के आधा दर्जन राज्यों में बारिश और तेज हवा की आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। बदलते मौसम में गर्मी की आहट शुरू होते ही बारिश दस्तक दे चुकी है। दिल्ली-एनसीआर और आसपास के इलाकों में हुई हल्की बरसात से तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले दो-तीन दिन तक बारिश का सिलसिला रुकने वाला नहीं है। शनिवार-रविवार को पश्चिम बंगाल और झारखंड में भी ऐसा ही मौसम रहने वाला है। तेज हवाएं चलेंगी जिनकी रफ्तार 30-40 किमी प्रति घंटे तक होगी। गरज के साथ वर्षा और बिजली गिरने का अनुमान है। सिक्किम, राजस्थान और बिहार का हाल भी कुछ ऐसा ही रहेगा जहां आज व कल हल्की बारिश हो सकती है।

कश्मीर में कई स्थानों पर शुक्रवार को ताजा हिमपात हुआ। मैदानी इलाकों में रुक-रुक कर बारिश हुई। अधिकारियों ने बताया कि प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग, सोनमर्ग और पहलगाम में रातभर हिमपात हुआ। उन्होंने बताया कि अनंतनाग, जोजिला दर्रा, बनिहाल, साधना दर्रा, कुपवाड़ा के माछिल और बांदीपोरा के राजदान दर्रे में भी हिमपात दर्ज किया गया। श्रीनगर सहित घाटी के मैदानी इलाकों में रातभर रुक-रुक कर बारिश हुई। मौसम विभाग ने कहा कि 22-24 फरवरी तक मौसम आमतौर पर शुष्क रहेगा, लेकिन बादल छाए रहने की संभावना है। 25-28 फरवरी के दौरान अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या हिमपात हो सकता है जबकि कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। आईएमडी के मुताबिक, 22 और 23 फरवरी को ओडिशा में गरज के साथ छिटपुट से लेकर तेज वर्षा होगी। इस दौरान 40-60 किमी प्रति घंटे की गति हवाएं चलेंगी और बिजली गिरने की भी आशंका है। राजस्थान में नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से बीते 24 घंटे में हनुमानगढ़ जिले में संगरिया सहित कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में आंशिक रूप से बादल छाए रहने व कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी होने का अनुमान है। शेष अधिकांश भागों में आगामी चार-पांच दिन मौसम मुख्यत शुष्क रहने के आसार है। आगामी 24 घंटों में अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट होने की संभावना है। 23 फरवरी से फिर से तापमान में हल्की वृद्धि हो सकती है।

दिल्ली हारने के बाद अब पंजाब में आप के सामने खड़ी हुईं कई चुनौतियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में हार के बाद आम आदमी पार्टी के सामने पंजाब में भी चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। चुनाव के दौरान ही खबरें आई थीं कि पंजाब में कई विधायक दूसरी पार्टी के साथ संपर्क में हैं। चुनाव में हार के बाद अरविंद केजरीवाल ने तत्काल पंजाब सरकार के मंत्रियों की दिल्ली में बैठक बुलाई थी। बताया गया कि इसमें पंजाब में होने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति तैयार की गई है। वहीं हाल ही में आप नेता और पंजाब सरकार में मंत्री अमन अरोड़ा के हिंदू मुख्यमंत्री वाले बयान पर सियासत गर्म हो गई। भगवंत मान ने यहां तक कह दिया था कि कोई भी मुख्यमंत्री बन सकता है और वह पद छोड़ने को तैयार हैं।

बता दें कि शुक्रवार शाम पंजाब के गृह विभाग ने आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया गया। इसमें कई एसएसपी, सीपी और डीआईजी रैंक के अधिकारी शामिल हैं। फिरोजपुर और

लुधियाना रेंज के डीआईजी, एआईजी इंटेलिजेंस, एआईजी क्राइम, गवर्नर के एडीसी समेत कई अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है। वहीं एजी ऑफिस के वकीलों का सामूहिक इस्तीफा मांगा जा रहा है। ऐसे में पंजाब में सियासी स्थिति तनावपूर्ण हो रही है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की करारी हार के बाद पंजाब में भी पावर ट्रांसफर की अटकलें चल रही हैं। इसी बीच पंजाब की सरकार ने सरकारी अधिकारियों पर एक्शन लेना शुरू किया है। कई अधिकारियों को बर्खास्त किया गया। अब कम से कम 21 अफसरों के तबादले कर दिए गए हैं। इसी बीच पंजाब सरकार को 20 महीने बाद यह अहसास हुआ कि एक बड़े नेता को जो मंत्रालय दिया गया है उसका कोई काम ही नहीं है। सरकारी आदेश जारी करते हुए मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल से प्रशासनिक सुधार विभाग छीन लिया गया। अब उनके पास केवल एनआरआई मामलों का विभाग है। पंजाब सरकार के नोटिफिकेशन में कहा गया कि धालीवाल को दिया गया मंत्रालय वास्तव में है ही नहीं। धालीवाल के पास एनआरआई और प्रशासनिक सुधार विभाग दोनों थे। एक विभाग छीने जाने का अब उनके पास एक ही जिम्मेदारी रह गई है। धालीवाल को पहले कृषि मंत्रालय भी दिया गया था। हालांकि मई 2023 में मंत्रिमंडल में बदलाव किया गया और उनसे यह अहम विभाग ले लिया गया। बता दें कि धालीवाल पंजाब की कैबिनेट में पांचवें सबसे सीनियर मंत्री हैं। भगवंत मान, हरपाल चीमा, अमन अरोड़ा और बलजीत कौर के बाद उनका ही नाम आता है।

मुख्यमंत्री चुनने में बीजेपी की हर राज्य में रही एक जैसी रणनीति

-पहली बार विधायक बनने वालों को सौंपी कमान, दिग्गजों को नहीं दी तरजीह

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी अपने कार्यकर्ताओं को लगातार संदेश दे रही है कि विधानसभा चुनावों में पहली बार विधायक बनना फायदेमंद हो सकता है। 2014 के बाद से पार्टी ने जिन राज्यों में जीत हासिल की है वहां सीएम पद के लिए अनुभवी नेताओं के बजाय नए चेहरों को चुनने की रणनीति अपनाई है। बीजेपी ने 2014 में हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर को सीएम बनाकर पहली बार किसी नए विधायक पर दांव लगाया था। खट्टर को शीर्ष पद सौंपे जाने से सभी हैरान थे। खट्टर चार दशकों से आरएसएस और 20 सालों से बीजेपी से जुड़े थे। हरियाणा में बीजेपी के संगठन सचिव के रूप में उन्होंने पार्टी प्रमुख रणनीतिकार के रूप में अपनी पहचान बनाई थी।

खट्टर ने 1996 में हरियाणा के बीजेपी प्रभारी के रूप में पीएम मोदी के साथ मिलकर काम किया। 2014 के आम चुनावों में जब पीएम मोदी वाराणसी से चुनाव लड़ रहे थे, तब खट्टर निर्वाचन क्षेत्र के 50 वार्डों के प्रभारी बनाए गए थे। गैर-जाट मतदाताओं को बीजेपी के पक्ष में एकजुट करने की उनकी क्षमता ने पार्टी में उनका मान बढ़ाया।

2024 में बीजेपी ने राजस्थान के सीएम के रूप में भजनलाल शर्मा को इस पद पर बैठाया, जो एक आश्चर्यजनक कदम था। जयपुर के सांगानेर निर्वाचन क्षेत्र से पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा बीजेपी की राज्य इकाई में महासचिव थे। दिलचस्प बात यह है कि विधायक दल की बैठक से पहले बीजेपी कार्यालय में ली गई एक सामूहिक तस्वीर में, भजनलाल शर्मा पिछली पंक्ति में दिखाई दे रहे थे। हालांकि, राजस्थान विधायक दल की बैठक के दौरान, शर्मा को नेता घोषित किया गया।

इसी तरह दिल्ली में 27 साल बाद सत्ता में आने के बाद पहली बार विधायक बनकर सीएम बनने वालों की सूची में रेखा गुप्ता का नाम भी जुड़ गया। जब बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने दिल्ली के सीएम पद के लिए प्रवेश वर्मा की जगह रेखा गुप्ता को तरजीह दी गई। प्रवेश वर्मा ने दिल्ली के आप पार्टी के पूर्व सीएम केजरीवाल को विधानसभा चुनावों में हराया था। रेखा गुप्ता संघ से संबद्ध संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से आगे बढ़ी हैं। उन्होंने सरकार और पार्टी में अहम पदों पर काम किया है।

2021 में बीजेपी ने एक साहसिक कदम उठाते हुए गुजरात में विजय रूपाणी मंत्रिमंडल के सभी 22 मंत्रियों को बदल दिया था। इस बदलाव ने राज्य में काफी हलचल मचा दी थी और भी आश्चर्यजनक यह था कि पहली बार विधायक बने भूपेंद्र पटेल को सीएम बना दिया। बीजेपी विधायक दल के नेता के रूप में सर्वसम्मति से चुने गए भूपेंद्र पटेल नगर पालिका स्तर से राज्य की राजनीति में आगे बढ़े।

सीएम चुनने के मामले में बीजेपी का तरीका सिर्फ विधायकों तक ही सीमित नहीं है। पार्टी ने 2017 में यूपी के सीएम पद के लिए गोरखपुर के सांसद योगी आदित्यनाथ को चुना था। मुख्यमंत्रियों के चयन के मामले में बीजेपी की रणनीति हर राज्य में एक जैसी रही है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, ओडिशा, गुजरात, हरियाणा इन सभी बीजेपी शासित राज्यों के सीएम पार्टी में अपेक्षाकृत अनजान चेहरे थे, जब तक कि उन्हें राज्य का नेतृत्व करने के लिए नहीं चुना गया। इन राज्यों में दिग्गज नेता शीर्ष पद की दौड़ में पीछे रहे गए।